डालटनगंज
(मेदिनीनगर)
शनिवार
03.09.2022
भाद्रपद शुक्ल पक्ष 07
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रश्मि प्रवाह

इंसान सब कुछ भूल सकता है, पर उस समय को नहीं भूल सकता जब उसे अपनों की सबसे ज्यादा जरूरत थी और वह भी उसके साथ नहीं थे।

www.rastriyanaveenmail.com
डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित
वर्ष-29 अंक-315 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

मुख्यमंत्री ने सूखे के आकलन को लेकर की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, दिये कई निर्देश

किसानों-मजदूरों को रोजगार देने के लिए बनायी जा रही कार्ययोजना : हेमंत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को राज्य में सूखे के आकलन को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों से राज्य के विभिन्न जिलों और प्रखंडों में हुई अल्प वर्षा तथा फसलों की रोपाई की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सूखे से किसानों- पशुपालकों और मजदूरों के साथ ग्रामीण परिवेश में रहनेवाले लोगों को राहत देने के लिए अति शीघ्र विस्तृत योजना तैयार करें।

सूखे से निपटने के लिए सभी संबंधित विभाग कार्ययोजना बनायें : मुख्यमंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा कि सुखाड़ से निपटने के लिए सभी संबंधित विभाग विस्तृत

कार्ययोजना तैयार करें। कृषि, पशुपालन, सिंचाई, ग्रामीण विकास, मनरेगा और पेयजल समेत अन्य क्षेत्र में योजनाओं को बनाकर किसानों एवं मजदूरों को उसका लाभ देना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने सूखे की स्थिति को देखते हुए मिट्टी से जुड़े कच्चे कार्य शुरू करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने ग्रामीण इलाकों में कच्ची सड़क निर्माण, तालाब एवं डोभा निर्माण, खेतों में मेढ़ निर्माण आदि शुरू करने को कहा ताकि किसानों और मजदूरों को इनसे जोड़कर राहत राहत पहुंचाया जा सके।

संथाल एवं पलामू प्रमंडल का दौरा कर जमीनी हकीकत की जानकारी लें अधिकारी : मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि संताल एवं पलामू प्रमंडल के कई इलाकों में कम बारिश की वजह से कृषि कार्य के साथ पेयजल एवं पशुओं के लिए भी जल संकट ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

झारखंड में कुछ ऐसी है सूखे की स्थिति

मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने बताया कि 15 अगस्त तक राज्य में जो बारिश की स्थिति है, उसके मुताबिक 131 प्रखंड मध्यम और 112 प्रखंड गंभीर सूखे की स्थिति में आते हैं। वहीं, पूरे प्रदेश में अब तक मात्र 37.19 प्रतिशत फसलों की बुआई हो पायी है। इसमें धान की रोपनी 30 प्रतिशत, मक्का की 63 .81, दलहन की 44.95, तिलहन की 40.67 और मोटे अनाज की 28.87 प्रतिशत रोपनी हो सकी है। उच्चस्तरीय बैठक में स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन मंत्री बन्ना गुप्ता और कृषि मंत्री बादल, मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ,अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह, प्रधान सचिव हिमानी पांडेय, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, सचिव मनीष रंजन, सचिव अबूबकर सिद्दीक, सचिव केएन झा, सचिव अमिताभ कौशल, सचिव प्रशांत कुमार और कृषि निदेशक निशा उरांव मौजूद थीं।

मुठभेड़ में दो माओवादी ढेर हथियारों का जखीरा बरामद

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड के सरायकेला-खरसावां पुलिस को शुक्रवार को एक और बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। जिले के कुचाई थाना अंतर्गत कोया जंगल में पुलिस और सीआरपीएफ जवानों के संयुक्त ऑपरेशन में दो नक्सलियों को मार गिराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार तड़के कुचाई- टोकलो थाना के सीमावर्ती क्षेत्र के बारूदा जंगल में चलाये जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान हुए मुठभेड़ में पुलिस की गोली से ढेर हुए नक्सलियों की शिनाख्त कर ली गयी है। मारे गये मृतक पुरूष नक्सली की पहचान खूंटी जिला के मुरहू थाना क्षेत्र के कांतराडीह निवासी काली मुंडा एवं बोकारो जिला के गोमिया थाना क्षेत्र के जमुवाबेड़ा निवासी निर्मल की पत्नी सह मृतक नक्सली रिला के रूप में पहचान हुई है। पुलिस ने घटनास्थल से एक एसएलआर व डेटोनेटर बरामद किया है। उधर, मामले की जानकारी मिलते ही एसपी आनंद प्रकाश दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। इससे पूर्व पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया। एसपी आनंद प्रकाश ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि उक्त स्थल पर एक ट्रेनिंग कैंप चल रहा था। जिसे ध्वस्त कर दिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सर्च ऑपरेशन के दौरान पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोकलो थाना क्षेत्र से दो संदिग्ध व्यक्ति हिरासत में लिये गये हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गयी है। मिली जानकारी के अनुसार पिछले एक सप्ताह से कुचाई-टोकलो के सीमावर्ती क्षेत्र के बारूदा-सोरूबेड़ा, झाझरा गांव के जंगलों में एक लाख के इनामी नक्सली पतिराम मांझी उर्फ अनल दा दस्ते के होने की सूचना पर जिला पुलिस, कोबरा बटालियन 209 और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की ओर से संयुक्त ऑपरेशन चलाया जा रहा था। शुक्रवार सुबह 6.55 बजे से नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चल रहा था। पुलिस को ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

गढ़वा पोस्ट ऑफिस घोटाले में सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

सब पोस्टमास्टर समेत चार को बनाया आरोपी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। गढ़वा में रमना के सब पोस्ट ऑफिस से 2.10 करोड़ की फर्जी निकासी के मामले में सीबीआई की एसीबी में केस दर्ज की गयी है। इस मामले में निलंबित चल रहे आरोपी सब पोस्ट मास्टर कामेश्वर राम, अश्विनी कुमार ठाकुर, मंजीत कुमार व संजय कुमार गुप्ता को भी आरोपी बनाया गया है। सब पोस्ट मास्टर के अलावे बाकि तीनों आरोपियों ने अलग-अलग भाउचरों में हस्ताक्षर किया था। सीबीआई एसीबी के द्वारा दर्ज केस के मुताबिक, तीन अप्रैल से आठ जून 2019 के बीच डाक घर के 137 अलग-अलग खातों से कुल 2.10 करोड़ की निकासी फर्जी तरीके से कर ली गयी थी।

रमना थाने में दर्ज केस को किया टेकओवर : सीबीआई के पूर्व इस मामले में असिस्टेंट पोस्टल सुपरीटेंडेंट संजय कुजूर के बयान पर आरोपियों के खिलाफ रमना थाना में केस टेकओवर किया गया था। इसी केस की जांच का प्रस्ताव झारखंड सरकार ने भेजा था, जिसे केंद्र सरकार की मंजूरी मिल गयी थी। केंद्र सरकार के आदेश पर सीबीआई ने इस केस को टेकओवर किया। सीबीआई के इंस्पेक्टर सुमन कुमार सिंह को जांच पदाधिकारी बनाया गया है।

रेकरिंग डिपोजिट एकाउंट में किया था बदलाव

सीबीआई के द्वारा दर्ज केस के मुताबिक, कामेश्वर राम ने अन्य अभियुक्तों की मिली भगत से संचय पोस्ट डाला में बदलाव किया था। रेकरिंग डिपोजिट एकाउंट में बदलाव कर आपराधिक साजिश के तहत पैसों की निकासी कर ली गयी थी। जानकारी के मुताबिक, कामेश्वर राम ने अन्य तीनों आरोपियों को अवैध तरीके से नौकरी पर भी रखा था, ताकि उनसे अपराध कराया जा सके।

पलामू में नकली शराब की फैक्ट्री में छापामारी, 335 लीटर शराब जब्त

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के छतरपुर में हुलसम पंचायत के कोदवरिया गांव में नकली शराब बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गयी है। उत्पाद और स्थानीय पुलिस द्वारा की गयी उक्त कार्रवाई में उक्त गांव के लखपतिया सिंह नामक व्यक्ति के यहां की गई छापामारी में 335.88 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ शराब के कई मशहूर ब्रांड के रैपर और खाली बोतल, ढक्कन आदि भी बरामद किये गये हैं। यह कार्रवाई पलामू उत्पाद अधीक्षक के निर्देश पर उत्पाद विभाग के निरीक्षक प्रदीप शर्मा और छतरपुर पुलिस की ओर से अशोक महतो की टीम द्वारा की गयी थी। इस मामले में लखपतिया सिंह पर नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। हांलाकि पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर पायी और वह फरार हो गया। यह व्यक्ति पहले छोटी सी दुकान की आड़ में महुआ का दारू बेचा करता था । इस काले धंधे में उसे काफी मुनाफा हुआ तो वह नकली अंग्रेजी शराब बनाने का धंधा बड़े पैमाने पर करने लगा। कोदवारिया, मंझौली गांव का छोटा सा टोला है। जहां मात्र चार-पांच घर हैं।आस पास जंगल है। इसी टोले से होते हुए सड़क छतरपुर से पाटन जाती है। **इस इलाके में अवैध शराब बनाने की कई फैक्टरियां हैं :** अनुमंडल क्षेत्र के छतरपुर, नौडीहा ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

कार से 900 बोतल देशी शराब बरामद, तस्कर फरार

हरिहरगंज। पिपरा पुलिस ने शुक्रवार की अहले सुबह बेरिकेडिंग तोड़ कर भाग रहे स्विफ्ट डिजायर कार जेएच 01 इएच 0757 को पीछा कर वरदान स्टोन माइंस के पीछे जंगली इलाके से जब्त किया है। वहीं पुलिस ने कार से 20 पेटी में रखा हुआ 900 बोतल मसालेदार देशी शराब बरामद किया है। बरामद शराब बोतलों पर शौकीन संतरा मार्का अंकित है। जो सिर्फ चंडीगढ़ में बिक्री के लिए वैद्य है। कार पर सवार ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

हाईकोर्ट ने रूपेश पांडेय हत्याकांड जांच की जिम्मेवारी सीबीआई को सौंपी

मृतक की मां के आग्रह पर हाईकोर्ट ने दिया आदेश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने हजारीबाग जिले में बरही निवासी दिवंगत 18 वर्षीय रूपेश पांडेय हत्याकांड मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दिया है। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एसके द्विवेदी की अदालत ने दिवंगत रूपेश पांडेय की मां उर्मिला पांडेय द्वारा दाखिल क्रिमिनल रिट पर सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। न्यायमूर्ति एसके द्विवेदी की अदालत ने मामले से जुड़े सभी पक्षों को सुनने के बाद यह आदेश दिया। मृतक रूपेश की मां ने पुलिस की जांच से असंतुष्ट होकर सीबीआई जांच की मांग की थी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर यह आदेश दिया। अदालत ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वह जल्द से जल्द इस मामले को अपने हाथों में लेकर जांच शुरू करे। साथ ही कोर्ट ने जिला प्रशासन को भी इस मामले से संबंधित दस्तावेज तुरंत सीबीआई को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि इसी वर्ष छह फरवरी 2022 को सरस्वती पूजा के बाद मूर्ति विर्सजन के दौरान छात्र रूपेश पांडेय की हत्या कर दी गयी। रूपरेश पांडेय छह फरवरी 2022 को शाम में अपने चाचा के साथ बरही में सरस्वती पूजा के बाद मूर्ति विर्सजन जुलूस को देखने गया था। उसी दौरान असलम अंसारी उर्फ पप्पू मियां के नेतृत्व में 25 लोगों की भीड़ ने रूपेश की पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। इस मामले को लेकर बरही थाना में 27 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। सात फरवरी को पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया था।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष अरुण हलधर आज मुरुमातु गांव जायेंगे

रांची। झारखंड के पलामू जिले के पांडू प्रखंड अंतर्गत मुरूहातु में एक समुदाय विशेष के दबंग लोगों ने अनुसूचित जाति के 50 सदस्यों के घर को तोड़ कर उन्हें बेघर कर डाला। इतना ही नहीं दबंगों ने अनुसूचित जाति समाज के 50 सदस्यों के साथ मारपीट कर उन्हें गांव से भी भगा दिया था। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष अरुण हलधर आज तीन सितम्बर को झारखंड दौरे पर आ रहे है। वे रांची से सड़क मार्ग से पलामू जिले के पांडू प्रखंड अंतर्गत मुरूमातु गांव जायेंगे। आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के साथ निदेशक संजय कुमार सिंह और अनुसंधान पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह भी साथ रहेंगे। भ्रमण के दौरान वे मुरूमातु गांव का स्थलीय भ्रमण करेंगे। साथ ही पीड़ित परिवार के सदस्यों से घटना के संबंध में चर्चा करेंगे। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग उपाध्यक्ष अरुण हलधर मुरूहातु गांव का भ्रमण कर लौटने और प्रभावितों से मिलने के बाद डालटनगंज में पत्रकारों से भी बातचीत करेंगे।

एक करोड़ से अधिक मतदाताओं ने मतदाता सूची में अपना आधार संख्या लिंक कराया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारत निर्वाचन आयोग, नयी दिल्ली से प्राप्त निदेश के आलोक में राज्य के सभी मतदाताओं के आधार संख्या मतदाता सूची में जोड़ने का कार्य एक अगस्त से संचालित है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सबसे पहले अपना आधार संख्या मतदाता सूची में जुड़वाकर इस अभियान का शुभारंभ किया था। 31 अगस्त तक राज्य के लगभग एक करोड़ सत्तर हजार मतदाताओं द्वारा अपना आधार संख्या मतदाता सूची में जोड़ लिया गया है। झारखंड राज्य की मतदाता सूची में कुल 2,42,68,697 मतदाता निर्बाधित हैं जिनमें से 31 अगस्त तक कुल 1,00,70,478 मतदाताओं ने प्रपत्र-6बी के द्वारा अपना आधार संख्या मतदाता सूची से लिंक करा लिया है। यह कुल मतदाताओं का 41.50 प्रतिशत है।

आधार संख्या लिकिंग के कार्य में अबतक सबसे बेहतर प्रदर्शन राज्य के पाकुड़ जिला ने किया है जहां 63.15 प्रतिशत मतदाताओं का आधार संख्या मतदाता सूची के साथ जोड़ लिया है। ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

कैसे कराया जा सकता है आधार को लिंक

मतदाताओं द्वारा अपने मतदान केंद्र के बीएलओ से संपर्क स्थापित करते हुए प्रपत्र-6बी में अपना आधार संख्या उपलब्ध कराया जा सकता है। सभी बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर भी निर्धारित प्रपत्र में आधार संख्या प्राप्त करने की कार्रवाई की जा रही है। मतदाता वोटर हेल्पलाइन एप्प के द्वारा भी अपना आधार संख्या मतदाता सूची में जोड़ सकते हैं। जानकारी के अनुसार मतदता सूची में जोड़ने हेतु मतदाताओं द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा आधार संख्या पूर्ण रुप से सुरक्षित है तथा इसे किसी स्थान पर संग्रहित अथवा प्रदर्शित नहीं किया जा रहा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा निर्भीक होकर बिना किसी शंका के अपना आधार संख्या मतदाता सूची से जुड़वाने का अनुरोध सभी मतदाताओं से किया गया है।

आयुर्वेद छात्रों को शोध के लिए मिलेंगे 50 हजार रुपये

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने भारतीय चिकित्सा पद्धति को प्रोत्साहन देने के लिए को आयुर्वेद स्नातक के छात्रों को 50 हजार रुपये की छात्रवृत्ति देने की घोषणा की है। सीसीआरएएस ने शुक्रवार को यहां कहा कि मान्यता प्राप्त संस्थान में अध्ययन कर रहे आयुर्वेद (बीएएमएस) के छात्रों को यह वित्तीय मदद उपलब्ध होगी। आयुष मंत्रालय के विशेष सचिव प्रमोद कुमार पाठक ने राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग के अध्यक्ष वैद्य जयंत यशवंत देवपुजारी और प्रो. संजीव शर्मा की उपस्थिति में छात्रवृत्ति योजना और संबंधित पोर्टल का लोकार्पण भुवनेश्वर किया। परिषद रोमानिया, जर्मनी, इजराइल, अमेरिका, कनाडा और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख शोध संस्थानों के सहयोग से अनुसंधान और विकास परियोजनाओं पर काम कर रही है 11 देशों में आयुर्वेद पीठ की स्थापना की है। छात्रवृत्ति के लिए छात्रों को पोर्टल के माध्यम से अपने शोध प्रस्ताव भेजने की आवश्यकता होगी। प्रख्यात विशेषज्ञ और समीक्षक इन प्रस्तावों का मूल्यांकन करेंगे। प्रारंभ में प्रति सत्र कुल 100 सीटें होंगी।

नेवी को मिला आईएनएस विक्रांत, पीएम मोदी बोले -

हिंद प्रशांत महासागर देश की बड़ी रक्षा प्राथमिकता

कोच्चि (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पहला स्वदेशी विमानवाहक युद्धपोत आईएनएस विक्रांत नौसेना को सौंप दिया है। आईएनएस विक्रांत की खास बात यह है कि यह एक स्वदेशी युद्धपोत है, इसे 2009 में बनाना शुरू किया गया था। अब 13 साल बाद यह नौसेना को मिला है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने नौसेना के नये निशान का भी अनावरण किया। नौसेना का नया निशान औपनिवेशिक अतीत से दूर और भारतीय मैरिटाइम हैरिटेज से लैस है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आईएनएस विक्रांत के हर भाग की अपनी एक खूबी है, एक ताकत है, अपनी एक विकासयात्रा भी है। ये स्वदेशी सामर्थ्य, स्वदेशी संसाधन और स्वदेशी कौशल का प्रतीक है। इसके एयरबेस में जो स्टील लगी है, वो स्टील भी स्वदेशी है।

भारत में बना अब तक का सबसे बड़ा युद्धपोत : विक्रांत भारत में बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा युद्धपोत है और इस के निर्माण पर 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत आयी है। यह भारतीय नौसेना के लिए देश में डिजाइन और निर्मित पहला विमानवाहक पोत भी है। इससे नौसेना के पास दो विमानवाहक पोत हो गये हैं और उसकी मारक क्षमता कई गुना बढ़ गयी है। इस विमानवाहक पोत के निर्माण के साथ ही भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जो विमानवाहक पोत बनाने में सक्षम है।

भारत का पहला सबसे बड़ा युद्धपोत : विक्रांत का अर्थ है विजयी और वीर तथा प्रतिष्ठित। विक्रांत भारत में बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा युद्धपोत है और इस के निर्माण पर 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत आयी है। यह भारतीय नौसेना के लिए देश में डिजाइन और निर्मित पहला विमानवाहक पोत भी है। इससे नौसेना के पास दो विमानवाहक पोत हो गये हैं और उसकी मारक क्षमता कई गुना बढ़ गयी है। इस विमानवाहक पोत के निर्माण के साथ ही भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जो विमानवाहक पोत बनाने में सक्षम हैं।

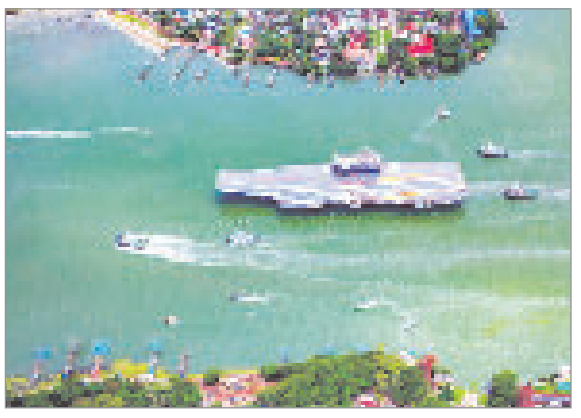

पीएम मोदी भारतीय नौसेना के नये ध्वज का भी किया अनावरण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यहां नौसेना के नये निशान का अनावरण किया और कहा कि इससे देश ने गुलामी के बोझ को सीने से उतार दिया है। मोदी ने कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के परिसर में देश के पहले स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत को देश को समर्पित करने के मौके पर नौसेना के नये धवज निशान का भी अनावरण किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

न्यूज गैलरी

पर्यावरण की रक्षा के लिए युवाओं ने लिया संकल्प

मोहम्मदगंज। पर्यावरणा को लेकर भजनिया पंचायत सहित कई अन्य पंचायत के युवाओं ने रक्षाबंधन के उपलक्ष्य पर कई जगह पर पौधारोपण किया। शहर में उप मुखिया रविरंजन कुमार सिंह, शिक्षक जितेंद्र कुमार सहित कई दुकानदारों ने अलग-अलग किस्म के लगभग दो दर्जन पौधे को सड़क के किनारे लगाया और जानवरों से बचाव को लेकर घेराव भी किया। मोहम्मदगंज प्रखंड क्षेत्र को हरा भरा बनाने के लिए कई युवाओं ने अपना सहयोग राशि दिया। जिसमें किशन कुमार,अनिल कुमार,अंगद कुमार,अरविंद कुमार, अमित सहार सहित कई युवा वर्ग के लोग शामिल हैं। इन युवाओं ने अपने सहयोग राशि के बदौलत लगभग 1200 पौधे अलग-अलग किस्म के मंगाए है और लोगों में बांटना शुरू किया। साथ ही पौधा लगाने को लेकर लोगो को संकल्पित भी कराया। युवा वर्ग सामाजिक,शासन प्रशासन से सहयोग राशि देकर मदद लगाने की भी गुहार लगाई है। ताकि फलदार पौधा लगाकर ऑक्सीजन के साथ फल भी मिले। युवा वर्गों के लोग एक व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से भी लोगों को जोड़कर जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल

मोहम्मदगंज। थाना क्षेत्र के मुख्य पथ के भजनियां मल्होरी टोला के पास गुरुवार की देर शाम टेंपू के धक्के से जितेंद्र चौधरी नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। बेहतर इलाज के लिए उसे रिम्स में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल होने पर एंबुलेंस 108 से उसे हुसैनाबाद अस्पताल ले जाया गया । जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए एमएमसीएच मेदिनीनगर रेफर कर दिया गया। जहां से उसे शुक्रवार की सुबह रिम्स भेजा गया। जानकारी के मुताबिक घायल युवक भजनियां निवासी नरेश चौधरी का 30 वर्षीय पुत्र जितेंद्र चौधरी है। रोजी - रोटी की तलाश में गांव में ठेले पर सब्जी बेचने के बाद मुख्य पथ के रास्ते वह अपने घर लौट रहा था। तभी शुक्रवार की शाम टेंपू से उसे जोरदार धक्का लगा। ग्रामीणों के प्रयास से टेंपो का पीछा कर पेट्रोल पंप के समीप पकडा गया। इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस टेंपो को जब्त कर थाने पर ले गई है। जबकि मौका पाकर टेंपो चालक घटना स्थल से फरार हो गया । जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हैं। टेंपो मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के सहार बिहरा गांव का बताया गया हैं। पुलिस अग्रेतर कार्रवाई में जुट गई है।

नवगढ़ा पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर भेजा जेल

विश्रामपुर। थाना क्षेत्र के नवगढ़ा ओपी अंतर्गत शुक्रवार को पंजरी कला निवासी गुड्डू कुमार 35 वर्ष पिता राम लखन चौधरी को नवगढ़ा ओपी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक जमीनी विवाद में अपने प्रतिद्वंदी पर तलवार से वार कर उसे बुरी तरह घायल कर दिया था। जिसे पुलिस ने छापेमारी कर युवक को धर दबोचा है। ओपी प्रभारी पप्पू मेहता ने बताया कि आपसी जमीनी विवाद में हुए मारपीट में थाने में दर्ज कांड संख्या 45/22 दफा 307 के तहत युवक को गिरफ्तार किया गया है। जिसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। गिरफ्तारी दल में मुख्य रूप से एएसआई लाखो उराऊ,हवलदार जितेंद्र कुमार राय, केतु राम मुंडा,सुमित कुमार सहित शस्त्र बल के कई जवान शामिल थे।

जेडीयू ने महादलित परिवार को अंग वस्त्र का किया वितरण

विश्रामपुर। जनता दल यूनाइटेड के द्वारा मुरूमातू ग्राम के महादलित परिवार के बीच विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी ब्रह्मदेव प्रसाद एवं जनता दल यूनाइटेड के जिला अध्यक्ष डॉ राजनारायन सिंह पटेल द्वारा सभी पीड़ित परिवारों को अंग वस्त्र का वितरण किया। साथ ही दुख दर्द में शामिल होकर पलामू जनता दल यूनाइटेड उनसे कंधा से कंधा मिलाकर चलने के लिए तैयार है। जेडीयू द्वारा जिला प्रशासन से उसी स्थान पर आवास बनाने का आग्रह किया जायेगा। अंग वस्त्र वितरण कार्यक्रम में जनता दल यूनाइटेड के निम्न लिखित पदाधिकारी उपस्थित थे। जिसमें प्रदेश सचिव जनकधारी मेहता, युवा प्रदेश सचिव रविन्द्र देव चरण, प्रणव ,राजू गुप्ता, रविन्द्र पांडेय, गुड्डू प्रसाद सहित कई लोग उपस्थित थे।

माउंटेन व्यू रेस्टोरेंट एंड बार का उद्घाटन 7 को

हरिहरगंज। प्रखंड के बलराज-सुल्तानी परसाचूवां स्थित गांव में आगामी 7 सितंबर दिन बुधवार को माउंटेन व्यू रेस्टोरेंट एंड बार का उद्घाटन किया जायेगा। इसकी जानकारी देते हुए करण गुप्ता व बिनेसर यादव ने बताया कि उक्त रेस्टोरेंट एंड बार में ग्राहकों के सुविधा तथा उनकी पसंद का विशेष ख्याल रखते हुए ग्राहकों को उच्च क्वालिटी देना प्राथमिकता होगी।

कजरात नावाडीह स्टेशन पर दो एक्सप्रेस का होगा ठहराव

ग्रामीणों की मांग पर पलामू सांसद ने की पहल

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पूर्व मध्य रेलवे के जपला सोननगर रेल खंड के व पलामू सांसदीय क्षेत्र के कजरात नावाडीह रेलवे स्टेशन पर दो एक्सप्रेस का ठहराव आगामी सात सितंबर से शुरू होगा। इसकी अधिसूचना हाजीपुर रेल मंडल जारी की है। जिसमें 18611 रांची वाराणसी और 18612 वाराणसी रांची एक्सप्रेस व 13349 सिंगरौली पटना एक्सप्रेस व 13350 पटना सिंगरौली एक्सप्रेस का ठहराव कजरात नावाडीह पर शुरू कर दी जायेगी। मालूम हो की पलामू संसदीय क्षेत्र के आखरी रेलवे

स्टेशन पर दर्जनों गांव के लोग को झारखंड की राजधानी रांची व बिहार की राजधानी पटना के अलावा कई जगहों पर जाने के लिए काफी परेशानी होती। इसको लेकर ग्रामीणों कजरात नावाडीह पर एक्सप्रेस का ठहराव की मांग कर रहे थे। वहीं उतरी जिप सदस्य राजू मेहता उर्फ एसपी मेहता ने भीरेर महाप्रबंधक के नाम कजरात नावाडीह स्टेशन प्रबंधक को पत्र सौंपा गया था। ग्रामीणों की मांग को लेकर पलामू सांसद बीडी राम ने ग्रामीणों की इस मांग को गंभीरता पूर्वक लेते हुए रेल मंत्री से मुलाकात कर उक्त दोनों ट्रेनों की ठहराव की मांग की थी। काजरात नावाडीह ट्रेन का ठहराव होने पर झारखंड प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य अशोक कुमार सिंह, बिनोद कुमार सिंह, ललन सिंह, मंडल अध्यक्ष अजय प्रसाद गुप्ता, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष रामराज मेहता, प्रशांत सिंह उर्फ गुड्डु सिंह, दंगवार पंचायत के मुखिया अमरेंद्र ठाकुर समेत कई लोगों ने पलामू सांसद के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बीडीओ व प्रखंड प्रमुख ने पंचायत समिति के साथ की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

पाटन। प्रखंड सभागार में पंचायत समिति की हुई निर्णायक बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज तिवारी,प्रखंड प्रमुख शोभा देवी, अंचलाधिकारी लाल बाबू, पंचायत समिति, मुखिया स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। सभा के बैठक में योजना विस्तार पर चर्चा की गई पंचायत समिति ने आरोप लगाया कि पंचायत में पंचायत कर्मी मौजूद नहीं रहते हैं सही समय पर प्रधानमंत्री आवास का लेबर पेमेंट नहीं कर पा रहे हैं। लाभुक को ब्लॉक का चक्कर लगाना पड़ता है वहीं शिक्षा विभाग से आए हुए पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि विद्यालय में शौचालय पानी की समुचित व्यवस्था कराये, पंचायत में15वें वित्त के योजना में कार्य योजना को तेजी लाने का निर्देश दिया गया मनरेगा से संबंधित योजनाओं को सही समय पर धरातल पर उतारने का प्रयास करें बैठक में मौके पर उपस्थित बीपीओ रणधीर कुमार, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अमित चौबे, प्रधानमंत्री आवास कोऑर्डिनेटर रंजन कुमार, मुखिया सुमन गुप्ता, मुखिया मंजू देवी, उपप्रमुख, सहित कई लोग उपस्थित थे।

हृदयगति रुकने से दुकानदार संघ के कोषाध्यक्ष का निधन

फुटपाथ दुकानदार संघ ने किया शोकसभा

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। फुटपाथ दुकानदार संघ के कोषाध्यक्ष 52 वर्षीय राजू चन्द्रवंशी का अहले सुबह हृदयाघात से निधन हो गया। मिली जानकारी के अनुसार परिजन हर्ट अटैक के बाद राजू को अनुमंडलीय अस्पताल ले गए थे । जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद फुटपाथ दुकानदार संघ के प्रखंड अध्यक्ष गौतम सागर और संरक्षक अरविंद गुप्ता के नेतृत्व में फुटपाथ दूकानदार संघ के सभी पदाधिकारी राजू चन्द्रवंशी के घर पंहुचे और परिजनों को सांत्वना दी। मौके पर शोक सभा का आयोजन कर सभी ने दिवंगत राजू चंद्रवंशी को श्रद्धांजलि अर्पित की। संघ के संरक्षक अरविंद गुप्ता चुनमुन ने कहा कि संगठन हमेशा राजू चंद्रवंशी के परिवार के साथ खड़ा रहेगा । उनके निधन से छतरपुर को अपूरणीय क्षति हुई है। वहीं फुटपाथ-दुकानदार संघ के प्रखंड अध्यक्ष गौतम सागर ने कहा कि संघ बैठक कर परिजनों को आर्थिक सहायता भी करेगा । संघ राजू चन्द्रवंशी के परिजनों के साथ खड़ा है। मौके पर मुख्य रूप से छतरपुर के समाजसेवी अनिल कुमार सिंह, वार्ड पार्षद रजनीश कुमार, मां शक्ति संघ के अध्यक्ष अरुण सोनी, केतन सिंह, गिरिजा सिंह, ददन सिंह, मुन्ना चन्द्रवंशी, बजरंगी चन्द्रवंशी, फुटपाथ दुकानदार संघ के अध्यक्ष गौतम सागर, कोषाध्यक्ष गोकुल प्रसाद गुप्ता, कुंदन कुमार, अजय प्रसाद, उमेश प्रसाद, गुड्डू, सरयू साव, विजय, नागेंद्र राम, आकाश कुमार, राकेश प्रसाद सहित सैकड़ो की संख्या में व्यवसायी और स्थानीय लोग मौजूद थे।

नहर रिसाव से धान की पटवन में हो रही है समस्या

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। उतर कोयल भीम बाराज से दायी मुख्य नहर में हैदरनगर थानान्तर्गत सिमरसोत गांव 64 आरडी के पास सिचाई नहर से पानी का रिसाव होने के कारण मात्र 300 क्यूसेक काफी कम मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। इससे नहर से लाभान्वित किसानों को धान की रोपनी एवं पटवन करने में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सबसे ज्यादा दिक्कत पड़ोसी राज्य के औरंगाबाद जिले के किसानों को हो रही है। सूत्रों के अनुसार मोहम्मदगंज बराज से पहले जहां मुख्य नहर में 1300 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था। वहीं अब नहर टूटने के भय से मात्र 300 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। किसानों ने बताया कि जो भी लघु वितरणी नहर है उसमें पानी का बहाव तभी संभव है,जब मुख्य नहर में कम से कम 12 फीट पानी का बहाव हो। चूंकि लघु नहर में पानी छोड़ने के लिये जो 'पाइप दिया गया है । वह 10 से 12 फीट की ऊंचाई पर दिया गया

है। अब मुख्य नहर में पानी का बहाव कम होने से हुसैनाबाद क्षेत्र की सभी लघु नहरों में पानी का बहाव बन्द हो गया है। इस कारण इस क्षेत्र के किसानों को अब पटवन के लिये भारी मशक्कत करनी पड़ेगी। हालांकि विभागीय अभियंता का कहना है कि सिमरसोत के पास मुख्य नहर में हो रहे रिसाव को बंद करने का कार्य अतिशीघ्रता से करके पूर्व की भांति नहर में पानी छोड़ा जायेगा। फिलवक्त मुख्य नहर में पानी कम हो जाने से हुसैनाबाद, हैदरनगर सहित पड़ोसी राज्य बिहार के किसानों के बीच हाहाकार मचा हुआ है। मालूम हो कि उक्त सिंचाई नहर के लाइनिंग ,सुदृढ़ीकरण का कार्य केंद्रीय जल आयोग के अन्तर्गत वेपकोस कंपनी के द्वारा कमल आदित्य कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को कार्य करने का जिम्मा सौपा गया था। जिस कम्पनी के घटिया और कार्य लम्बित रखने के तरीके से कार्य प्रणाली पर कई बार सवाल पैदा हुए है। वही विगत एक वर्ष से कम्पनी द्वारा कार्य को बंद कर दिया गया है। इसके पूर्व कंस्ट्रक्शन कम्पनी द्वारा सिचाई नहर के टाइल्स को कई जगह से हटा दिया गया है। जिस कारण इस वर्ष नहर में पानी छोड़ने पर पूर्व से ही सिचाई कर्मी सशंकित थे।

मतदाता पहचान पत्र से आधार लिंक को लेकर सीओ ने की समीक्षा बैठक

बीएलओ को लगायी फटकार

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। मतदाता पहचान पत्र सत्यापन को लेकर सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी राजीव नीरज ने शुक्रवार को अंचल कार्यालय के सभागार में समीक्षा बैठक की। अंचलाधिकारी नीरज ने कहा कि पिछले एक अगस्त से विशेष अभियान चलाकर मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड नंबर से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। किन्तु कई बीएलओ इस कार्य में काफी लापरवाही बरत रहे हैं। यही कारण है कि हैदरनगर के 10 मतदान केंद्र ऐसे हैं, जहां एक भी मतदाता का आधार से लिंक नहीं किया गया है। वहीं 10 ऐसे मतदान केंद्र हैं, जहां मतदाता पहचान पत्र को आधार से लिंक करने की संख्या 01 से 05 तक है। कहा कि ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग द्वारा 100 प्रतिशत मतदाताओं का आधार से लिंक का कार्य 31 मार्च 2023 करने के निर्देश का अनुपालन संभव नहीं है। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी ने वैसी बीएलओ सह आंगनबाड़ी सेविका को चिन्हित कर उन्हें स्पष्टीकरण देकर उनके विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश महिला पर्यवेक्षिकाओं को दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा गरुड़ ऐप, एरोनेट एवं एनभीएसपी के माध्यम से प्रपत्र 6 बी पर आधार कार्ड से मतदाता पहचान पत्र को लिंक करना सुनिश्चित किया गया है। इसके लिए सभी बीएलओ को प्रशिक्षण भी दिया गया है और इस कार्य के लिए अलग से मानदेय भी दिया जाता है। इसके बावजूद बीएलओ द्वारा इस कार्य में कोताही बरती जा रही है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। अगर अभी भी इस कार्य में आगामी पांच सितंबर तक आवश्यक तेजी नहीं लायी गयी तो कार्रवाई के लिये उच्चाधिकारियों को सूचित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि उपायुक्त महोदय ने अल्टीमेटम दिया है कि पांच सितंबर तक 65 प्रतिशत तक कार्य अवश्य पूर्ण करें। प्रखंड अर्न्तगत सबसे अच्छा कार्य बीएलओ संड़ेया - 2 की शीला देवी 92.2%,बनाही से अंजू देवी 86.3%, संडेया- 1 से उर्मिला देवी 78.7% ने किया है। जिन्हें सीओ सह सीडीपीओ राजीव नीरज ने बताया कि तीनों बीएलओ को एसडीओ की ओर से प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जायेगा।

मंदिर निर्माण के लिए ग्रामीणों ने एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद शहर के बगीचा परिसर में शिव मंदिर निर्माण समिति ने एसडीओ को ज्ञापन दिया है। जिसमें एमजीसीपीएल के मैनेजर द्वारा मंदिर निर्माण कराने की बात कहा है। दिये गये आवेदन में कहा है कि रेलवे क्रॉसिंग के पास शिव मंदिर स्थापित था। ओवरब्रिज निर्माण के दौरान एमजीसीपीएल कंपनी के मैनेजर द्वारा दूसरे जगह मंदिर निर्माण के अनुबंध पर हटाया गया था। कंपनी द्वारा लोगों को आश्वस्त कराया गया था कि आपलोग जगह का चयन कर लीजिये कंपनी द्वारा मंदिर का निर्माण करा दिया जायेगा। इसके बाद मंदिर से जुड़े लोगों ने वार्ड -12 में मंदिर के लिए स्थल का चयन और भूमि पूजन किया गया था। लेकिन कंपनी मंदिर निर्माण से मुकर रही है। जबकि उक्त शिव मंदिर से आस्था जुड़ी थी। लोगों ने दिये गये आवेदन में

हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी से इस दिशा में सार्थक पहल की मांग की है। आवेदन देने वालो में मुख्य रूप से उदय कुमार सोनी, अशोक सिंह,कमलेश कुमार,अजय कुमार, प्रमोद सिंह,अंजय सिंह,अनुज चौधरी,सुनील यादव, बबलू कुमार समेत कई लोगों का नाम शामिल है। इसकी प्रतिलिपि हुसैनाबाद एसडीपीओ ,थाना प्रभारी, जिप अध्यक्ष आलोक कुमार सिंह, नगर अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को भी दी गई है।

सीएचसी टीम ने किया विस्थापित मुसहर परिवारों का स्वास्थ्य जांच

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। पलामू सिविल सर्जन के निर्देश पर विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्वास्थ्य टीम शुक्रवार को पांडू के मुरुमातु से विस्थापित किये गये पीड़ित परिवार के लोगो का स्वास्थ्य जांच कर उनका समुचित इलाज किया गया। टीम का नेतृत्व विश्रामपुर चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर राजेंद्र कुमार ने किया। प्रभारी कुमार ने बताया कि विस्थापित परिवार के सभी सदस्यों का बीपी, फीवर, शुगर, टायफाइड आदि रोगों का जांच कर जरूरत के हिसाब से लोगो के बीच आयरन,पेन किलर, विटामिंस, मिनरल्स आदि दवाओं को उन्हे दिया गया। प्रभारी ने कहा की हमारी टीम की नजर इन लोगो पर हमेशा बनी रहेगी। वही टीम में मुख्य रूप से डॉक्टर नेहा पाण्डेय, विनोद तिवारी, सौरव कुमार, अविनाश कुमार, इसरार अहमद, एएनएम अंजली कुमारी,एएनएम अनिता कुमारी, एलटी संतोष कुमार,बजरंग कुमार,विकास कुमार,सुदर्शन कुमार सहित कई अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

इंटर शिक्षकों ने डीईओ को किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू के नवपदस्थापित जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिल कुमार चौधरी को इंटर शिक्षकों ने बुके देकर सम्मानित किया। इसमें इंटरमीडिएट शिक्षक कर्मचारी महासंघ के प्रदेश महासचिव प्रो. अरविन्द कुमार सिंह, बलवंत सिंह नामधारी इंटर महाविद्यालय के प्राचार्य ज्योति सिन्हा, गुलाबचंद प्रसाद अग्रवाल इंटर महाविद्यालय छतरपुर के प्राचार्य स्वाति कुमारी, अवधेश कुमार सिंह, इंटर महाविद्यालय कुंद्री के प्राचार्य जोगेंद्र सिंह, शहीद भगत सिंह इंटर महाविद्यालय जपला के शिक्षक प्रतिनिधि सह व्याख्याता अरविन्द कुमार सिंह, अमित कुमार मिश्रा, अंशुल सिन्हा सहित अन्य महाविद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी शामिल हैं। जपला एसबीएस कॉलेज के प्रोफेसर सह इंटरमीडिएट शिक्षक संघ के प्रदेश महासचिव अरविंद कुमार सिंह ने कहा है कि पलामू जिला शिक्षा पदाधिकारी अनील कुमार चौधरी के शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त किया है कि इनके योगदान देने के बाद जिले में शिक्षा की स्थिति काफी मजबूत व सुदृढ़ होगी।

नेतरहाट आवासीय विद्यालय, नेतरहाट

पत्रांक–1429 | अत्यावश्यक सूचना | दिनांक–01.09.2022

नेतरहाट प्रवेश परीक्षा सत्र 2021–22 में सफल एवं तदुपरांत हुए चिकित्सीय जांच के पश्चात चयनित छात्रों की सूची एवं नामांकन कार्यक्रम निम्नवत् है:–

तिथि,समय एवं स्थान	नेतरहाट प्रवेष परीक्षा क्रमांक							
10.09.2022(शनिवार) (पूर्वाह्न 9:30 बजे से अपराह्न 1:30 बजे तक) कार्यालय नेतरहाट आवासीय विद्यालय	1	NET-1230002	11	NET-3090060	21	NET-1160121	31	NET-2020129
	2	NET-2080150	12	NET-4180013	22	NET-2020016	32	NET-3050019
	3	NET-1200086	13	NET-2140005	23	NET-1160118	33	NET-2040015
	4	NET-2080015	14	NET-2110081	24	NET-2080132		
	5	NET-2040016	15	NET-2110077	25	NET-1100057		
	6	NET-2020127	16	NET-5060046	26	NET-2040092		
	7	NET-2110082	17	NET-2110076	27	NET-2080139		
	8	NET-2040066	18	NET-2110018	28	NET-3050041		
	9	NET-	19	NET-4180001	29	NET-3090049		
	10	NET-4070073	20	NET-2140029	30	NET-2080129		
11.09.2022(रविवार) (पूर्वाह्न 9:30 बजे से अपराह्न 1:30 बजे तक) कार्यालय नेतरहाट आवासीय विद्यालय	1	NET-2040025	11	NET-1160014	21	NET-2020007	31	NET-4150065
	2	NET-2110013	12	NET-2020060	22	NET-2110017	32	NET-1160119
	3	NET-1160105	13	NET-2080106	23	NET-5220051	33	NET-2040020
	4	NET-2040081	14	NET-2040084	24	NET-3170020		
	5	NET-2040095	15	NET-2040055	25	NET-4180079		
	6	NET-4150036	16	NET-2020036	26	NET-1160055		
	7	NET-2040053	17	NET-2040008	27	NET-1160043		
	8	NET-1160097	18	NET-2020121	28	NET-1160049		
	9	NET-1160093	19	NET-2020081	29	NET-2020012		
	10	NET-2040086	20	NET-1200003	30	NET-2080004		

उपरोक्त छात्रों को नामांकन सम्बन्धी पत्र भेजा जा रहा है। यदि किसी कारणवश छात्रों को पत्र ससमय प्राप्त न हो पाए तब भी छात्र निर्धारित तिथि एवं स्थान पर निम्नांकित **प्रमाणपत्रों/दस्तावेजों की मूल प्रति एवं एक सेट स्वाभिप्रमाणित छायाप्रति** के साथ नामांकन हेतु उपस्थित होंगे।

क्रम संख्या	प्रमाणपत्र/दस्तावेज
1.	**प्राचार्य, नेतरहाट आवासीय विद्यालय** भुगतेय शाखा **लोहरदगा, शाखा कोड संख्या–03534** के नाम भारतीय स्टेट बैंक द्वारा निर्गत रू. 10,000/– (रू. दस हजार मात्र) का डिमांड ड्राफ्ट
2.	अनुमंडल पदाधिकारी/सक्षम पदाधिकारी द्वारा निर्गत झारखण्ड राज्य का स्थानीय/आवासीय प्रमाण पत्र
3.	अनुमंडल पदाधिकारी/सक्षम पदाधिकारी द्वारा निर्गत जाति प्रमाण पत्र/EWS प्रमाण पत्र (यदि आरक्षित श्रेणी के हों)
4.	जन्म एवं मृत्यु पंजीयन 1969 के तहत जन्म मृत्यु निबंधन कार्यालय/नगर निगम/पंचायत द्वारा प्राप्त जन्म प्रमाण पत्र
5.	विद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र की मूल प्रति (DEO/DSE/BEO द्वारा सत्यापित)
6.	नेतरहाट प्रवेश परीक्षा के प्रवेश पत्र की मूल प्रति
7.	माता–पिता एवं अभ्यर्थी का आधार कार्ड
8.	प्रथम श्रेणी के दंडाधिकारी/नोटरी पब्लिक द्वारा शपथ पत्र की मूल प्रति (दिए गए प्रारूप में)
9.	नामांकन हेतु छात्र द्वारा भरा गया आवेदन पत्र (दिए गए प्रारूप में)
10.	अभिभावक द्वारा भरा गया छात्र का व्यक्तिगत विवरण, **दो प्रतियों में** (दिए गए प्रारूप में)
11.	विद्यालय द्वारा भेजा गया शारीरिक जांच में उपस्थित होने सम्बन्धी पत्र की मूल प्रति
12.	छात्र का हाल का खींचा गया पासपोर्ट आकार का फोटो – 06 प्रति
13.	माता–पिता एवं अभ्यर्थी का सामूहिक फोटोग्राफ
14.	अनुमंडल पदाधिकारी/सक्षम पदाधिकारी द्वारा नवीनतम निर्गत आय प्रमाण पत्र (माता–पिता का अलग–अलग)
15.	राशन कार्ड/अन्य पहचान पत्र
16.	अभ्यर्थी के नाम बैंक खाता की स्वाभिप्रमाणित प्रति

ह०/–
प्राचार्य नेतरहाट आवासीय विद्यालय
नेतरहाट

PR 276965 Human Resource Developement(22-23)D

एक ऐसा स्कूल जहां दो शिक्षक के भरोसे ढाई सौ बच्चे का भविष्य

उर्दू स्कूल का नाम सरकार के आदेश के बाद भी नहीं बदला गया

दीपक दुबे

पाटन। प्रखंड के शोले उर्दू विद्यालय का नामकरण में अभी तक बदलाव नहीं किया गया। जबकि झारखंड सरकार द्वारा शिक्षा विभाग के गाइडलाइन के द्वारा यह निर्देश जारी किया गया था। स्कूलों में शिक्षा की हालत ठीक नहीं है। पठन-पाठन करने में विद्यार्थी को कठिन समस्या का सामना करना पड़ता है। विद्यालय में दो पारा शिक्षक के भरोसे यह स्कूल संचालित होता है। स्कूल में कुल ढाई सौ विद्यार्थी हैं। सिर्फ दो टीचर के भरोसे ही स्कूल में पठन-पाठन होता है। हालांकि स्कूल में प्रिंसिपल के चार्ज में ब्रजकिशोर राम हैं। स्कूल के समय पर बच्चे स्कूल में आकर खेलते रहते हैं। जो उनका घर स्कूल के आसपास में ही है। एक शिक्षक

कामेश्वर प्रसाद हैं वह डाल्टनगंज से आते हैं। उन्हीं के भरोसे ढाई सौ बच्चे पढ़ते हैं। शिक्षक से पूछे जाने पर बताते हैं कि हम लोग क्या करें। किसी प्रकार स्कूल चलाते हैं। एमडीएम के भोजन भी सही समय पर बच्चों को नहीं मिल पाता है। शिक्षक की कमी से स्कूल में बच्चे खेलते नजर आते हैं। उर्दू स्कूल का नामांतरण चेंज करने को लेकर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी हरेंद्र तिवारी का कहना है कि अभी तक नाम में बदलाव नहीं किया गया है। स्कूल के प्रिंसिपल पर कार्रवाई की जाएगी। बहुत जल्द उर्दू नाम बदल कर राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय किया जायेगा। वहीं शोले पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि तथा पूर्व मुखिया लक्ष्मण मांझी ने कहा कि शिक्षक की लापरवाही के कारण स्कूल के नामांतरण में बदलाव नहीं किया गया।

न्यूज गैलरी

गणेश चतुर्थी के अवसर पर भंडारा का आयोजन

मेदिनीनगर। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर शहर के जैन मंदिर रोड स्थित गणेश पूजा पंडाल के प्रांगण में मध्यदेशीय युवा समाज के संरक्षक प्रभात कुमार गुप्ता के द्वारा गुरुवार की शाम 5:00 बजे भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। इस संबंध में प्रभात कुमार गुप्ता ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणेश चतुर्थी के अवसर पर मध्यदेशीय परिवार की ओर से गुरुवार को भव्य भंडारा का आयोजन किया गया था। इस भंडारा में सैकड़ों श्रद्धालु ने पूजा पंडाल पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि भंडारा आयोजन के दौरान पूजा समिति के लोगों ने भी मिलकर सहयोग किया।

राजद की बैठक में प्रखंड व नगर अध्यक्ष का चयन

मेदिनीनगर। विश्रामपुर नगर मुख्यालय स्थित सोरडीहा में राजद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड के सभी 10 पंचायत व नगर परिषद के सभी 20 वार्ड के राजद कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक में प्रखंड व नगर अध्यक्ष चुनाव को लेकर चर्चा की गई। चर्चा के बाद सर्वसम्मति से विश्रामपुर प्रखंड का राजद अध्यक्ष सतेंद्र यादव तथा सिराजुद्दीन अंसारी को दुबारा नगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया। चुनाव प्रभारी कैलाश यादव व धीरेंद्र सिंह पप्पू की देख-रेख में पूरी प्रक्रिया संपन्न हुई। मौके पर धीरेंद्र सिंह पप्पू ने कहा कि पंचायत व प्रखंड स्तर से लेकर जिला स्तर तक संगठन को मजबूत किया जा रहा है। संगठन में पुराने कार्यकर्ताओ को तहजीब व जिम्मेवारी दी जा रही है। कमेटी में अनुभवी व युवा का मिश्रण कर जिम्मेवारी बांटी जा रही है। राजद नेताओ ने नवनियुक्त नगर अध्यक्ष सिराजुद्दीन अंसारी व प्रखंड अध्यक्ष सतेंद्र यादव को माला पहनाकर सम्मानित करते हुये बधाई दी। मौके पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष रमेश चौबे,गया सिंह,राजेंद्र सिंह,वीरेंद्र प्रसाद चंद्रवंशी, राजेंद्र कुमार यादव,मंसूर अंसारी,निजाम अंसारी,नरेश यादव,सुरेश यादव,मुबारक अंसारी,नागेंद्र यादव,देववंशी सिंह,इद्रीश अंसारी,प्रवेश यादव,आफताब अंसारी,इस्लाम अंसारी,राजाराम मेहता,तैहरुन बीबी सहित कई राजद नेता कार्यकर्ता मौजूद थे।

राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर अनम्या ने विद्यालय का मान बढ़ाया

मेदिनीनगर। एमकेडीएवी पब्लिक स्कूल मेदिनीनगर के प्रांगण में एक सितबंर को विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों मे अनम्या पांडेय ने ओलंपियाड में पूरे राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इनके अतिरिक्त पलामू जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अभिनव सिन्हा ये दोनों इस समारोह में सम्मिलित थे। इन दोनों विजेताओं को प्रशस्ति पत्र एवं धनराशि के द्वारा सम्मानित किया गया । अनम्या पांडेय को 5000 एवं अभिनव सिंहा को 2100 का चेक प्रदान किया गया। दोनों छात्रों को सम्मानित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ.जीएन खान ने कहा कि ये विद्यार्थी विद्यालय एवं अपने माता-पिता के गौरव हैं। भविष्य में इनकी उड़ान और ऊंची हो सकती है । पूत के पांव पालने में पहचान कर हम उन्हें और भी उत्कृष्ट बनाने का प्रयास करेंगे। झारखंड जोन के सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी अरुण कुमार ने कहा कि छात्रों में बचपन से ही प्रतिस्पर्धा का भाव जागृत करने से उन्हें भविष्य में उन्नति करने में कोई कठिनाई नहीं होती है । उन्होंने दोनों बच्चों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। प्राचार्य ने सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी का संदेश बताते हुए छात्रों के उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी।

धोती,साड़ी व लूंगी की गुणवत्ता में सुधार करे राज्य सरकार:रेणु देवी

नावाबाजार। झारखण्ड क्रांति मंच के केन्द्रीय सचिव सह नावाबाजार प्रखण्ड के पूर्व प्रमुख रेणु देवी ने दो सितंबर को प्रेस बयान जारी कर कहा है कि हेमन्त सरकार को सोना सोबरन योजना के तहत गरीबों के बीच नियंत्रित दर पर वितरित किये जानेवाले धोती,साड़ी व लूंगी की घटिया गुणवत्ता पर विचार कर गुणवत्ता में सुधार करना चाहिए। भले ही इस योजना में 10 के बदले सरकार 30 वसूली कर ले। जारी बयान में उन्होंने कहा कि यह दु:ख की बात है कि अबूआ दिशोम राज में भी कमिशन के चक्कर में घटिया वस्त्रों की खरीद कर गरीबों की भावनाओं के साथ जानबूझकर खिलवाड़ किया जा रहा है,जो चिंतनीय बात है। ज्ञातव्य है कि कल्याणकारी राज्य में नियंत्रित दर पर घटिया धोती,साड़ी व लूंगी के वितरण से भीषण गर्मी व जाड़े में इस प्रकार के कपड़ों का प्रयोग मुश्किल है। क्या टेरीकोट व पोलिस्टर के इन कपड़ों का प्रयोग सत्ताधारी व विपक्ष के राजनेता व अधिकारी गण कर सकते हैं। बयान के अंत में जेकेएम के केन्द्रीय सचिव सह पूर्व प्रमुख ने कहा है कि जिन्होंने गरीबी को नजदीक से देखा है। उन्हें मालूम है कि इन कपड़ों का दैनिक जीवन में प्रयोग के बाद बच्चों को गांती बांधने,पर्दा करने से लेकर घर लिपने के लिए पोतन के रुप में लोग प्रयोग के करते हैं। ऐसे में धोती,साड़ी व लूंगी की गुणवत्ता में सुधार के लिए राज्य सरकार को निर्णय लेना चाहिए। अन्यथा इसके लिए जेकेएम आन्दोलन करेगा।

दो ट्रक की टक्कर में तीन घायल

सतबरवा। थाना क्षेत्र के मेदिनीनगर मुख्यमार्ग पर आजाद घाटी के समीप दो ट्रकों के आमने-सामने की टक्कर में चालक, उप चालक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को पीसीआर वाहन से एमआरएमसीएच मेदिनीनगर इलाज के लिए भेज दिया गया है। बताया जाता है कि एक ट्रक (यूपी 25 ईटी 2461) मेदिनीनगर की ओर से आ रहा था। जबकि एक ट्रक (जीएच 2 एएच 9311) रांची से मेदिनीनगर की ओर जा रहा था।

पंडवा भाजपा मंडल ने प्रदेश अध्यक्ष का किया स्वागत

मेदिनीनगर। पंडवा पलामू जिला अंतर्गत पांडू प्रखंड के मुरूमातु में अवैध तरीके से मुस्लिम समुदाय के द्वारा महादलित परिवार पर हुए घोर अन्याय और उत्पीड़न के खिलाफ महादलित के आवाज सुनने के लिए भारतीय जनता पार्टी झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश व प्रदेश महामंत्री सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, बालमुकुंद सहाय, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष किसलय तिवारी, पलामू जिला अध्यक्ष विजयानंद पाठक,महा मंत्री श्याम बाबू को पांडू जाने के क्रम में पड़वा बजार पर विधायक पुष्पा देवी के नेतृत्व में भाजपा पंडवा मंडल अध्यक्ष यमुना प्रसाद सिंह व ओबीसी मोर्चा के मनोज विश्वकर्मा ने सभी को फूल माला देकर स्वागत किया गया।

अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत 26 मामलों में मिली स्वीकृति

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 संशोधित अधिनियम 2016 के द्वारा जिला स्तरीय अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की बैठक हुई। बैठक में अधिनियम के तहत मामलों की चर्चा हुई। इसमें 26 मामलों के लिए राशि भुगतान की स्वीकृति दी गयी। इसमें पांडु थाना अंतर्गत मरुमातु गांव के विस्थापित अनुसूचित जाति के 10 परिवार भी शामिल है। जिसमें प्रत्येक परिवार के बीच 25 हजार रुपये का भुगतान किया जायेगा। इस तरह पांडु के कुल 10 परिवारों के बीच 2.5 लाख राशि की भुगतान की जायेगी। जिले के विभिन्न थानों में दर्ज कांड एवं पुलिस प्रशासन की अनुशंसा प्राप्त मामलों को बैठक में रखा गया था। जिसमें राशि भुगतान हेतु स्वीकृति प्रदान करते हुए पीड़ितों के बीच भुगतान करने का निर्णय लिया गया। जिन 26 मामलों में राशि भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी। उसमें जाति सूचक शब्द का प्रयोग करने,मारपीट करने एवं गाली-गलौज करने आदि से संबंधित था। इससे संबंधित जिले के विभिन्न थानों में कांड दर्ज कर अनुसंधान की गयी थी। जिला कल्याण पदाधिकारी सेवाराम साहू ने बताया कि 25 पीड़ित/ पीड़िताओं के बीच राशि भुगतान की स्वीकृति मिली है। निदेशानुसार स्वीकृत राशि लाभुकों के बीच शीघ्र भुगतान की जायेगी। उपायुक्त ए दोड्डे ने कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों पर अत्याचार और भेदभाव को रोकने के मकसद से अधिनियम बनाया गया। इसके लिये मामलों में एफआईआर दायर करना अनिवार्य होता है,क्योंकि न्याय/राहत की प्रक्रिया पुलिस स्टेशन में अपराध का पंजीकरण करने के साथ ही शुरू होती है। बैठक में उपायुक्त ए दोड्डे के अलावा उप विकास आयुक्त मेघा भारद्वाज, डीएसपी सुरजीत कुमार, कल्याण पदाधिकारी सेवाराम साहू,चतरा सांसद प्रतिनिधि, सिविल सर्जन,सरकारी अधिवक्ता महेश प्रसाद,श्रवण कुमार गुप्ता,अनिल कुमार पांडेय,कल्याण नाजिर गगनदेव राम,सहायक जगदीश प्रसाद व संजय, प्रधान सहायक मिथलेश शर्मा समेतअन्य उपस्थित थे।

अभाविप ने जेएस कॉलेज में अवैध वसूली का किया विरोध

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। अभाविप के द्वारा जनता शिवरात्रि महाविद्यालय के द्वारा डिजर्टेशन बनाने के नाम पर अवैध वसूली के खिलाफ महाविद्यालय प्राचार्य से मिलकर विद्यार्थियों से हुई अवैध वसूली के पैसे वापस करने की मांग की। महाविद्यालय प्राचार्य के द्वारा आश्वस्त किया गया कि पुनः ऐसी गलती किसी भी विभाग के अधिकारी के द्वारा नहीं होगी एवं दोषियों के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही किया जाएगा। साथ ही साथ एनपीयू के नवनियुक्त परीक्षा नियंत्रक का भी प्रमुख मांगो को लेकर घेराव किया गया। परिषद के कार्यकर्ताओं का कहना था की स्नातक सेमेस्टर-2(सत्र 2019-22) लंबित हिन्दी का रिजल्ट में सुधार नहीं हुआ। इसे अविलंब सुधारा जाये। स्नाकोत्तर सेमेस्टर-4 (सत्र 2019-21) के परीक्षा परिणाम में भारी गड़बड़ी हुई है। आंतरिक परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों को भी अनुपस्थित कर फेल कर दिया गया है। इसको संज्ञान में लेकर अभिलंब कार्रवाई किया जाए और दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाये। मौके पर उपस्थित राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य विनीत पांडे ने कहा कि विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग में हो रही भारी अनियमितता अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। क्योंकि अभी तक विश्वविद्यालय प्रशासन के द्वारा किया गया कोई भी कार्य छात्र हित में नहीं है । छात्रों को लगातार समस्याओं का सामना करना पड़ता है। मौके पर परिषद के जिला संयोजक अभय वर्मा, जिला टीएसपीटी प्रमुख गोविंद मेहता, जिला एस एफडी प्रमुख सुमित पाठक, जिला सोशल मीडिया प्रमुख राजन कश्यप, गीतांजलि कुमारी, अमन जयसवाल, उत्कर्ष तिवारी, प्रकाश पांडे, रंजन सिंह, राणा सिंह, सोनी कुमारी, दीपक पाठक सहित दर्जनों छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

अपराधियों को फास्ट ट्रैक के माध्यम से जल्द सजा हो : राकेश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड जनक्रांति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश पासवान एवं केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष देवाशीष मनोरंजन घोष के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकालकर अंकिता सिंह के फोटो पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। वही चतरा की बेटी काजल कुमारी एवं सुनीता खाखा के स्वास्थ्य लाभ के लिए भगवान से कामना की गयी । मौके पर देवाशीष घोष ने कहा कि झारखण्ड की बेटी अंकिता सिंह जिंदगी हार गई । शाहरुख ने पेट्रोल छिड़कर आग लगा कर अंकिता को जलाकर मार डाला। भाजपा नेत्री सीमा पात्रा ने आदिवासी दिव्यांग सुनीता खाखा नौकरानी को 8 साल से बंधक रखा, भूखे प्यासे कमरे में बंद कर शरीर मे गर्म तवे से दागने जैसे जुल्म क्रूरता की सभी हदें पार कर दी । जब से झारखंड में जेएमएम तथा कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनी है। तब से पूरे राज्य में महिलाओं के साथ छेड़छाड़ एवं हत्या की घटना रुकने का नाम नहीं ले रही है। मोर्चा के केंद्रीय महिला अध्यक्ष विभा सिंह ने कहा कि एक तरफ मुख्यमंत्री अपनी कुर्सी बचाने में लगे हैं तथा विपक्ष मैं बैठे बीजेपी कुर्सी का टांग खींचने में लगी हैं । झारखंड में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है । ऑफिसर बेलगाम हो गए हैं । जनता का काम हो नही रही है। कैंडल मार्च में झारखंड जनक्रांति मोर्चा ज के वरिष्ठ कार्यकर्ता नेतागण अनिल ठाकुर, हरप्रीत सिंह, रंजीत उपाध्याय, मनीष श्रीवास्तव, मोहम्मद इरफान अंसारी, अभिजीत सरकार, सहित कई लोग मौजूद रहे।

तुगलकी शासन अधिक दिनों तक नही चलता : दीपक प्रकाश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के पांडू थाना क्षेत्र के मुरुमातु में दलित बस्ती उजाड़ने के मामले में शुक्रवार को पलामू आये भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा कि तुगलकी शासन अधिक दिनों तक नही चलता है। राज्य की सरकार तुगलकों की तरह फैसला ले रही है। उन्होंने कहा कि रायपुर में झारखंड के विधायकों का शराब और कोल माफिया खर्चा उठा रहे हैं। राज्यसभा सांसद सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने पलामू में कही। गौरतलब है कि पलामू के पांडू थाना क्षेत्र के मुरुमातु में दलित बस्ती उजाड़ने के मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, विधायक आलोक चौरसिया, प्रदेश महामंत्री बालमुकुंद सहाय, प्रशिक्षण प्रमुख मनोज सिंह, प्रदेश मंत्री विवेक भवानी सिंह समेत कई लोग पहुंचे हैं। झारखंड सरकार के कैबिनेट द्वारा ताबड़तोड़ फैसला पर बोलते हुए दीपक प्रकाश ने कहा कि तुगलकों की तरह फैसला लिया जा रहा है। जनता की गाढ़ी कमाई से विधायकों के लिए एयरक्राफ्ट और माननीयों के लिए बीएमडब्ल्यू खरीदा जा रहा है। जबकि आम लोगों के लिए बैलगाड़ी भी नहीं नसीब नही हो रहा है। हेमंत सरकार के नियम और नीति हैं। हेमंत सरकार जिस प्रकार का फैसला ले रही है, उसकी पाप की भागीदारी कांग्रेस की भी है। झारखंड में कानून का शासन खत्म हो गया है। पूरे देश में सबसे अधिक दुष्कर्म और तेजाब की घटनाएं झारखंड में हो रही हैं। हेमंत सरकार में बेटियां और महिलाएं असुरक्षित हैं। दीपक प्रकाश ने झारखंड के यूपीए विधायकों के प्रवास पर बोलते हुए कहा कि दो व्यवसायी पूरे खर्च का जिम्मा उठा रहे हैं। विधायकों का पूरा खर्च एक कोल माफिया और एक शराब माफिया उठा रहे हैं। राज्य की सरकार आनन-फानन में फैसले ले रही है। राज्य के किसान परेशान हैं । जबकि विधायक छत्तीसगढ़ के रायपुर में मस्ती कर रहे हैं।

सहायक शिक्षक की नियुक्ति रद्द कर फिर से विज्ञापन जारी होगा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सहायक शिक्षक की नियुक्ति प्रक्रिया रद्द कर फिर से विज्ञापन जारी किया जाएगा। नये विज्ञापन के आधार पर नियुक्ति की जायेगी। इसका आदेश शिक्षा सचिव राजेश कुमार शर्मा ने सभी जिला शिक्षा अधीक्षक को आदेश जारी किया है।अपने आदेश में सचिव ने लिखा है कि राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों में सहायक आचार्य के पद का सृजन संकल्प (संख्या-2102, दिनांक 30.08.2022) द्वारा किया गया है। इसका वेतनमान लेवल-4 (अपु. 5200-20200 ग्रेड पे 2400) है। राज्य के गैर सरकारी सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक एवं सामान्य सहायता प्राप्त विद्यालयों में राजकीय प्रारंभिक विद्यालयों के समान वेतनमान लागू है। सचिव ने लिखा है कि राज्य के गैर-सरकारी सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक एवं सामान्य सहायता प्राप्त विद्यालयों में, जिनमें नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण हो गई हो यानी नियुक्ति पत्र निर्गत कर दिया गया हो, को छोड़कर सभी विद्यालयों में अब सहायक शिक्षक के पद का नाम सहायक आचार्य किया जाता है। इसका वेतनमान लेवल-4 (अपु 5200-20200 ग्रेड पे 2400) होगा। सचिव ने लिखा है कि गैर-सरकारी सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक एवं सामान्य विद्यालयों में सहायक शिक्षकों की नियुक्ति के लिए प्रकाशित विज्ञापन के आलोक में परीक्षा का आयोजन नहीं हुआ हो और आयोजित परीक्षा के संदर्भ में परीक्षाफल प्रकाशित नहीं हुआ हो, को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाता है। यह निर्देश दिया जाता है कि सहायक शिक्षक के बदले लेवल-4 में सहायक आचार्य के पद पर नियुक्ति के लिए पुनः विज्ञापन प्रकाशित किया जायेगा।

आरआरबी ग्रुप डी भर्ती परीक्षा 8 सितंबर से

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा आरआरबी ग्रुप डी भर्ती परीक्षा के तीसरे चरण की तिथि जारी कर दिया गया है। आरआरबी ग्रुप डी के तीसरे चरण की परीक्षा का आयोजन 8 से 19 सितंबर के बीच आयोजित की जायेगी। अभ्यर्थी अपने एडमिट कार्ड को परीक्षा की तिथि से तीन से चार दिन पहले डाउनलोड कर सकेंगे। आरआरबी ग्रुप डी के तीसरे चरण की परीक्षा पूरे भारत के अलग अलग शहरों में आयोजित की जायेगी। बता दें कि अभी रेलवे ग्रुप डी के दूसरे चरण की परीक्षा जारी है। जो कि 8 सितंबर तक आयोजित की जायेगी। गौरतलब है कि पहले चरण की परीक्षा का आयोजन 17 अगस्त से 25 अगस्त के बीच आयोजित की गई है। इस परीक्षा के जरिए ग्रुप डी के 1.3 लाख पदों पर भर्तियां की जायेगी। वहीं इस भर्ती के लिए 1 करोड़ 15 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। रेलवे भर्ती बोर्ड के अनुसार आरआरबी ग्रुप डी भर्ती परीक्षा के आगे के चरणों के शेड्यूल की जानकारी बाद में समय समय पर जारी की जायेगी।

डबल सेन्चुरी रिकॉर्ड के लिए सुतत्व ऋजु रवाना

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। एक बार फिर अगले रिकार्ड के लिए उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर शुक्रवार की सुबह सुतत्व ऋजु को रवाना कर दिया है । इस बार सुतत्व ने लगातार साइकलिंग कर पहली बार मेदिनीनगर से नेतरहाट पहुंचने का लक्ष्य बनाया है। खड़ी पहाड़ी व घाटियों का सीना अपने साइकल से चीरने का जज्बा रखने वाले सुतत्व ऋजु को उपायुक्त ए. दोड्डे ने अग्रिम बधायी दी एवं उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। मौके पर बंगाली समिति के सचिव सैकत चटर्जी व दुर्गा बाड़ी के राजीव मुखर्जी ने भी साईकल टीम को शुभकामनाएं दी। इस सफर में उसके पिता सोमित्रो बोराल के साथ-साथ प्रसिद्ध साइकलिस्ट औरंगाबाद (बिहार) निवासी राकेश कुमार पवन एवं भारतीय सेना के जवान व साइकलिस्ट बसंत कुमार भी उसका साथ देंगे। शेभ फॉरेस्ट का संदेश अपने साथ लिए चलने वाले सुतत्व ऋजु के लिए वन विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी महालिंगम सर के सौजन्य से नेतरहाट में रात्रि विश्राम की व्यवस्था की जा रही है। अगले दिन तड़के पुनः नेतरहाट से मेदिनीनगर वापस आकर सुतत्व ऋजु अपने 250 किलो मीटर की यात्रा पूरी कर पलामू में डबल-सेन्चुरी साइकलिंग का नया रिकार्ड बनाने के लिए प्रयासरत हैं।

गोलीकांड मामले में इस्तेमाल बाइक बरामद

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पैराडाईज टेलर के मालिक मो. तौहीद आलम गोलीकांड में इस्तेमाल बाइक (जेएच 14 एफ 8998) बरामद कर ली गई है। बाइक को जिला मुख्यालय से सटे चैनपुर के बुढ़ीवीर से बरामद किया गया। इस सिलसिले में पूछताछ के लिए बाइक मालिक प्यारे हसन को शहर थाना में रखा गया है। प्यारे के साथ छतीसगढ के रिजवान हुसैन को भी लाया गया है। रिजवान का ससुराल बुढ़ीवीर में है । वह बुढीवीर में रह रहा था । शहर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर बुढ़ीवीर में सर्च अभियान चलाया। यहां प्यारे हसन के घर से उपरोक्त बाइक बरामद की गई । गाड़ी प्यारे हसन के नाम पर रजिस्टर्ड है। प्यारे हसन को शहर थाना बुलाकर पूछताछ की जा रही है । पूछताछ के क्रम में प्यारे हसन ने बताया कि गत 17 अगस्त को हम कन्नी राम के पास चाय पीने के लिए गए हुए थे। इसी क्रम में इरसाद से मुलाकात हो गई। इरसाद ने हमसे गाड़ी कुछ काम के लिए मांगा और कहा कि आधे घंटे में लाकर देते हैं। जब प्यारे हसन ने इरसाद से गाड़ी मांगी तो इरसाद ने कहा कि गाड़ी कल मिल जायेगी। गाड़ी बरामद करने की कार्रवाई में टीओपी वन के प्रभारी रेवाशंकर राणा शामिल थे। उन्होंने बताया कि जानकारी मिली थी कि फायरिंग में उपयोग मोटरसाइकिल बुढ़ीवीर में रखी गई है। कार्रवाई करते हुए बरामद कर लिया और वाहन मालिक प्यारे हसन से पूछताछ की जा रही है । छापामारी में केस के अनुसंधानकर्मा जितेन्द्र कुमार, एसएसआई नवी अंसारी,टीओपी वन के जवान शामिल थे। बताते चलें कि गत 17 अगस्त की रात 9 बजे के आस पास पैराडाईज टेलर के मालिक मो. तौहीद आलम को उस समय गोली मार दी गई थी। जब वे अपने घर मुस्लिमनगर जा रहे थे। इस घटना में उनकी पत्नी और भांजे को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। जबकि शूटर समेत दो आरोपियों ने सरेंडर कर दिया है। एक फरार है।

उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे ने शुक्रवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय वेशम में जनता दरबार का आयोजन किया। इसमें जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचे ग्रामीणों ने अपनी अपनी समस्याओं को डीडीसी के समक्ष रखा। प्राप्त मामलों का निष्पादन के लिए उपायुक्त ने संबंधित विभाग को भेज दिया। जनता दरबार में लेस्लीगंज से आयी संगीता देवी व जौत्री देवी ने उपायुक्त को बताया कि उन दोनों का राशन कार्ड पाटन में है । लेकिन वे दोनों लेस्लीगंज शिफ्ट कर गये हैं । ऐसे में दोनों महिलाओं ने उपायुक्त से अपना राशन कार्ड पाटन से लेस्लीगंज ट्रांसफर करवाने हेतु अनुरोध किया। इसपर त्वरित कार्रवाई करते हुए उपायुक्त ने हस्तक्षेप करते हुए ऑन स्पॉट दोनों महिलाओं का कार्ड ट्रांसफर करवा दिया। जनता दरबार में आये विभिन्न फरियादियों के मामलों के निष्पादन हेतु उपायुक्त ने विश्रामपुर बीडीओ, नावाबाजार सीओ,महिला थाना प्रभारी,सदर एसडीओ,चैनपुर अंचलाधिकारी, लेस्लीगंज अंचलाधिकारी समेत कई पदाधिकारियों को ऑन स्पॉट फोन कर मामलों का तेज गति से निष्पादित करने हेतु निर्देशित किया। जनता दरबार में विश्रामपुर के कौड़िया से आये पूर्व नक्सली कृष्णा सिंह खरवार ने उपायुक्त को बताया कि वो 2018 में ही आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत सरेंडर कर चुके हैं। उन्होंने उपायुक्त को बताया कि फीस के अभाव में उनके बच्चों का नाम स्कूल से काट दिया गया है। इतना सुनते ही उपायुक्त ने संबंधित स्कूल के प्रिंसिपल को फोन कर वापस स्कूल में दाखिला देने हेतु निर्देशित किया । साथ ही कल्याण पदाधिकारी को बुलाकर मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत उक्त नक्सली को ऋण का लाभ देने हेतु निर्देशित किया । जिससे कृष्ण सिंह खेरवार कुछ व्यवसाय कर सके। साथ ही उपायुक्त ने उनको अपना निजी फोन नंबर देते हुए संपर्क में रहने की बात कही। साथ ही कहा कि भविष्य में किसी तरह की समस्या हो तो वह सीधे उनसे संपर्क करें। उपरोक्त के अलावे आज के जनता दरबार में जमीन विवाद, मुआवजा राशि, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास, रोजगार, स्वास्थ्य अनुदान, नियोजन से संबंधित आवेदन आये । जिसे उपायुक्त के द्वारा संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अग्रसारित करते हुए जल्द से जल्द मामले को निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावे सभी प्रखंड मुख्यालयों में उपायुक्त के निर्देश पर जनता दरबार का आयोजन किया गया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का भाजपाइयों ने किया स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला अंतर्गत पांडू प्रखंड के मुरूमातु में अवैध तरीके से मुस्लिम समुदाय के द्वारा महादलित परिवार पर हुए घोर अन्याय और उत्पीड़न के खिलाफ महादलित के आवाज सुनने के लिए भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश एवं प्रदेश महामंत्री सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू पलामू जिला किसान मोर्चा के नेता मनोज सिंह का दौरा पांडू जाने के क्रम में नावा बाजार प्रखंड के एनएच 98 पड़वा मोड़ पर पलामू सांसद विष्णु दयाल के नेतृत्व में नावा बाजार भाजपा मंडल अध्यक्ष महादेव प्रसाद यादव के अध्यक्षता में यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश व आदित्य साहू मनोज सिंह को नावा बाजार प्रखंड के स्वतंत्रता सेनानियों का इतिहास स्मृति किताब प्रदान करते हुए अंग वस्त्र ओढ़ाते हुवे फूलमाला पहनाकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ जोरदार स्वागत की गई। मौके पर नावा बाजार सांसद प्रतिनिधि पंकज तिवारी ,विधायक प्रतिनिधि रामरेखा चंद्रवंशी, पूर्व प्रमुख रविंद्र पासवान, राजहारा उप मुखिया अशोक चौहान, दिवाकर पांडे कपिल देव ठाकुर मनीष सिंह,गिरजा शंकर राम ,मंदिश चंद्रवंशी, उपेंद्र सिंह, परशुराम मेहता ,अरूण मेहता ,अशोक दुबे ,सरदार राम ,संदीप चंद्रवंशी ,राजीव पांडे ,उदय राम ,कमल राम ,महेंद्र साव, संतोष प्रजापति सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

न्यूज गैलरी

पुरानी पेंशन बहाल होने पर कर्मचारियों ने निकाली आभार रैली

केतार। झारखंड सरकार के द्वारा पुरानी पेंशन योजना लागू करने पर शुक्रवार को केतार प्रखंड के सरकारी कर्मचारियों ने आभार रैली निकालकर कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के दर्जनों शिक्षकों के द्वारा बैनर के साथ केतार अम्बेडकर चौक से लेकर कपूर्री गेट होते हुए बीआरसी कार्यालय तक जूलूस निकाली गई। उक्त जूलूस में झारखंड सरकार जिंदाबाद, हेमंत सोरेन जिंदाबाद, जब तक सुरज चांद रहेगा तब तक हेमंत सोरेन तेरा नाम रहेगा का नारे लगाया गया। साथ ही शिक्षकों ने एक दुसरे को अबीर गुलाल लगाकर मिठाई खिलाई। इस आभार रैली को संबोधित करते हुए शिक्षकों ने कहा की पुर्व की सरकार जिस काम को आज तक नहीं कर सकी , हेमंत सोरेन की नेतृत्व में बनी महागठबंधन की सरकार ने कर दिखाया। सरकार ने झारखंड के युवाओं के भविष्य को सुनहरा करने का काम किया है।इस मौके पर शिक्षक दीपक सिंह, देवेन्द्र कुमार, अवधेश मिश्रा, रामानंद प्रसाद, राजीव कुमार, सतीश चौबे सहित अन्य शिक्षक शामिल थे।।

बिजडीह गांव में खपरैल घर क्षतिग्रस्त, मुआवजे की मांग

केतार। प्रखंड क्षेत्र के पाचाडुमर पंचायत के बीजडीह गांव निवासी संजय ठाकुर, बाल्मीकि ठाकुर और मंदीप पासवान की खपरैल मिट्टी के घर गुरुवार की शाम हुई जोरदार बारिश से क्षतिग्रस्त हो गई। खपरैल घर क्षतिग्रस्त होने से परिवार के लोग बेघर हो गए हैं और संजय ठाकुर और मंदीप पासवान जर्जर घर और झोपडी में परिवार सहित रहने को ही विवश हैं। इसकी जानकारी मिलने के पश्चात शुक्रवार को मुखिया श्याम सुंदर बैठा और पंचायत समिति सदस्य राजकुमार राम ने क्षतिग्रस्त घरों का निरीक्षण किया और क्षतिपूर्ति के लिए आपदा विभाग से मुवाबजा दिलाने की आश्वासन दिया। मौके पर पीएम आवास पंचायत स्वयं सेवक प्रदीप कुमार, आशा देवी, उर्मिला देवी, सरिता देवी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

रंका मोड़ पर लगा 200 केवीए का ट्रांसफॉर्मर, लोगों में हर्ष व्याप्त

गढ़वा। शहर के रंका मोड़ पर शुक्रवार को 200 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के बिजली विभाग के विधायक प्रतिनिधि नसीम अख्तर के प्रयास से मुहल्ले वासियों को बिजली की बहुत बड़ी समस्या से निजात मिल गई। जानकारी के अनुसार शहर के रंका मोड़ पर स्व. बैजनाथ तिवारी के घर के समीप स्थित ट्रांसफर्मर पिछले दो दिनों से खराब था। जिससे रंका रोड, राखी मोहल्ला राकी मोहल्ला की बहुत बड़ी आबादी दो दिनों से अंधेरे में थी। क्षेत्र के लोगों के समक्ष पेयजल की भीषण समस्या संकट उत्पन्न हो गई थी। बहुत प्रयास के बाद भी ट्रांसफर्मर बनाया नहीं जा सका। इसके बाद इसकी सूचना विभागीय पदाधिकारियों व विधायक प्रतिनिधि नसीम अख्तर को दी गई। विधायक प्रतिनिधि ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभाग के पदाधिकारी से मिलकर तत्काल उक्त मोहल्ला के लिए नया ट्रांसफर्मर उपलब्ध करवाया। साथ ही इसे शुक्रवार की देर शाम में स्थापित कर दिया गया। मोहल्ले वासियों ने मंत्री श्री ठाकुर व विधायक प्रतिनिधि को धन्यवाद दिया है।

मझिआंव बाजार क्षेत्र में चल रहे कई अवैध क्लीनिकों की हुई जांच

मझिआंव। उपायुक्त गढ़वा रमेश घोलाप के निर्देश पर प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश कुमार भास्कर द्वारा गठित किए गए जांच टीम द्वारा मझिआंव बाजार क्षेत्र में चल रहे कई अवैध क्लिनिको की जांच की गई। इस दौरान महावीर अल्ट्रासाउंड में जांच दल द्वारा जांच किया गया, बताया जाता है कि जांच दल की उपस्थिति की खबर मिलते ही बाजार क्षेत्र में चल रहे कई हड्डी क्लीनिक के संचालक अपना अपना दुकान का शटर बंद कर क्लीनिकल बोर्ड हटाकर फरार हो गए। इधर जांच दल के सदस्य अन्य क्लिनिको पर ताला बंद देख कर वापस लौट गए। इसी बीच जांच टीम द्वारा ब्लॉक रोड में चल रहे डॉक्टर नियाज अहमद के क्लीनिक का भी औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान क्लीनिक संचालक नियाज अहमद द्वारा जांच टीम के सदस्यों को बताया गया कि यह क्लीनिक वर्ष 1970 से चल रहा है।इधर बताया जाता है कि जांच टीम के सदस्यों के नियाज अहमद के क्लीनिक में पहुंचते ही लोगों का जमावड़ा शुरू हो गया इस दौरान कोई अनहोनी ना हो इसके लिए जांच टीम के सदस्य तत्काल वहां से निरीक्षण के बाद वापस लौट गए। इस संबंध में उपायुक्त द्वारा नियुक्त प्रखंड विकास पदाधिकारी सह दंडाधिकारी नितेश भास्कर ने कहा कि नियाज अहमद सहित अन्य कई क्लीनिकों की गत वर्ष उपायुक्त के निर्देश पर जांच की गई थी और उसने पाया गया था कि यहां पर आधा दर्जन से अधिक क्लीनिक अवैध रूप से चल रहे हैं जिन्हें तत्काल हटाने का निर्देश दिया गया था। लेकिन उक्त क्लिनिको के संचालक द्वारा किसी भी सरकारी निर्देश का अनुपालन नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि डॉक्टर नियाज अहमद कोई चिकित्सक नहीं है ना उनके पास कोई चिकित्सकीय डिग्री या क्लीनिक चलाने का कोई लाइसेंस है तत्पश्चात जांच के बाद उनको अपना क्लीनिक बंद करने का निर्देश दिया गया लेकिन इसका भी अनुपालन नहीं किया गया। जांच दल में शामिल नितेश भास्कर कहा कि जांच रिपोर्ट उपायुक्त को भेजी जा रही है। इसके बाद अग्रेत्तर कार्यवाही की जाएगी।जाँच दल में वीडियो के साथ साथ एजीएम मुकेश कुमार पांडे एवं रेफरल अस्पताल प्रभारी डॉक्टर गोविंद सेठ तथा डॉ मनीष कुमार सिंह, लिपिक मनोज सिन्हा, संजय मिश्रा, मिथलेश कुमार, सूचित सिंह आदि लोगशामिल थे।

होटल सहित आधा दर्जन घर को किया गया ध्वस्त, बोले सीओ

चिन्हित कर अतिक्रमण को मुक्त किया जा रहा

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा शहर में नदियों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन की ओर से चल रहे अभियान के दूसरे दिन मझियां मोड़ स्थित आदर्श होटल सहित आधा दर्जन घर को ध्वस्त किया गया प्रशासन के ऊपर अभियान को देखते ही अधिकांश लोग अपना अतिक्रमण खुद हटाने लगे। अतिक्रमण हटाने के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम देखा गया। सीओ मयंक भूषण ने बताया कि अभियान के पहले दिन चार घर को ध्वस्त किया गया था। दूसरे दिन भी करीब आधा दर्जन घर को ध्वस्त किया गया है जिसमें आदर्श होटल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि सरस्वती नदी में काफी लोगों ने अपना अतिक्रमण किया है वैसे सभी लोगों को चिन्हित कर उन्हें नोटिस भेजा गया है। कुछ लोग खुद से अतिक्रमण हटा भी रहे हैं लेकिन कुछ लोग प्रशासन के निर्देश का पालन नहीं कर रहे हैं वैसे लोगों पर बलपूर्वक अतिक्रमण हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिनका भी घर अतिक्रमण में है और वे खुद से नहीं हटाते हैं तो प्रशासन बलपूर्वक अतिक्रमण को हटाया जायेगा और हटाने में लगे खर्च को भी संबंधित लोगों से लिया जायेगा मौके पर राजस्व कर्मचारी संदीप गुप्ता अंचल अमीन शुक्रण सिंह, कृष्ण कुमार सहित पुलिस बल तैनात थे।

पहले चरण में इनका हटेगा अतिक्रमण

सरस्वती यमुना नदी का अतिक्रमण करने वाले लोगों के खिलाफ प्रशासन का बुलडोजर चलना शुरू हो गया है जिला प्रशासन की ओर से 200 अधिक लोगों को नोटिस भेजा गया है नोटिस के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाने वाले लोगों पर चरण वार अतिक्रमण हटाया जा रहा है पहले चरण में अरुण ठाकुर ,दिनेश पटवा संतोष राम राजकुमार राम, बैजनाथ राम, शिवनाथ राम, संजय प्रसाद गुप्ता ,जगरनाथ बहेलिया, शिव मंदिर ,बाबूलाल पासी, गोपाल सोनी, यमुना प्रसाद, विंध्याचल देवी, रंजीत केसरी, पंकज केसरी, पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी, सुरेश प्रसाद, मानिक चंद्र, इंद्रदेव यादव, केदार पांडे, विकास कुमार, देवेंद्र कुमार केसरी, पारसनाथ केसरी, हरिद्वार, गोपाल केशरी सुनील कुमार ,लखन प्रसाद, काशी प्रसाद, विजय कुमार, दिनेश प्रसाद चौधरी, किशोर रजक सहित अन्य शामिल हैं।

जनप्रतिनिधियों ने विद्यालय का किया निरीक्षण, लगायी फटकार

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। हाई स्कूल भवनाथपुर के किरानी के द्वारा सरकारी कार्य मे बरती जा रही लापरवाही की मिली सूचना पर शुक्रवार को प्रमुख शोभा देवी सांसद प्रतिनिधि इंद्रदेव प्रसाद यादव, पंसस सह झामुमो प्रखण्ड अध्यक्ष चंदन कुमार ठाकुर संयुक्त रूप से विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान किरानी की प्रधानाध्यापक के साथ समन्वय सही नही रहने सरकारी कार्य मे लापरवाही बरतने के मामले सामने आने पर जम कर फटकार लगाई। सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि कार्य मे लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नही की जाएगी। बोले किरानी चंद्रकांत पांडे को स्कूल में आखाड़ा नही बनाने, समन्वय बना कर काम करने की हिदायत देते हुए कहा कि अगली बार से शिकायत मिलती हैं तो आपके खिलाफ करवाई के लिए वरीय अधिकारी को लिखा जाएगा। आपको बता दें कि स्कूल के प्राचार्य रोहिणी कांत देव पांडेय को प्रभार लेने के बाद किरानी ड्यूटी में लापरवाही बरतने के बाद दोनों के बीच आपसी समन्वय का घोर अभाव देखा जा रहा है। जहां प्राचार्य नियमसंगत कार्य करने को लेकर कर्मियों को बराबर कहते हैं लेकिन किरानी का कार्य में बराबर लापरवाही बरता जा रहा है। इसी को लेकर प्राचार्य एवं किरानी के साथ कतनी बार नोकझोक भी हो चुकी है जिसकी शिकायत प्राचार्य के द्वारा डीओ को आवेदन दे कर किया गया है। मौके पर ओमप्रकाश , घनश्याम गुप्ता, अंकित त्रिवेदी, प्रिया कुमारी आदि मौजूद थे।

केतार में बाइक सर्विस सेंटर में लगी आग समान जलकर राख, लाखों का नुकसान

नवीन मेल संवाददाता

केतार। केतार गांव कपूर्री गेट से पांच सौ मीटर की दुरी पर स्थित रिजवान बाईक सर्विस सेंटर में गुरुवार की देर शाम आग लग गई। जिसके बाद दुकान के बंद रूम से आग की लपटे और धुंआ निकलते देखकर आसपास अफरा तफरी मच गई। ग्रामीणों के काफी प्रयास के वावजूद बंद दुकान का सटर नहीं खुलने के बाद ग्रामीणों ने रोशनदान से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया गया। इसकी सूचना दुकानदार बेलाबार गांव निवासी रिजवान अंसारी को दी गई। जहां पुलिस की उपस्थिति में रिजवान अंसारी ने दुकान खोला जहां दुकान का मोटर पार्ट्स, मोबिल सहित दुकान का सारा समान जलकर खाक हो गया था। दुकानदार रिजवान अंसारी ने बताया की करीब तीन लाख रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं उसने बताया की पिछले एक सप्ताह से मोबाइल फोन नम्बर बदल बदलकर केतार से दुकान हटाने और नहीं हटाने पर दुकान में आग लगाने और इस बात की जानकारी घर पर देने पर जान से मारने की धमकी फोन पर धमकी दी जा रही थी। दुकानदार ने इसकी शिकायत केतार थाना में किया था। इसके एक सप्ताह बाद घटना का अंजाम दिया गया है। खबर लिखे जाने तक अज्ञात लोगों के विरुद्ध उक्त मामले को लेकर शिकायत दर्ज करने की तैयारी चल रही थी। इस घटना के बाद प्रशासन के खिलाफ स्थानीय ग्रामीणों में रोष देखा जा रहा है?। काग्रेस प्रखंड अध्यक्ष राम भजन गुप्ता ने इस मामले की जांच कर आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग किया है।

जिप अध्यक्ष को खरौधी प्रखंड प्रमुख ने सौंपा 11 सूत्री मांग पत्र

खरौंधी बाजार के दोनो ओर नाली निर्माण कराने की मांग की

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी(गढ़वा)गढ़वा जिला परिषद अध्यक्षा शांति देवी खरौंधी प्रखण्ड क्षेत्र का भ्रमण की। साथ हीं प्रखण्ड कार्यालय का भी दौरा किया।प्रखंड कार्यालय के दौरा के क्रम में उपप्रमुख देवदत प्रसाद आर्य ,जिला परिषद सदस्य धर्मराज पासवान

झामुमो प्रखण्ड अध्यक्ष सोनू अभिजीत किशोर ने जिला परिषद अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उपप्रमुख देवदत्त प्रसाद आर्य

खरौंधी प्रखण्ड के ज्वलवंत समस्याओं से संबंधित 11 सूत्री मांग पत्र सौंपा।मांग पत्र में

सुखाड़ को लेकर किसानों का ऑनलाइन रसीद नही है। उन सभी किसानों को एलपीसी बनवाकर सुखाड़ की राशि हेतु आवेदन भरवाया जाए।

खरौंधी बाजार के दोनो साइड नाली निर्माण साथ हीं साथ बैंक गली में नाली निर्माण कराई जाय।

प्रधानमंत्री आवास योजना में 1203 आवास का जाब कार्ड एग्जिट को सुधरवाया जाए।सुखाड़ को देखते हुए मनरेगा द्वारा संचालित योजना को चालू कराया जाए।सिसरी पंचायत में वैतरी होते हुए महोगड़ई आदिवासी हरिजन टोला को सड़क से जोड़ा जाए। साथ हीं खरौंधी उपस्वास्थ्य केंद्र में एमबीबीएस डॉ की व्यवस्था कराया जाए।

खरौंधी प्रखण्ड के पुराने प्रखण्ड भवन को अतिथि शाला के रूप में परिवर्तित किया जाए एवं खरौंधी प्रखंड में पीएचडी से बनी हुई पानी सप्लाई को बाजार के लोगों को सप्लाई कराया जाए। खरौंधी पुराना पंचायत भवन में विवाह मंडप बनाया जाए। प्रखण्ड में बंद पड़े सभी चापाकल को अविलंब बनवाया जाए।

खरौंधी बिजली सब स्टेशन से खरौंधी बाजार के लिए अलग से फीडर की व्यवस्था किया जाए।

इन सभी मांगों को संज्ञान में लेते हुए जिला परिषद अध्यक्ष ने उक्त सभी मामलों पर त्वरित कार्यवाई का भरोसा देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी गणेश महतो को आवश्यक कार्यवाई का निर्देश दिया है। इधर जिला परिषद अध्यक्ष ने अरंगी में गणेश महोत्सव कार्यक्रम में भी भाग लिया। मौके पर थाना प्रभारी अभय कुमार, झामुमो जिला कार्यसमिति सदस्य हिफाजत अंसारी, पूर्व उप प्रमुख गोरखनाथ चौधरी, बिनोद यादव, देवबंस गुप्ता,पुरजाकिर हुसैन,सतेंद्र राम, राकेश उरांव सहित कई लोग उपस्थित थे।

उपप्रमुख के कार्यालय का पुन: ताला खुला, प्रमुख आक्रोशित, कहा

ससमय कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन करेंगे

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी(गढ़वा)। शुक्रवार को बीडीओ गणेश महतो के द्वारा प्रखंड कार्यालय में उपप्रमुख का दोबारा कार्यालय खोलने से प्रमुख आभा रानी काफी अक्रोशित है। प्रमुख आभा रानी ने इस मामले को गढ़वा उपायुक्त तथा जिला पंचायत राज पदाधिकारी से मिलकर कार्रवाई करने की मांग की है। प्रमुख आभा रानी ने बताया जिला पंचायत राज पदाधिकारी के निर्देश पर गुरुवार को उपप्रमुख के कार्यालय को मैं स्वयं और बीडीओ गणेश महतो द्वारा ताला बंद कराया गया था। लेकिन रात में ही लोगो ने मुझे बताया कि शुक्रवार की सुबह ही बीडीओ गणेश महतो जिला पंचायत राज पदाधिकारी की आदेश की धज्जियां उड़ाते हुए उपप्रमुख के बंद कार्यालय को पुनः खोल देंगे। सुबह में ही इस मामले को लेकर एसडीओ आलोक कुमार के पास गए। जहां एसडीओ आलोक कुमार से मिलकर उन्हें सारे बात बताई। प्रखंड कार्यालय में अनाधिकृत रूप से उपप्रमुख का एकल कार्यालय का संचालन किया जा रहा है। जिसे मैं जिला पंचायत राज पदाधिकारी को अवगत कराते हुए बंद करने की मांग किया था। जिला पंचायत राज पदाधिकारी ने भी स्वीकार किया था कि जिला पंचायत राज अधिनियम 2001 के तहत प्रखंड कार्यालय में अलग से उपप्रमुख का कार्यालय संचालन करने का प्रावधान नही है। जिसे तत्काल बंद करने का आदेश बीडीओ को दिया था। आदेश के आलोक में बीडीओ गणेश महतो स्वयं मेरे साथ जाकर उपप्रमुख का एकल कार्यालय को बंद किए थे। लेकिन बीडीओ मुझे हरिजन महिला समझकर जिला पंचायती राज पदाधिकारी की आदेश की अवहेलना करते हुए उपप्रमुख के एकल कार्यालय को खोलते हुए पुनः संचालन करने का आदेश कर्मियों को दे दीये। जिससे मैं काफी आहत महसूस कर रही हूं। साथ ही बताया मुझे हरिजन महिला समझकर जानबूझकर बीडीओ मानसिक रूप से पडताडित कर दबाने का काम कर रहे है। अगर समय रहते कार्रवाई नही किया गया तो हमलोग जन आंदोलन को लेकर सड़क पर उतरेंगे। इस संबंध में बीडीओ गणेश महतो कुछ भी बोलने से परहेज किये।

नप अध्यक्ष ने डीसी को नगर पंचायत क्षेत्र की समस्याओं से कराया अवगत

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। नगर पंचायत अध्यक्ष विजया लक्ष्मी देवी ने जिले के उपायुक्त को आवेदन देकर नगर पंचायत क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराते हुये उसके निदान की दिशा में शीघ्र कार्रवाई करने की मांग किया है.उपायुक्त को दिये आवेदन में कहा गया है कि नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत छोटी-बड़ी योजनाओं का क्रियान्यवन समय पर नही होने से नगर पंचायत वासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर पंचायत अध्यक्ष ने ट्रॉमा सेंटर को पूर्णरूपेण चालू कराने, कचरा रिसाइक्लिंग का निर्माण कराने,खेल स्टेडियम का निर्माण कराने, सभी वार्डो में सोलरयुक्त स्ट्रीट लाइट का अधिष्ठापन कराने,वार्ड नम्बर 4 स्थित राजा पहाड़ी शिव मंदिर परिसर में अमृत टू योजना अंतर्गत पार्क का निर्माण,वार्ड नम्बर 5 में स्थित बभनी खांड डैम में अमृत टू योजना अंतर्गत सुंदरीकरण वोटिंग स्वीकृत है। इसका निर्माण करवाने, वार्ड नम्बर 7 में स्थित बस स्टैंड का निर्माण कराने की मांग किया है। उन्होंने इस आशय की प्रतिलिपि नगर विकास आवास विभाग के सचिव को भी दिया है।

दुर्गा पूजा मनाने को लेकर ग्रामीणों की हुई बैठक

भवनाथपुर। प्रखंड क्षेत्र के अरसली उत्तरी दुर्गा पूजा मनाने को लेकर मंदिर परिसर में ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता उदय साव ने की। बैठक में दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाने को लेकर चर्चा की गई। पूजा के सफल संचालन के लिए दुर्गा पूजा समिति का गठन किया गया। इसमें सर्वसम्मति से गौतम सोनी को अध्यक्ष, नितेश चौबे को उपाध्यक्ष, सुनील शर्मा को सचिव, वीरेंद्र ज्ञानप्रकाश,अनुज साव को कोषाध्यक्ष, प्रभात साव, सुशील चौबे, सोनू साव, अनूप कुमार,दयानद प्रजापती, सुभम सोनी, उमेश शर्मा को भी कमिटी में रखा बनाया गया है। वही समाज सेवी आत्मा विश्वकर्मा, डोमन चन्द्रवंशी, सोनू चौबे भी उपस्थित थे।

श्री बंशीधर नगर में आर्थिक संकट से गुजर रही आंगनबाड़ी सेविकाएं

नौ माह से नहीं मिला है मानदेय, अफसर कर रहे टाल-मटोल

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगरः-- बाल विकास परियोजना में कार्यरत आंगनबाड़ी सेविकाओं को वेतन के लाले पड़े हुए हैं। उन्हें इन दिनों परिवार का पालन पोषण करने में आर्थिक संकट से गुजरना पड़ रहा है।आंगनबाड़ी सेविकाओं को पिछले 9 माह का मानदेय तथा 11 से 13 माह तक का पोषाहार नहीं मिला है, जिस कारण ये सभी भुखमरी की कगार में पहुंच गए हैं। विभाग के अधिकारी वर्ग के प्रतिमाह समय पर वेतन मिल रहा है लेकिन विभागीय अफसर द्वारा बार-बार समय पर समय दिया जा रहा है। इसे लेकर आंगनबाड़ी सेविकाओं ने शुक्रवार को बाल विकास परियोजना सीडीपीओ कार्यालय के समक्ष 204 सेविकाओं ने एक दिवसीय बैठक का आयोजन किया। बैठक में सेविकाओं ने आंगनबाड़ी केंद्र में जब तक पोषाहार का भुगतान नहीं किया जाता है, तब तक नाश्ता व खिचड़ी का वितरण नहीं करने का निर्णय लिया। बैठक को संबोधित करते हुए झारखंड प्रदेश आंगनबाड़ी यूनियन संघ के गढ़वा जिला अध्यक्ष कौशल्या देवी ने कहा कि बाल विकास परियोजना नगर उंटारी के सेविकाओं को 9 माह का मानदेय एवं 13 माह का पोषाहार की राशि बकाया है। इससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा मानदेय नहीं मिलने से घर में आर्थिक किल्लत हो गई है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौर में दुकान से उधार लेकर प्रतिनिधि के साथ पैसे को खर्च किए पैसा अभी तक दुकानदार को नहीं मिली है। जिससे दुकानदार अब उधार नहीं दे रहे हैं,लेकिन बाल विकास परियोजना के सक्षम पदाधिकारी द्वारा 3 से 6 माह के बच्चों को पोषण माह के तहत आंगनवाड़ी केंद्र में नाश्ता व खिचड़ी का संचालन करने का दबाव बनाया जा रहा है, कहां जाता है कि उपायुक्त का आदेश है कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में नाश्ता व खिचड़ी का संचालन करें नहीं तो एफआईआर दर्ज करने व चयन मुक्त करने की धमकी दी जाती है। उन्होंने कहा कि जब तक पोषाहार का भुगतान नहीं किया जाएगा तब तक हम सभी सेविकाएं नाश्ता व खिचड़ी खिलाने में असमर्थ है।

आने वाले दिनों में काम ठप होने की आशंका : सेविका

आंगनवाड़ी सेविका का कहना है कि अगर इसी तरह से चलता रहा तो आने वाले दिनों में काम ठप होने की आशंका है क्योंकि एक तो हमारा वेतन नहीं मिल रहा है ऊपर से पदाधिकारी जबरन केंद्र में लाभुकों को पोषण माह के तहत नाश्ता व खिचड़ी वितरण करने का दबाव बनाया जा रहा है और नहीं बांटने पर एफआईआर करने की धमकी मिल रही है। ऐसे में हम कैसे काम कर पाएंगे। उन्होंने विभाग को इस ओर ध्यान देकर जल्द मानदेय का भुगतान करने का अनुरोध भी किया। क्योंकि वेतन नहीं मिलने से इन्हें अपना घर चलाने में दिक्कत आ रही है, जब इनके सामने कोई रास्ता नहीं बचा तब इन्होंने वेतन के लिए आवाज उठाई है। बैठक में शीला देवी, सरोज देवी, रेनू देवी, मीना देवी, रंभा देवी, सुनीता देवी, निर्मला देवी, मंजू देवी, गीता देवी, प्रतिभा कुमारी, मंजू देवी, रेखा कुमारी, संगीता देवी, मीरा देवी, अनुराधा देवी, पूनम देवी, शीला देवी, रवीना बानो, रानी देवी, रंजू कुमारी,सुनीता देवी, अनीता देवी, उर्मिला देवी, सायरा खातून समेत 204 आंगनबाड़ी सेविका मौजूद थी।

वरिष्ठ अधिवक्ता हरेंद्र किशोर मिश्रा का हार्ट अटैक से मौत

गढ़वा। जिले के प्रख्यात अधिवक्ता स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद मिश्र के भतीजा तथा बिशुनपुर निवासी हरेंद्र किशोर मिश्रा उर्फ मुन्ना बाबू 70 वर्ष की निधन पर गढ़वा के अधिवक्ताओं ने शोक जताते हुए उनकी आत्मा की शांति की कामना की है। गढ़वा शहर के बिशुनपुर मोहल्ला निवासी हरेंद्र किशोर मिश्रा उर्फ मुन्ना मिश्रा व्यवहार न्यायालय गढ़वा के जाने-माने अधिवक्ता थे, विशेषकर क्रिमिनल लॉयर के रूप में इन्हें ख्याति प्राप्त थी। साफ सुथरा छवि के हरेंद्र किशोर मिश्रा व्यवहार न्यायालय गढ़वा तथा आम लोगों के बीच मुन्ना भैया के रूप में विख्यात थे उन्हें सभी लोग मुन्ना भैया के नाम से जानते थे। जैसे ही उनकी मौत की खबर लोगों तक पहुंची शोक की लहर छा गया। उनका अंतिम संस्कार शहर के दानरो नदी घाट पर किया गया। अधिवक्ता हरेंद्र किशोर मिश्रा उर्फ मुन्ना मिश्रा निसंतान है। लिहाजा उनके छोटे भाई प्रभात मिश्रा ने मुखाग्नि दी।

न्यूज गैलरी

जनता दरबार में विभिन्न क्षेत्रों से आये फरियादियों की सुनी गयी समस्याएं

लातेहार। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री भोर सिंह यादव की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। उपायुक्त द्वारा क्रम वार तरीके से सभी की समस्याओं को सुनी गई एवं अश्वासन दिया गया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जांच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा। फरियादियों की समस्याओं को लिखित आवेदन के माध्यम से प्राप्त कर उन्हें संबंधित पदाधिकारियों को निवारण को लेकर अग्रसारित किया गया। उपायुक्त के निदेर्शानुसार आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायत के निष्पादन हेतु जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार एंव शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया जाता है।

पशुपालन सहकारिता विभाग द्वारा विशेष पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

बालूमाथ। ब्लॉक कैंपस स्थित पशु चिकित्सा केंद्र परिसर में पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विषाणु जनित रोग का विस्तृत जानकारी मौके पर उपस्थित किसानों को दी गई। जिसमें विषाणु जनित रोग रानीखेत, चेचक, एम डि, गमबोरी, जीवाणु जनित रोग- कोरिईजा, कोलरा, परजीवी जनित रोग- कोकीसडियोसिस , कृमि रोग, फुफ्फुदी जनित रोग-ब्रूडर निमोनिया आदि बीमारियों का विस्तृत जानकारी दिया गया इस दौरान उपरोक्त बीमारियों के निष्पादन के लिए मुफ्त दवा का वितरण किया गया। सलाफा बोलस , विताब दवा। मौके पर पशु डॉ सुशीला बागे,संजय राणा,संतोष बैग, संजय कुमार,राजू गुप्ता,पंकज गुप्ता,अजय कुमार यादव, सोकन राम, जिस किसान को दवा वितरण किया गया निर्मल साव, हरी कुमार,संकर प्रसाद, मनोज उराव,रीना देवी,बिना देवी, शुकुल भुइंया, रूपेश सिंह, फूलकुमारी रघु कुमार साव आदि शामिल रहे।

पौधरोपण कर आम बागवानी कार्य का किया गया शुभारंभ

गिद्धौर(चतरा)। शुक्रवार को गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत विशुनापुर गांव में मनरेगा के तहत आम बागवानी कार्य का शुभारंभ पौधारोपण कर किया गया। पौधारोपण कार्य मुकेश कुमार साव, पंचायत सचिव महेश मिस्त्री, रोजगार सेवक स्वर्णलता कुमारी के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान मुखिया ने बताया कि मनरेगा के तहत विशुनापुर गांव में आम बागवानी लाभुक राखी कुमारी के एक एकड़ जमीन में पौधारोपण कार्य किया जाना है। पौधारोपण के दौरान बागवानी सखी मंजू देवी सहित अन्य उपस्थित थे।

तेज बारिश में गिरा गरीब का घर, हुआ बेघर, लगायी गुहार

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत गंगापुर गांव निवासी चन्द्र भुइयां का खपरैल मकान लगातार तेज बारिश से गिर गया। इस दौरान घर वाले बाल-बाल बचे और बड़ी दुर्घटना होने से बची। चन्द्र भुइंया की पत्नी बुधनी देवी ने बताया कि खपरैल मकान की स्थिति पहले से ही काफी जर्जर था। टूटे-फूटे खपरैल मकान में अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ रह रहा था। जो तेज बारिश अचानक गिर गया। जिससे पुरा परीवार बेघर हो गया है और दूसरे के घर में छोटे-छोटे बच्चों के साथ रहने पर विवश है। कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों को इसकी सूचना दी पर अबतक किसी ने नही सुनी। पीड़ित ने प्रखंड प्रशासन व जिले के उपायुक्त से प्रधानमंत्री आवास मुहैया कराने की मांग की है।

धर्मपुर ग्रामीण जलापूर्ति योजना निर्माण कार्य का प्रमुख ने किया निरीक्षण

मयूरहंड(चतरा)। शुक्रवार को मयूरहंड प्रखंड के धर्मपुर ग्रामीण जलापूर्ति योजना निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण प्रमुख मिकी देवी ने किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में घोर अनियमितता पायी गई। ज्ञात हो कि धर्मपुर ग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत पेटादेरी, फुलांग तथा कदगावांकला पंचायत के सभी गांवों में शूद्ध पेयजल मुहैया करवाया जाना है। प्रमुख ने बताया की पेटादेरी बडकरीया नदी में बन रहे जलमीनार में निम्न क्वालिटी का रड़ लगाने के साथ पम्प हाउस का छत ढलाई के साथ हीं रिसाव करने लगा है। इसके अलावे दिवाल जोड़ाई में घटीया सिमेंट ईट का उपयोग किया जा रहा है। अनियमितता देख प्रमुख ने संवेदक के मुंशी को कड़ी फटकार लगाई और गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने की हिदायत दी। आगे कहा कि प्रखंड क्षेत्र में विकास कार्य में जुटे संवेदक अगर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य नहीं करेंगे तो संबिधत के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए वरीय अधिकारियों को पत्र लिखा जाएगा।

नदी किनारे से बिरहोर का शव बरामद

चतरा। शुक्रवार को इटखोरी थाना क्षेत्र अंतर्गत इटखोरी धुना नदी घाट के किनारे से सन्नी बिरहोर पिता राधे बिरहोर 35 वर्ष का शव पुलिस ने बरामद किया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरंजन कुमार मिश्रा दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया। शव की पहचान थाना क्षेत्र के कटुआ निवासी सन्नी बिरहोर 35 वर्ष के रुप में मृत के साले जगदीश बिरहोर ने की है। वहीं बीडीओ अन्वेषा ओना ने बताया कि आपदा राहत के तहत मृत के परिजनों को सरकारी स्तर पर मुआवजा दी जाएगी।

जिला कृषि टास्क फोर्स की बैठक में बोले उपविकास आयुक्त

अधिक संख्या में योजनाओं का लाभ पहुंचायें

नवीन मे संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त भोर सिंह यादव के निदेर्शानुसार उप विकास आयुक्त श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला कृषि टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अनियमित मॉनसून को देखते हुए वर्तमान में हो रही वर्षापात एवम धान की रोपनी की स्थिति, खाद्य की उपलब्धता, किट नाशी दवाओं, किसान क्रेडिट कार्ड , पीएम किसान , पशुपालन से संबधित योजना आदि को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई एवं कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में उप विकास आयुक्त ने जिला कृषि पदाधिकारी से जिले में अब तक कितनी वर्षा हुई है एवं कौन-कौन सी फसलें लगायी गयी हैं इसकी जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने सभी कृषि समन्वयकों और किसान सलाहकारों को आकस्मिक फसल के बारे में किसानों को जागरूक करने का निर्देश दिया तथा बीज प्राप्त होते ही इसका वितरण प्रारंभ कराए जाने की बात कही, ताकि जहां रोपनी नही हुई है, वहां वैकल्पिक फसल लगाई जा सके। झारखंड राज्य फसल राहत योजना के तहत किसानों के निबंधन की भी उप विकास आयुक्त ने समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त ने बीज वितरण व खाद की उपलब्धता से भी अवगत हुए। इसी क्रम में उन्होंने जिले में कितने खाद के थोक विक्रेता हैं इसकी जानकारी ली। उन्होंने संभावित सुखाड़ के मद्देनजर पशुओं के लिए पशुपालन पदाधिकारी को हर संभव तैयारी रखने की बात कही। पशुपालन,गव्य विकास, मत्स्य से संबंधित योजनाओं की समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त ने ज्यादा से ज्यादा लाभुकों को योजना का लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी श्री राम शंकर प्रसाद, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान, कृषि विज्ञान केन्द्र,लातेहार डॉ सुनीता कांडेयोग, एलडीएम , संबंधित कार्यपालक अभियंता उपस्थित थे।

उपायुक्त ने धमनियां बिरहोर टोला में मूलभूत सुविधाओं का लिया जायजा

नवीन मेनल संवाददाता

चतरा। शुक्रवार को उपायुक्त अबु इमरान ने सदर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत रक्सी स्थित धमनियां बिरहोर टोला पहुंचकर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उपायुक्त ने बिरहोर टोला में मुख्य रूप से पेयजल, आवास, सड़क मार्ग, रोजगार, पशु शेड, नरेगा कार्य, आंगनबाड़ी, स्कूल, स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। इसके अलावे दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले सामग्री समेत अन्य की भी जांच कर आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उपायुक्त ने प्राथमिकता के आधार पर उप विकास आयुक्त, जिला खनन पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत अन्य को जिले भर के सभी बिरहोर टोला की समीक्षा कर मूलभूत सुविधाओं एवं सरकारी योजनाओं का लाभ बिरहोरों को देने हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

मगध वीपीआर कंपनी में कार्यरत मजदूरों को हटाये जाने का यूनियन ने किया विरोध

चरणबद्ध आंदोलन करने की दी गयी चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। बालूमाथ अंतर्गत आरा फुटबॉल ग्राउंड मगध पर झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के बैनर तले एक बैठक की गई ।बैठक में कोलवरी के वीपीआर आउटसोर्सिंग कंपनी पर कार्यरत ड्राइवर व मजदूरों को हटाए जाने का विरोध किया गया। बैठक में मजदूर और यूनियन के लोगों ने कहा कि अगर आउटसोर्सिंग कंपनी वापस मजदूरों को काम पर नहीं रखती है तो चरणबद्ध आंदोलन करने की चेतावनी दी। बता दें कि झारखंड सरकार के 75% स्थानीय लोगों को काम पर रखने की प्रावधान के तहत विस्थापित लोगों को आउटसोर्सिंग कंपनी में काम पर रखा गया था जो आज काम से हटा दिया गया। मौके पर लोगों ने आउटसोर्सिंग कंपनी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की । मौके पर सैकड़ों मजदूर और यूनियन के मगध क्षेत्रीय सचिव गुरदयाल साव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चतरा जिला अंतर्गत देवलगड्ढा और कुंडी माइंस किसी कारणवश बंद हो जाने से वहां कार्य कर रहे मजदूरों को बैठा दिया गया है। जैसे ही माइंस चालू होगी। सभी मजदूरों को वापस काम पर ले लिया जाएगा ।

-श्रीनिवास रेड्डी वीपीआर माइनिंग जीएम मगध।

लाभुकों ने डीलर पर लगाया राशन में अनियमितता का आरोप

जनप्रतिनिधियों ने की जांच, कम मिला अनाज

नवीन मेल संवाददाता

मयूरहंड(चतरा)। जिले के मयूरहंड प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पेटादेरी के पीडीएस लाभुकों ने जुलाई एवं अगस्त माह का अनाज नहीं वितरण करने का आरोप डीलर महावीर भुईयां पर लगाया है। इस बाबत लिखित शिकायत प्रमुख मिकी देवी एवं बीडीओ सह प्रभारी एमओ साकेत सिन्हा से करते हुए वितरण करवाने की मांग की है। लाभुकों के शिकायत पर शुक्रवार को प्रमुख व उप प्रमुख पूनम कुमारी ने पीडीएस दुकान पहुंच जांच किया। जिसमें पीडीएस दुकान में आवश्यकता के अनुसार कम अनाज पाया गया। प्रमुख ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गोदाम प्रबंधक व एमओ के मिली भगत से इस तरह के कुकृत्य करने की हिम्मत डीलर जुटाते हैं। डीलर मशीन खराब होने का बहाना बना कर गरीबों का निवाला बंदरबांट करने की फिराक में था, इसकी शिकायत उपायुक्त से करने की बात कही। इसपर डीलर ने बताया कि जुलाई का पैसा वाला अनाज का वितरण किया जा चुका है। पीएम निधि का मोटा आनाज 20 अगस्त को उपलब्ध कराया गया है, उसमें से भी 49 किंवटल के जगह 35 किवंटल हीं उपलब्ध कराया गया। शेष अनाज अगस्त माह के राशन के साथ देने की बात एजीम द्वारा कही गई थी। अगस्त माह का पैसा वाला तथा जुलाई माह का शेष राशन 27 अगस्त को उपलब्ध कराया गया है। इसी बीच ईपॉश मशीन खराब होने के कारण लाभूकों के बीच अनाज का वितरण नहीं कर पाया। अनाज स्टॉक में उपलब्ध है और मशीन भी बन गया है पर 1 से 4 सितंबर तक मशीन लॉक रहता है खुलते हीं लाभूकों के बीच दोनो माह का अनाज वितरण कर दिया जाएगा। बीडीओ न्हा ने बताया कि मुखिया व उप प्रमुख के हस्ताक्षर उक्त लाभूकों का शिकायत प्राप्त हुआ है। जांच कर डीलर पर कार्रवाई की जाएगी और अनाज वितरण करवाया जाएगा। जांच के दौरान फुलांग पंचायत समिति सदस्य प्रीति कुमारी, समाजसेवी संजय कुमार सिंह, सिकेंदर यादव आदि उपस्थित थे।

सप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन

बालूमाथ। प्रखंड कार्यालय परिसर में वीडियो ललिता भाखला ने सप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया। मौके पर श्रीमती बाखला ने बताया कि पेंशन, आवास, मृत्यु प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड संबंधित एक दर्जन से भी अधिक ग्रामीणों ने आवेदन किए हैं। जिसे निष्पादन की जा रही है । मौके पर जनता दरबार में वीडियो के अलावे प्रखंड कर्मी सहित कई ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित रहे ।

आठवीं के छात्र-छात्राओं को समारोह आयोजित कर दी गयी विदाई

गिद्धौर(चतरा)। शुक्रवार को गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय मारंगी में आठवीं क्लास के छात्र-छात्राओं को समारोह आयोजित कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गयी। समारोह की अध्यक्षता प्रधानाध्यपक बुलक दांगी व संचालन शिक्षक संजय कुमार पासवान ने किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने भाषण, संगीत व नाटक का मंचन किया। आठवीं पास करने वाले छात्र-छात्राओं को आगे भी बेहतर करने की सलाह शिक्षकों ने दी। साथ ही छात्र-छात्राओं को प्रशस्तिपत्र दे सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समारोह में समाजसेवी मुकेश कुमार साव, शिक्षक मनोज कुमार, जयराम यादव, रामप्रसाद, बिरसा उरांव, मनई मुंडा, वैद्यनाथ दांगी, विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष प्रमोद भुइंया सहित अन्य उपस्थित थे।

तालाबंदी और विवादास्पद बयानबाजी के मामले को लेकर हुई बैठक

महुआडांड़ को अशांत करने का हो रहा प्रयास: इस्तेला

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। प्रखंड में कथित आदिवासी संगठन छेछारी परगना के सदस्यो द्वारा किए गए तालाबंदी और विवादास्पद बयानबाजी के मामले को लेकर प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में गुरूवार को एसडीओ नीत निखिल सुरीन एसडीपीओ राजेश कुजूर की संयुक्त अध्यक्षता में प्रखंड के सभी जन प्रतिनिधियों और ग्राम प्रधान की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सभी ने एक स्वर में कथित आदिवासी संगठन छेछारी परगना के सदस्यो द्वारा किए गए कार्य की निंदा की। साथ ही भविष्य में ऐसे हालात नही उत्पन्न होने देने की प्रतिबद्धता जताई और इस मामले को लेकर ग्राम सभा द्वारा अपने अपने ग्राम में निगरानी करने की बात कही गई। बैठक में केंद्रीय जन संघर्ष समिति के सचिव जेरोम जेराल्ड कुजूर ने पांचवी अनुसूची की विस्तृत व्याख्या की साथ ही कथित आदिवासी संगठन आदिवासी संगठन छेछारी परगना के द्वारा लगाए गए बोर्ड में संविधान की व्याख्या गलत तरीके से पेश करने की बात कही। बैठक में जिप सदस्य इस्तेला नगेसिया ने बताया कि पांचवी अनुसूची के नाम पर महुआडांड़ प्रखंड को अशांत करने की कोशिश की जा रही थी, जिसके कारण पिछले तीन दिनों में प्रखंड के आम जनता को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ा साथ ही गैर आदिवासी वर्ग में असुरक्षा की भावना पैदा हुई थी जिसके कारण प्रखंड में तनावपूर्ण स्थिति पैदा होने की बात बताई साथ ही उन्होंने बैठक में कथित आदिवासी संगठन छेछारी परगना के सदस्यो पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि इनके द्वारा 15 अगस्त को सफेद झंडा फहराने की तैयारी की गई थी।इसलिए इस स्थिति के लिए जो भी जिम्मेदार है सभी पर पुलिस प्रशासन द्वारा कड़ी कारवाई की जाए जिससे लोगो में एक संदेश जाए।वही बैठक में कई ग्राम प्रधान और मुखिया ने भी अपने विचार रखे। बैठक में उपरोक्त लोगों के अलावा प्रखंड प्रमुख कंचन कुजूर,उपप्रमुख अभय मिंज, केंद्रीय जन संघर्ष समिति के अनिल मनोहर समेत सभी पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, ग्राम प्रधान मौजूद थे।

बरवाडीह में आयोजित जनता दरबार में किसानों ने गिनायी कई समस्याएं

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह। उपायुक्त भोर सिंह यादव के निर्देश पर विशेष जनता दरबार का आयोजन किया गया. जिसमें प्रखण्ड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय, अंचल निरीक्षक रमेश प्रसाद गुप्ता, पूर्वी जिला परिषद सदस्य कन्हाई सिंह समेत अंचल राजस्व कर्मी समेत प्रखण्ड कर्मी मौजूद रहे। जनता दरबार में मुख्य रूप से किसानों की सम्बंधित समस्या ज्यादा देखी गई। कई किसानों ने जंहा फसल सुखाड़ राहत का फॉर्म लेकर अपनी समस्याओं से बीडीओ को अवगत कराया। इसके अलावा जनता दरबार में विभिन्न प्रकार के पेंशन संबंधित एवं पीएम आवास, अंबेडकर आवास जैसे आवेदन प्राप्त हुए। जिसका बीडीओ ने कुछ मामलों का निष्पादन तत्काल किया। इसके साथ ही कुछ मामलों का जांच के उपरांत संज्ञान लेने का निर्देश प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा संबंधित कर्मियों को दिया गया। जनता दरबार में जहां काफी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे हुए थे। वही इस अवसर में प्रखंड अंचल के कई कर्मी उपस्थित थे।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत विद्यार्थियों को दी गई स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, बोले जितेंद्र प्रसाद

स्वच्छता के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना नहीं हो सकती

नवीन मेल संवाददता

चंदवा। स्वच्छता के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। स्वच्छता से शरीर में स्फूर्ति आती है। उक्त बातें यूनिसेफ केंद्रीय टीम के जितेंद्र प्रसाद ने रामवि चंदवा में स्वच्छता पखवाड़ा को लेकर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बताया कि एक सितंबर से 15 सितंबर तक स्वच्छता पखवाड़ा को लेकर विद्यालयों में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। पहले दिन स्वच्छता की शपथ का कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के शिक्षक मो इम्तेयाज खान ने स्वच्छता की महत्व बताते हुये बच्चों को शपथ दिलाई। विद्यालय के सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और अन्य ने स्वच्छता की शपथ ली। रोजमर्रा के क्षेत्र में स्वच्छता को बनाए रखने की जरूरत है। आगे कहा कि साफ-सफाई को दिनचर्या में शामिल कर किसी भी कीमत पर स्वच्छता से समझौता नहीं करने की जरूरत है। विद्यालय के बच्चों से कहा कि बचपन से ही स्वच्छता को अपनाकर भविष्य को भी सुखमय बनाया जा सकता है। साफ-सफाई को आदत में शुमार करते हुए कूड़े को हमेशा कूड़ेदान में ही डालना चाहिए।

शिक्षक धर्मप्रकाश अग्रवाल, रूक्मिणी कुमारी आदि ने सिंगल यूज प्लास्टिक से खुद को बचाने के साथ समाज में इसके लिए जागरूकता फैलाने की बात कही। कहा कि यदि यहां उपस्थित एक बच्चा अपने घर व गांव की स्वच्छता के लिए पहल करता हैं लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक करते हैं तो जितने लोग यहां मौजूद हैं उतने गांवों में स्वच्छता का संदेश फैल सकता है।

मौके पर विद्यालय की शिक्षिका राधिका कुमारी,चंद्रमण राम, रामप्रवेश राम, केदार महतो, विजय कुमार, विजय कुमार पासवान, विभा कुमारी, बिनोद राय, फूलवंती कच्छप, आश्रिता मिंज, सुनीता देवी, नमोत्री कुजूर, सुनीता कुमारी, बिनोद राम, शबनम कमाल समेत अन्य मौजूद थे।

पोषण माह के तहत निकली जागरूकता रैली

चंदवा। समाज कल्याण विभाग की ओर से चलाए जा रहे पोषण माह के तहत शुक्रवार को चंदवा में रैली निकाली गई।रैली प्रखंड कार्यालय से निकलकर इंदिरा गांधी चौक पहुँची इसके बाद मुख्य सड़क होते हुए वापस प्रखंड कार्यालय में संपन्न हुई।रैली के माध्यम से सितंबर माह में प्रखंड के सभी पंचायतों में पोषण माह के पांच सूत्रों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करने का संदेश दिया गया जिसमें गर्भधारण से बच्चे की उम्र दो वर्ष पूरी होने तक माँ व बच्चे की उचित देखभाल की जानकारी देने। छः माह की उम्र पूरी होने के बाद पर्याप्त पौस्टिक आहार शुरू करने, एनीमिया से बचाव के लिए आयरन युक्त आहार, डायरिया से बचाव हेतु व्यक्तिगत स्वक्षता व साफ सफाई का पालन करने का संदेश दिया गया जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में बाल विकास परियोजना की पर्यवेक्षिका ज्योति वाला महिला पर्यवेक्षिका पूजा विनायक, बीना देवी, फील्ड कोऑर्डिनेटर तेजस्विनी परियोजना अफसाना खातून समेत आंगनबाड़ी सेविकाएं सहायिकाएं शामिल थी।

20 दिवसीय मेले का जिप सदस्य व प्रखंड प्रमुख ने किया उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

मनिका। प्रखंड मुख्यालय अंतर्गत स्थित बीआरसी रोड के समीप 20 दिवसीय मेला का आयोजन किया गया है। जिसका उद्घाटन मनिका पश्चिम क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य बलवंत सिंह,प्रखंड प्रमुख प्रतिमा देवी,सिंजो पंचायत के मुखिया निर्मला देवी,समेत अन्य के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए तरह-तरह के झूलन लगाए गए हैं। इसके साथ ही दुकानदारों के द्वारा मेले में दुकान लगाकर लोगों के जरूरत से जुड़े सामग्री भी बेचे जा रहे हैं। मेले में बाहर से आए कलाकारों के द्वारा गीत संगीत नृत्य का भी कार्यक्रम प्रस्तुत की जा रही है। काफी भव्य तरीके से मेला का आयोजन किया गया है। यहां पर मनोरंजन के लिए दूरदराज के क्षेत्रों से भी लोग आ रहे हैं। वहीं मेला संचालक नसीम अंसारी ने बताया कि यहां पर मेला का आयोजन 20 दिनों के लिए किया गया है। प्रखंड क्षेत्र और दूरदराज के क्षेत्रों से लोग आकर मेले का आनंद उठा सकते हैं। मेले में लोगों के मनोरंजन के लिए कई तरह की व्यवस्था की गई है। मौके पर जिप सदस्य बलवंत सिंह व प्रखंड प्रमुख प्रतिमा देवी ने कहा कि इस तरह के आयोजन से क्षेत्र के लोगों एवं बच्चों में काफी उत्साह रहता है। लोग मेले में आकर झूलन समेत इत्यादि का आनंद उठा सकते हैं। मौके पर मुखिया पति सहायक सिंह,भाजपा युवा मंडल अध्यक्ष अंकित राज, डॉक्टर कुलीन अंसारी, धर्मेंद्र प्रसाद, रंजीत कुमार समेत सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

पिकअप वाहन के टक्कर से बिजली खम्भा और बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त

सेन्हा-लोहरदगा। सेन्हा थाना क्षेत्र अन्तर्गत सेन्हा राम मुहल्ला में देर रात मिक्चर मशीन टोचन कर ले जा रहा पिकअप मालवाहक गाड़ी के टक्कर से बिजली खम्भा व डॉ0 भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा टूट गया। जिससे मुहल्ला वासी वाहन चालक के विरुद्ध आक्रोशित हो गये। वहीं घटना की सूचना पर सेन्हा थाना प्रभारी ऋषिकांत दलबल के साथ पहुंच पिकअप जे एच 08 सी 6341 को अपने कब्जे में लेते हुए घटना का तहिकात करते हुए मिक्चर मशीन एवं पिकअप को थाना लाया गया। बताया जाता है कि ग्रामीणों ने क्षतिपूर्ति को लेकर गाड़ी मालिक से गुहार लगया था। जिसे मालिक के इनकार करने पर ग्रामीण व मालिक के बीच विवाद हो गया। वही मौके पर पुलिस पहुंच अग्रेतर कारवाई में जुट गई। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली संचालित नही होने के कारण बड़ी हादसा टल गया।

डोभा में डूबने से 12 वर्षीय बच्चे की मौत

कैरो/लोहरदगा। कैरो थाना क्षेत्र के सढ़ाबे निवासी 12 वर्षीय अमित उरांव पिता गणेश उरांव का डोभा में डूबने से मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार अमित उरांव सढ़ाबे खेल मैदान से नीचे खोदे गए डोभा में नहाने गया था जिसमे डूबने से उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर कैरो थाना के ए एस आई धर्मेंद्र कुमार व एस एन दास दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक जांच पड़ताल करते हुए पोस्टमास्टम के लिए सदर अस्पताल लोहरदगा भेज दिया। बच्चे की मृत्यु से परिवार व परिजनो में शोक की लहर दौड़ पड़ी।

नशे में धुत स्कूटी सवार गिरकर घायल

सिमडेगा। ठेठईटांगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गुड़गुड़ टोली निवासी जंक्शन माझी नशे में धुत होकर मोटरसाइकिल से गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल पूर्व विधायक विमला प्रधान के बॉडीगार्ड सहित अन्य लोगों की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल सिमडेगा में भर्ती कराया गया। जहां उसकी इलाज चल रही है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार घायल टुकूपानी पंचायत के उप मुखिया हैं और नशे में धुत होकर स्कूटी चला रहे थे ।इसी दौरान अपने ही स्कूटी से गिरकर घायल हो गए घटना के बाद सदर अस्पताल में से रखा गया है। हालांकि मुंह से लगातार खून की उल्टी हो रही है इसलिए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए बाहर ले जाने की बात कही।

आपसी विवाद में पति ने की पत्नी की हत्या, आरोपी पति गिरफ्तार

पाकरटांड। थाना क्षेत्र के किनबीरा गांव में पति-पत्नी के बीच हुई झड़प के बाद गुस्साए पति ने अपनी पत्नी को धारदार हथियार से गला रेत कर फरार हो गया। घटना की सूचना शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों को हुई तब इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। घटनास्थल पर पुलिस पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल सिमडेगा भेज दिया। घटना के बारे में जानकारी देते हुए थाना प्रभारी अमित कुमार राय ने बताया कि किनबिरा निवासी मतन राम घर में अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर नोकझोक किया और रात में खाना खाकर पत्नी सोई उसके बाद जब गहरी नींद में थी तब उठकर धारदार हथियार से उसकी गला रेत कर फरार हो गया। वहीं पुलिस आरोपी को अभियान चलाते हुए गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ कर रही है। इधर उसके विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। हालांकि इधर ग्रामीणों का कहना है कि पति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती है।

लोहरदगा में ए वन कोचिंग सेंटर व मेडिसिन पॉइंट का उद्घाटन

लोहरदगा। लोहरदगा शहरी क्षेत्र के बरवाटोली चौक स्थित रिलायंस ट्रेंड्स के सामने ए वन कोचिंग सेंटर व मेडिसिन पॉइंट का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कर्ता पूर्व विधानपरिषद सदस्य प्रवीण सिंह, ओमप्रकाश सिंह, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष चोंहस कुजूर, पूर्व सेन्हा प्रमुख कलावती देवी आदि ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस मौके पर कोचिंग सेंटर व मेडिसिन पॉइंट के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। मौके पर पूर्व विधानपरिषद सदस्य प्रवीण सिंह ने कहा कि ए वन कोचिंग सेंटर जिले के विद्यार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यहाँ मेडिसिन पॉइंट भी है जहाँ सभी प्रकार की दवाएं उपलब्ध हैं। वही कोचिंग सेंटर की संचालिका पूर्व प्रमुख कलावती देवी ने सेंटर की उपयोगिता के बारे में बताते हुए कहा कि इस कोचिंग सेंटर में कक्षा एक से दस तक के बच्चों को उच्च शिक्षा की व्यवस्था है। वही प्रतियोगिता परीक्षा को देखते हुए नवोदय विद्यालय, नेतरहाट विद्यालय के लिए विशेष कोचिंग क्लास कराई जाएगी। यहा अनुभवी शिक्षकों के द्वारा बच्चों को पढ़ाया जाएगा। गरीब बच्चों के लिए कम फीस में भी पढ़ाई की व्यवस्था है। मौके पर हेमंत अग्रवाल, सामेला भगत, संगीता कुमारी, देवव्रत साहू, अजय पंकज, मनीष शिखर, पशुपतिनाथ पारस, सुरज दसौंधी, सुमि उरांव, अनिल उरांव, राजकुमार वर्मा, राधिका देवी, मकदली टोप्पो, सूरज कुमार, उत्तम कुमार, सुखदेव उरांव, जिला परिषद सदस्य सुखदेव उरांव, किशुन उरांव, धारी भगत समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

मोटरसाइकिल सवार ने टेंपो को मारी टक्कर दो लोग घायल

सिमडेगा। सिमडेगा सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमडेगा कुरडेग मुख्य मार्ग गरजा चौक के समीप शुक्रवार की दोपहर में एक मोटरसाइकिल सवार ने स्कूली बच्चों से भरा टेंपो को टक्कर मारी जिसके बाद टेंपो से गिरकर एक बच्चे का पैर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जबकि मोटरसाइकिल सवार खुद गिरकर घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ हो गई जिसके बाद लोगों ने पीसीआर एवं एंबुलेंस को बुलाया एंबुलेंस के माध्यम से इलाज के लिए दोनों ही घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां इलाज चल रही है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कोचेडेगा टोकिडुबा निवासी मुकेश प्रधान सिमडेगा की ओर से जा रहा था। इसी दौरान संत अन्ना स्कूल के बच्चों से भरी टेंपो को टक्कर मारी जिसमे कोचेडेगा चिमोटोली निवासी 13 वर्षीय रितेश डुंगडुंग गिरकर घायल हो गया। इधर सदर अस्पताल में दोनों ही घायलों को इलाज के लिए भर्ती कराया है जहां पर उनकी इलाज चल रही है। समाचार लिखे जाने तक मोटरसाइकिल चालक मुकेश की स्थिति नाजुक बनी हुई थी।

डीडीसी की अगुवाई में मिशन अमृत सरोवर की हुई समीक्षा बैठक, कहा

भूमि संरक्षण विभाग को 34 तालाबों के जीर्णोद्धार का कार्य जल्द पूर्ण किये जाने का निर्देश

- हिंडाल्को इंडस्ट्रीज को सीएसआर के अंतर्गत 05 नये तालाबों के निर्माण का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उप विकास आयुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में मिशन अमृत सरोवर की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में भूमि संरक्षण पदाधिकारी को भूमि संरक्षण कार्यालय, लोहरदगा के द्वारा 34 तालाबों के जीर्णोद्धार का कार्य जल्द पूर्ण किये जाने का निदेश दिया गया। भूमि संरक्षण पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि 23 तालाबों के जीर्णोद्धार का कार्य पूर्ण हो चुका है। भूमि संरक्षण पदाधिकारी को सभी तैयार तालाबों के चारों ओर पौधरोपण कराये जाने का निदेश दिया गया। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज को सीएसआर के अंतर्गत 05 नये तालाबों के निर्माण के लिए निदेश दिया गया कि तालाब निर्माण के लिए अपने बोर्ड में इसकी स्वीकृति जल्द लेकर निर्माण कार्य प्रारंभ करायें। लघु सिंचाई प्रमंडल कार्यपालक अभियंता को निदेश दिया गया कि अगले दो दिनों के अंदर 08 तालाबों का संशोधित प्राक्कलन तकनीकी स्वीकृति के साथ जल छाजन प्रकोष्ठ-सह-आंकड़ा केंद्र, लोहरदगा को उपलब्ध करा दें। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार, जिला योजना पदाधिकारी अरूण कुमार सिंह, जिला कृषि पदाधिकारी शिव पूजन राम, मनरेगा परियोजना पदाधिकारी सुधीर मुर्मू, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज सीएसआर हेड नीरज कुमार, जल छाजन प्रकोष्ठ-सह-आंकड़ा केंद्र लोहरदगा के तकनीकी विशेषज्ञ प्रिंस कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

रैयत को भूमि अधिग्रहण संबंधी नोटिस दी जाये

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में ललित नारायण स्टेडियम के मुख्य द्वार के सामने पहुंच पथ एवं पार्किंग हेतु रैयती भूमि के अधिग्रहण हेतु गठित समिति की बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में हुई। बैठक में नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि यह उच्च प्राथमिकता की परियोजना है, अतः रैयत भूमि का अधिग्रहण किया जाना चाहिए। सभी बिंदुओं के अवलोकन के पश्चात उपायुक्त द्वारा निदेश दिया गया कि रैयत को भूमि अधिग्रहण संबंधी नोटिस दी जाय। बैठक में अपर समाहर्ता गरिमा सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल, भूमि सुधार उप समाहर्ता मनीषा तिर्की, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी देवेंद्र कुमार, जिला अवर निबंधक, लोहरदगा उपस्थित थे।

अपनी समस्याओं को लेकर मजदूरों ने अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। झारखंड प्रदेश मजदूर यूनियन के नेता राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में मजदूरों ने शुक्रवार को परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में मजदूरों की विभिन्न प्रकार की समस्याओं को लेकर बैठक का आयोजन किया। इस दौरान मजदूरों की विभिन्न प्रकार की समस्याओं को मजदूर नेता ने बारी-बारी से सुना। जिसके बाद उन समस्याओं को जल्द से जल्द निराकरण करने की बात कही। अपने संबोधन में मजदूर नेता ने कहा कि लगातार क्षेत्र में मजदूरों का शोषण जारी है। लेकिन इसके बावजूद भी विभागीय एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि के उदासीन रवैया के कारण उनका लगातार शोषण हो रहा है। आज कई जगहों पर काम कराने के बावजूद उन्हें भुगतान नहीं की गई है और कहीं पर काम किया भी जा रहा है तो वहां पर सरकारी दर के अनुसार उन्हें मूल्य भी नहीं मिल रहे हैं। मजदूरों का शोषण हो रहा है जिसे यह संघ बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने सभी मजदूरों को नशा पान से दूर रहने एवं संगठित रह कर कार्य करने तथा शोषण के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने की बात कही। उन्होंने छूटे हुए मजदूरों को श्रम विभाग की ओर से बनाए जा रहे ई-श्रम कार्ड को जल्द से जल्द बनवाने की बात कहीं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक महीना के 1 तारीख को संघ की बैठक का आयोजन किया जाएगा ताकि संगठन को और भी मजबूती के साथ आगे बढ़ाया जा सके। वहीं उन्होंने आगामी 17 सितंबर को सभी मजदूर संघ के सदस्यों के साथ मिलजुल कर विश्वकर्मा पूजा मनाने को लेकर चर्चा किया। जहां पर बताया गया कि नगर भवन सिमडेगा में वृहद पैमाने पर सभी मजदूरों के साथ मिलकर भगवान विश्वकर्मा की पूजा आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी लोगों को इस पूजा के लिए सहयोग एवं पूरे तन मन धन से मदद की अपील की। उन्होंने कहा जिले के उपायुक्त से मुलाकात करते हुए मजदूरों की विभिन्न प्रकार की समस्या और बाहरी लोगों के द्वारा यहां पर मजदूरों का शोषण इन सभी प्रकार के मामलों को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा ताकि मजदूरों का शोषण पर अंकुश लग सके।

झामुमो नेताओं के पहल पर ईदगाह मोहल्ला में 15 दिनों बाद लगा ट्रांसफार्मर

सिमडेगा। शहर के ईदगाह मोहल्ला का 200 केवीए जाला हुआ टांसफार्मर 15 दिन बाद शुक्रवार को लगा। शहर के वार्ड नम्बर 15 में 200 केवीए का टांसफार्मर झामुमो संजोयक मंडली के सदस्य सफीक खान के प्रयास से बिजली बहाल हुआ। ईदगाह मोहल्ला के सभी लोगों मे खुशी का माहौल देखने को मिला। जिसका उद्घाटन सफीक खान ने फीता काट कर की। उन्होंने कहा बिजली विभाग के लापरवाही के कारण इतना समय लग गया। अगर बिजली विभाग के पदाधिकारियों अपना कार्य सही समय करते तो पहले ही बिजली बहाल हो सकता था। इस टांसफार्मर को लेकर सफीक खान ने बिजली विभाग के जीएम और एमडी को भी पत्र लिखा तब जाकर 200 केवी नया टांसफार्मर उपलब्ध हुआ। इस अवसर पर मुख्य रुप से झामुमो संजोयक मंडली के सदस्य सफीक खान, ओस्कार डांग, नील जस्टिन बेक, बिरेन्दर बड़ा, सिकन्दर बरवा, सन्दीप मिंज, मो अंजार, मो लडन, मो जियाउल रुफी और काफी संख्या मे ईदगाह मोहल्ला के लोग उपस्थित थे।

करमा पर्व के अवसर पर रोहित उरांव ने किया मांदर का वितरण, कहा

करमा पर्व सिर्फ त्योहार मात्र नहीं बल्कि प्रकृति पूजन का संदेश है

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सूबे के वित्त मंत्री सह लोहरदगा विधायक डॉ रामेश्वर उरांव के पुत्र रोहित उरांव के द्वारा भंडरा एवं कैरो प्रखंड के ग्राम धोबली, बंडा, छोटा अम्बेरा, मुकुंदा, कुंदो, कांजो, पंडरिया, बड़ा अम्बेरा, कैरो जामुन टोली, टाटी,गीतिलगड, गराडीह, ख्वास अंबवा,नगड़ा एवं बख्सि आदि गांवो मे करमा पर्व धूम-धाम से बनाने के लिए रोहित उरांव ने किया मांदर का वितरण। मौके पर रोहित उरांव ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुवे कहा की हम इस पर्व के माध्यम से अपनी सभ्यता और संस्कृति को और मजबूत बनाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि करमा सिर्फ त्यौहार मात्र नहीं है, बल्कि यह कई संदेश भी हमें देता है। ये पर्व मानव जीवन का प्रकृति से अटूट लगाव को दशार्ता है। सदियों से मानव सभ्यता और प्रकृति के बीच के समन्वय को बताता है। यहां चलना ही नृत्य है और बोलना ही गान है। करमा पर्व इसी की पहचान है। कहा की अपनी संस्कृति को बचना एवं धूम-धाम से करमा पर्व बनाने का बात कही। आदिवासी समाज के युवकों को अपनी संस्कृति एवं सभ्यता को आगे बढ़ाने की जिमेवारी होनी चाहिए। मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, संतोष महतो, असलम अंसारी, भंडरा प्रखंड अध्यक्ष डोमना उरांव, बुधवा उरांव, सुशील उरांव, हरिदास उरांव, बिगा पहान, बिरशु उरांव, नारायण उरांव, शिव उरांव, विजय उरांव। आदि उपस्थित थे।

कैम्प आयोजित कर 20 लोगों का ऑन द स्पॉट बनाया गया लर्निंग लाइसेंस

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा/ठेठईटांगर। अगस्त महीने से प्रखंडों में भी ड्राइविंग लाइसेंस बनवाए जाएंगे। इसके लिए सभी प्रखंडों में कैंप लगाया जाएगा। प्रखंडों में विशेष कैंप लगने से ग्रामीण क्षेत्र के लोग आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस बनवा पाएंगे। परिवहन विभाग के निर्देश पर जिला परिवहन कार्यालय ने कैंप लगाने का फैसला लिया है। जिला परिवहन कार्यालय ने कहा है कि जो लोग ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना चाहते हैं, उनको प्रखंडों में ही आवेदन करने का मौका मिलेगा। इसकी शुरूआत शुक्रवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय ठेठईटांगर में कैम्प आयोजित कर की गई। कैम्प आयोजित करते हुए शुरू दिन ही 20 लोगों का 'ऑन द स्पॉट' लर्निंग लाइसेंस बनाया गया। वहीं अन्य प्रखंडों के लिए कैंप करने की तिथि तय की गई है। जिसके अंतर्गत दिनांक 08.09.2022 को प्रखंड सह अंचल कार्यालय, बोलबा में,12.09.2022 को प्रखंड सह अंचल कार्यालय केरसई में, 13.09.2022 को प्रखंड सह अंचल कार्यालय कुरडेग में, 15.09.2022 को प्रखंड सह अंचल कार्यालय पाकरटांड़ में,19.09.2022 को प्रखंड सह अंचल कार्यालय कोलेबिरा में, 20.9.2022 को प्रखंड सह अंचल कार्यालय बानो में, 23.09.2022 को प्रखंड सह अंचल कार्यालय जलडेगा में एवं 27.09. 2022 को प्रखंड सह अंचल कार्यालय बांसजोर में कैंप लगाया जाएगा।

पास के प्रज्ञा केंद्र से भरना होगा फॉर्म : डीटीओ

डीटीओ ओमप्रकाश यादव ने बताया कि आवेदक को पहले खुद या अपने पास के प्रज्ञा केंद्र से लर्निंग लाइसेंस फॉर्म आवेदन करना होगा। यहीं पर कंप्यूटर पर लर्निंग लाइसेंस का टेस्ट होगा। जिसके बाद उन्हें लर्निंग लाइसेंस ऑन द स्पॉट दिया जाएगा। मौके पर लर्निंग लाइसेंस लेने आए हुए आवेदकों को सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारियां दी गई एवं उन्हें जागरूक किया गया। साथ में सभी को बताया गया कि लर्निंग लाइसेंस के 1 महीने पूरे होने के पश्चात परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन खुद या नजदीक के प्रज्ञा केंद्र से करा कर जिला परिवहन कार्यालय में जमा करना होगा। जिसके बाद उनका ड्राइविंग टेस्ट लिया जाएगा। जिन आवेदकों द्वारा ड्राइविंग टेस्ट पास कर लिया जाएगा उन्हें परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस निर्गत कर दिया जाएगा। मौके पर परिवहन कार्यालय अधीक्षक रामनिवास मिश्रा, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक अजीत कुमार रवि, कंप्यूटर ऑपरेटर बरनावस सुरीन, सड़क अभीयांत्रिक विश्लेषक चंदन कुमार एवं देवशरण देव उपस्थित थे।

ठेठईटांगर गणेश पूजा पंडाल में नृत्य प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

ठेठईटांगर। गणेश पूजा के अवसर पर बुधवार की रात्रि ठेठईटांगर बाजारटांड पूजा पंडाल में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने भजन एवं गीतों की धुन पर एक से बढ़कर एक नृत्य और दर्शकों की वाहवाही पाई। इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में ठेठईटांगर प्रमुख विपिन पंकज मिंज उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि छोटे से क्षेत्र में इस तरह का आयोजन सराहनीय है केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि खेलकूद एवं अन्य कलाकार डांस में भी अपना कैरियर बनाया जा सकता है। इस तरह का आयोजन से स्थानीय कला निखर कर सामने आती है, इससे समाज में एकता आती है। उन्होंने आयोजन समिति को धन्यवाद दिया। प्रतियोगिता में प्रथम निरज रॉय, द्वितीय अनन्या कुमारी, दीक्षा कुमारी, साक्षी कुमारी संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रही वहीं विजय प्रतिभागियों को प्रमुख बिपिन पंकज मिंज एवं अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत किया गया, साथ ही विसर्जन जुलूस बृहस्पतिवार की शाम को निकाला गया। जिसमें ठेठईटांगर प्रखंड प्रमुख विपिन पंकज मिंज शामिल हुए एवं नाचते गाते छठ तलाब में गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूजा कमेटी के अध्यक्ष परमानंद कुमार, उपाध्यक्ष अविनाश कुमार सचिव अभिषेक प्रधान, कोषाध्यक्ष गौरव महतो, एवं कमेटी के सदस्यगन राजा बड़ाईक, उमेश बडाईक, अमीत बडाईक, कृष कुमार, सिंटू कुमार, गौतम कुमार, राहुल कुमार, विशाल सिंह आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जोसिमा खाखा के नेतृत्व में कांग्रेसियों का एक दल दिल्ली रवाना

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। 4 सितंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ महारैली में भाग लेने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता शुक्रवार को सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा सह पाकरटांड़ जिप सदस्य जोसिमा खाखा के नेतृत्व में रवाना हुए। सभी कांग्रेसी एक बस में दिल्ली के लिए रवाना हुए। रवाना होने से पूर्व कांग्रेसियों से नारेबाजी भी की। जानकारी देते हुए सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने बताया कि 4 सितंबर 2022 को दिल्ली के रामलीला मैदान में महंगाई के खिलाफ हल्ला बोल रैली आयोजित की गई है। जिसमें पूरे

देश के कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे और केंद्र सरकार की गलत नीतियों का विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि साल 2014 में एलपीजी सिलेंडर की कीमत 410 से 430 रुपये के आसपास थी। जिसमें आज 158% की वृद्धि हो गई है। आज 1000 रुपए से भी अधिक में गैस सिलेंडर मिल रहे हैं। इसी तरह पेट्रोल, डीजल, सरसो तेल, गेहूं आटा सब का दाम बढ़ा हुआ है। इससे आम जनता परेशान हैं। कहा कि खाने पीने की वस्तुओं पर टैक्स नहीं लगाने की बात कहने वाले प्रधानमंत्री मोदी ने आटा चावल पर भी जीएसटी लगा दिया है। इसके साथ ही दूध की कीमतें भी बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ताओं ने लगातार जनता की आवाज को प्रमुखता से उठाया है। मौके पर कांग्रेस नेत्री जोसिमा खाखा ने कहा कि मोदी सरकार की गलत आर्थिक नीतियों की वजह से महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि देश में हर वर्ग का नागरिक जहां एक ओर बेतहाशा महंगाई से त्रस्त है। देश में बेरोजगारी भी अपने चरम पर पहुंच गई है। भाजपा सरकार अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़कर, जनता के सरोकार से कोसो दूर निकल गए। जिसके लिए देश की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगीकरांची जाने वालों में जिला बिस सूत्री उपाध्यक्ष मनोज जयसवाल, जिला प्रवक्ता रणधीर रंजन, विधायक प्रतिनिधि,जिप सदस्य आदि कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल थे।

लोहरदगा में लव जिहाद : धर्म छिपाकर नाबालिग से किया यौन शोषण, पोल खुलने पर कुएं में ढकेला

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा जिले में लव जिहाद का मामला प्रकाश में आया है। यहां एक नाबालिग लड़की लव जिहाद का शिकार हुई है। मिली जानकारी के अनुसार दूसरे समुदाय के युवक ने अपना धर्म छिपा कर पहले लड़की से दोस्ती की, फिर प्यार का ढोंग रचाया और उसके साथ यौन शोषण किया, जब उसकी सच्चाई सामने आई तो उसने लड़की को कुएं में धकेल कर जान से मारने की कोशिश की। हालांकि लड़की किसी तरह जान बचाकर अपने घर पहुंच गई। परिवार वालों को सारी बात बताई। मामले की जानकारी मिलते ही समाज के लोग भी पीड़िता की मदद के लिए आगे आए। यही वजह है कि अब आरोपी सलाखों के पीछे हैं। लोहरदगा के डीएसपी परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि लोहरदगा महिला थाना कांड संख्या 26/ 2022 में भादवि की धारा 376, 427, 379, 417, 307 और सिक्स पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बताया जाता है कि लोहरदगा जिले की 17 वर्षीया नाबालिग के पास 6 महीने पहले एक अनजान युवक रबानी अंसारी का कॉल आया जो रांची जिले के मांडर थाना के नवाटाड़ का रहने वाला है। उसने नाबालिक लड़की को कॉल कर अपना नाम साजन उरांव बताया।

मीठी-मीठी बातों के जाल में उसे फंसाया। दोस्ती की बात कह कर अक्सर फोन करने लगा। मिली जानकारी के अनुसार लड़की भी उसके झांसे में आ गई। प्यार का वास्ता देकर उसने उसको रांची बुलाकर फरवरी से जुलाई माह तक कई किराए के मकान में रख उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाया।

इसी बीच लड़की को उसका असली नाम रबानी अंसारी और उसके शादीशुदा होने का भी पता चल गया। इसके बाद लड़की ने विरोध जताना शुरू कर दिया। इस बीच आरोपी लड़के ने उसके साथ अंतरंग वीडियो भी बना लिया था, जिसे उसने नाबालिग पर दबाव बनाने के लिए वायरल कर दिया।

विरोध करने पर कुएं में धकेल दिया : लड़की को अपने गांव नवाटाड़ ले जाने के क्रम में रास्ते से हटाने के लिए उसने उसे गांव के पास खेत के कुएं में धकेल दिया। उसने उसे ऊपर से पत्थर भी मारे। यह नाबालिग की किस्मत थी कि उसकी जान बच गई और वह वहां से किसी तरह भागकर लोहरदगा आ गई।

हिंदू सनातन संगठनों ने की कार्रवाई की मांग : इधर इस घटना से हिंदू सनातन संगठनों में काफी आक्रोश है। हिंदू संगठन के सतीश पांडे ने कहा धर्म और नाम छुपा कर समाज की लड़कियों को झांसे में लेने और उनका यौन शोषण करने धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश लगातार की जा रही है, सरकार और प्रशासन को ऐसे लोगो पर सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए हम इसका मांग करते है। वही पीड़ित ने भी अपनी आप बीती बताई और न्याय की गुहार लगाई।

शिवाजी क्लब बरसलोया में गणेश पूजा के शुभ अवसर पर हुआ बाल नृत्य का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। प्रखंड अंतर्गत बरसलोया में गणेश पूजा उत्सव और बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। वहीं बच्चों के द्वारा बाल नृत्य का आयोजन किया गया। गांव के मुखिया के द्वारा फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसके बाद गांव के बच्चों ने अनेकों तरह की प्रस्तुति गीत संगीत नृत्य आदि की प्रस्तुति किया जिसका पूरे गांव के लोगों ने बच्चों के कार्यक्रम में उपस्थित होकर उनका मनोबल और उत्साह बढ़ाया। बच्चों के नृत्य ने लोगों को अपनी और आकर्षित किया। वही कार्यक्रम के बाद सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया, जहां बच्चों में काफी उत्साह देखने को मिला। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार आकाश सिंह, द्वितीय पुरस्कार साक्षी कुमारी, एवं तृतीय पुरस्कार श्रुति कुमारी को दिया गया। मौके पर शंभू नाथ साहू, मुखिया संदीप सद मुंडा, भाजपा प्रखंड महामंत्री रोहित साहू, महावीर सोनी, कमेटी के सदस्य शंभू साहू, दीपक साहू, रूपेश साहू, चंदन साहू, अमित सिंह, अंकुर साहू, विक्रम साहू, राहुल साहू, धनेश राम, आदर्श साहू के अलावा ग्रामीण उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

सिर्फ 2 दिन में अनिल अंबानी की कंपनी का धांसू परफॉर्मेंस, चमकी निवेशकों की किस्मत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भले ही अनिल अंबानी की पावर कंपनी, रिलायंस पावर कर्ज के बोझ तले दबी हो लेकिन इस पर दांव लगाने वाले निवेशकों की चांदी है। सिर्फ दो कारोबारी दिन के भीतर रिलायंस पावर का शेयर 37 फीसदी तक चढ़ा है। इसी के साथ शेयर का भाव 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर भी पहुंच गया है। क्या है शेयर भाव: शुक्रवार को रिलायंस पावर के शेयर का भाव 52 सप्ताह के उच्च स्तर 23.75 रुपये पर पहुंचा गया। शेयर अपने 20.28 रुपये के पिछले बंद से करीब 18 प्रतिशत तक उछल गया। बीएसई पर रिलायंस पावर का बाजार पूंजीकरण (एम-कैप) बढ़कर 7,700 करोड़ रुपये से ज्यादा है। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) ने रिलायंस पावर में जबरदस्त खरीदारी की है। यह कंपनी उन 32 सूचीबद्ध शेयरों में शामिल है, जिनमें एफआईआई ने पिछले एक साल में अपनी हिस्सेदारी कम से कम 3 फीसदी बढ़ाई है। बता दें कि इस साल जुलाई की शुरूआत में, रिलायंस पावर के शेयरधारकों ने वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान अपनी संपत्ति के मुद्रीकरण के लिए एक विशेष प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। सभी विशेष प्रस्तावों को शेयरधारकों के 75 प्रतिशत या अधिक मतों द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक था। कंपनी द्वारा बीएसई फाइलिंग से पता चला कि 72.02 प्रतिशत वोट प्रस्ताव के पक्ष में थे, जबकि 27.97 प्रतिशत ने इसके खिलाफ मतदान किया। इस तरह एजीएम में विशेष प्रस्ताव पारित नहीं किया जा सका।

टाटा ग्रुप की कंपनी ने 3 दिन में दिया 52 फीसद से अधिक रिटर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेलीसर्विसेज लि. अपने निवेशकों के पैसे को पिछले 3 दिन में ही डेढ़ गुना से अधिक कर दिया। अगर किसी ने 3 दिन पहले इस स्टॉक में 1 लाख रुपये लगाया हो तो उसका एक लाख आज डेढ़ लाख से अधिक हो गए होंगे। पिछले 3 दिन में टीटीएमएल ने 52 फीसद से अधिक रिटर्न दिया है। बता दें कंपनी के शेयर पिछले 52 हफ्तों में 33.05 रुपये का लो से 290.15 रुपये के हाई तक गया और आज 9:35 के आस-पास यह बीएसई पर करीब 8 फीसद ऊपर 139.50 रुपये पर पहुंच गया। स्टॉक पिछले 3 दिनों से बढ़ रहा है और इस अवधि में 52.49 प्रतिशत रिटर्न बढ़ा है। इन तीन दिनों में दो बार अपर सर्किट लग चुका है। टीएमएल शेयर आज 3.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ खुला और स्टॉक ने 140 रुपये (9.8 प्रतिशत) के उच्च स्तर को छुआ। आज स्टॉक 22.22 प्रतिशत की इंट्रा डे वोलैटिलिटी के साथ अत्यधिक अस्थिर रहा है। इसमें निवेशकों की बढ़ती भागीदारी 5 दिन, 20 दिन, 50 दिन और 100 दिन मूविंग एवरेज से अधिक लेकिन 200 दिन मूविंग एवरेज से कम है।

बिजली चोरी रोकने, दक्षता बढ़ाने के लिए बीएसईएस ने बिजले के साथ समझौता किया

नयी दिल्ली। बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस ने हरित और डिजिटल भविष्य की खातिर कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित समाधान के लिए बिजले नाम की कंपनी के साथ समझौता किया है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। इस समझौते के तहत बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (बीआरपीएल) और बिजले विभिन्न क्षेत्रों में परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए एआई आधारित समाधान के विकास एवं क्रियान्वयन के लिए सहयोग करेंगी। बीएसईएस ने बताया कि इससे तकनीकी और वाणिज्यिक घाटे में कमी लाई जा सकेगी, बिजली चोरी का पता लगाया जा सकेगा, बिजली भार का पूवार्नुमान लगाया जा सकेगा, मौसम और नेटवर्क से संबंधित जानकारी मिल सकेगी।

चालू खरीफ सत्र में अबतक धान बुवाई का रकबा 5.62 प्रतिशत घटकर 383.99 लाख हेक्टेयर पर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कुछ राज्यों में बारिश कम होने के कारण चालू खरीफ सत्र में अबतक धान फसल का रकबा 5.62 प्रतिशत घटकर 383.99 लाख हेक्टेयर रह गया है। कृषि मंत्रालय के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। एक साल पहले की समान अवधि में धान की बुवाई 406.89 लाख हेक्टेयर में की गई थी। धान मुख्य खरीफ फसल है और इसकी बुवाई जून से दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरूआत के साथ शुरू होती है और अक्टूबर से कटाई की जाती है। चालू खरीफ सत्र में अब तक झारखंड में धान की बुवाई का रकबा पिछले साल के मुकाबले 9.80 लाख हेक्टेयर कम है जबकि मध्य प्रदेश में 6.32 लाख हेक्टेयर, पश्चिम बंगाल में 4.45 लाख हेक्टेयर, छत्तीसगढ़ में 3.91 लाख हेक्टेयर, उत्तर प्रदेश में 2.61 लाख हेक्टेयर और बिहार में धान बुवाई का रकबा पिछले साल से 2.18 लाख हेक्टेयर कम है। वहीं ओडिशा (84,000 हेक्टेयर), आंध्र प्रदेश (31,000 हेक्टेयर), असम (29,000 हेक्टेयर), मेघालय (21,000 हेक्टेयर), पंजाब (12,000 हेक्टेयर), जम्मू-कश्मीर (5,000 हेक्टेयर), मिजोरम (3,000 हेक्टेयर), सिक्किम (2,000 हेक्टेयर) और त्रिपुरा (1,000 हेक्टेयर) में धान बुवाई के रकबे में खास गिरावट नहीं आई है। धान के अलावा चालू खरीफ सत्र में अबतक 129.55 लाख हेक्टेयर के साथ दलहन की बुवाई में मामूली गिरावट आई है। एक साल पहले की समान अवधि में यह रकबा 135.46 लाख हेक्टेयर था। अरहर दलहन का रकबा पिछले साल के 47.56 लाख हेक्टेयर के मुकाबले 44.86 लाख हेक्टेयर में मामूली रूप से कम है। उड़द का रकबा 36.62 लाख हेक्टेयर है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 38.18 लाख हेक्टेयर था। तिलहन बुवाई का रकबा भी पिछड़ रहा है क्योंकि चालू खरीफ सत्र में दो सितंबर तक 188.51 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में इसकी बुवाई हुई थी। एक साल पहले की समान अवधि में यह रकबा 189.66 लाख हेक्टेयर था। हालांकि, मोटे-सह-पोषक अनाज के मामले में, बुवाई बढ़कर 178.96 लाख हेक्टेयर हो गयी है। जो पिछले साल की समान अवधि में 171.62 लाख हेक्टेयर थी।

हिमाचल में कामधेनु दूध दो रुपये प्रति लीटर मंहगा हुआ

हमीरपुर (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में कामधेनु दूध गुरुवार से दो रुपये प्रति लीटर मंहगा हो गया। यह जानकारी उत्पादक-एवं-विक्रेता संघ ने दी। कामधेनु हितकारी मंच के नानक सिंह के अनुसार दुग्ध उत्पादक परिवारों के हितों को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने यह निर्णय लिया है। गाय के दूध के उत्पादक एवं विक्रेता ने इससे पहले तीन मार्च को दूध के दाम में दो रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की थी। वेरका कंपनी ने 19 अगस्त को राज्य में दूध के दम में दो रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की थी। श्री सिंह ने कहा कि गायों को खिलाने के लिए कुट्टी और खल की कीमतों में वृद्धि के कारण संगठन को दूध के दाम बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा। पूरे हिमाचल प्रदेश में दूध की आपूर्ति कामधेनु संस्था द्वारा की जाती है। इस दूध को बिलासपुर, हमीरपुर, मंडी, कुल्लू, सोलन, शिमला जिलों के साथ चंडीगढ़ में भी पहुंचाया जाता है। इससे पहले कामधेनु दूध हिमाचल प्रदेश के निचले इलाकों जैसे बिलासपुर, हमीरपुर में 52 रुपये प्रति लीटर मिल रहा था जबकि पहाड़ी इलाकों जैसे शिमला, कुल्लू, मंडी और सोलन में इसकी कीमत 54 रुपये प्रति लीटर थी। बिलासपुर और हमीरपुर में आज से गाय का दूध 54 रुपये प्रति लीटर, जबकि राज्य के अन्य हिस्सों में 56 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कामधेनु संस्था से राज्य के 6,000 परिवार जुड़े हुए हैं। संस्थान इन परिवारों से लगभग प्रतिदिन 40,000 लीटर दूध एकत्रित करती है।

91 स्प्रिंगबोर्ड को गूगल फॉर स्टार्टअप्स से गठजोड़

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत की प्रमुख को-वर्किंग कम्युनिटी में से एक 91 स्प्रिंगबोर्ड ने लेवल अप लॉन्च करने के लिए गूगल फॉर स्टार्टअप्स (जीएफएस) के साथ सहयोग किया है। लेवल अप एक राष्ट्रव्यापी वर्चुअल ऐक्सिलरेटर प्रोग्राम है, जिसका उद्देश्य भारत में महिला उद्यमियों को अपने स्टार्टअप को अगले स्तर तक ले जाने में सक्षम बनाना है। व्यवसाय, तकनीक, नेतृत्व और निवेश की तैयारी के प्रमुख घटकों को मिलाकर, यह ऐक्सिलरेटर प्रोग्राम महिला उद्यमियों को संरक्षण प्रदान करेगा, उनके लिए मास्टरक्लासेस चलाएगा और उनके संपर्क को बढ़ाएगा और प्रासंगिक उपकरण मुहैया करायेगा। इससे उनका मॉडल बेहतर होगा, उनका नेतृत?व कौशल बढ़ेगा। इतना ही नहीं, उन्हें अपने व्यावसाय को बढ़ाने के लिए निवेश के लिए तैयार होने और पूंजी तक पहुंच प्राप्त करने में मदद मिलेगी। लेवल अप महिलाओं द्वारा झेली जा रही बाधाओं को दूर करना चाहते हैं। इसके लिए हम उनके लिए निजी एवं व्यावसायिक वृद्धि के अवसरों का निर्माण कर रहे हैं, उन्हें ज्यादा दृश्यता और एक राष्ट्रीय मंच प्रदान कर रहे हैं और निवेशकों के साथ संपर्क बनाकर पूंजी तक उनकी पहुंच को बेहतर बना रहे हैं। इस प्रोग्राम को विशेष रूप से महिला उद्यमियों को सपोर्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो विश्वसनीय परामर्श, समकक्ष समूहों और अन्य व्यवसाय संबंधी सहायता तक पहुँच की तलाश में हैं। 91 स्प्रिंगबोर्ड के सीईओ आनंद वेमुरी ने कहा, हम भारत में लेवल अप प्रोग्राम लॉन्च करने में गूगल फॉर स्टार्टअप्स के साथ सहयोग करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। 91स्प्रिंगबोर्ड ने हमेशा स्टार्टअप पारितंत्र को पोषित करने और सीखने के पर्याप्त अवसरों के माध्यम से विकास को बढ़ावा देने में विश्वास किया है। हमारा मानना है कि किसी भी व्यावसायिक क्षेत्र के विकास और नवाचार में वैश्विक अनुभव और शानदार कार्यपद्धतियों को साझा करना सबसे बुनियादी जरूरत है। ज्यादा से ज्यादा महिलाएँ स्टार्टअप शुरू कर उनका संचालन कर रही हैं लेकिन उनके पास आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त समर्थन प्रणाली नहीं है।

भारत ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्रति दिन औसतन 90 लाख से ज्यादा डीबीटी भुगतान हस्तांतरित किये

वित्त वर्ष 2021-22 में 6.3 लाख करोड़ हस्तांतरित किये गये

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारत आज विशेष रूप से डिजिटल भुगतान में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है और नागरिकों के जीवन और शासन को बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में भी प्रमुख देश बन रहा है - भारत स्टैक और अन्य विभिन्न डिजिटल सरकारी समाधान पाने की इच्छा अब दुनिया के देश रखते हैं - प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सोच को धन्यवाद जिससे भारत डिजिटल में नेतृत्व करता है और डिजिटल भारत को आगे ले जाता है। इलेक्ट्रानिक्स एवं आईटी और कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने डिजिटल भुगतान और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के सफल मॉडल के बारे में बोलते हुए कहा, जो करोड़ों भारतीय नागरिकों को लाभान्वित कर रहा है। 2013 के बाद से 24.8 लाख करोड़ से अधिक डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किए गए हैं, इसमें से अकेले वित्त वर्ष 2021-22 में 6.3 लाख करोड़ हस्तांतरित किए गए; प्रतिदिन (वित्त वर्ष 2021-22 में) औसतन 90 लाख डीबीटी भुगतान से ज्यादा किए गए हैं। पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 11वीं किस्त के तहत, लगभग 20,000 करोड़ रुपये सीधे 10 करोड़ से अधिक लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित किए गए। जहां तक डिजिटल भुगतान का संबंध है, 2021-22 के दौरान 8,840 करोड़ से अधिक और वित्त वर्ष 2022-23 में (24 जुलाई 2022 तक) लगभग 3,300 करोड़ डिजिटल भुगतान के लेनदेन किए गए; एक दिन में औसतन 28.4 करोड़ डिजिटल लेनदेन किए गए।

भारत 2032 तक दुनिया का छठा सबसे बड़ा बीमा बाजार होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अगले 10 साल में दुनिया का छठा सबसे बड़ा बीमा बाजार बन जाएगा। एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस वृद्धि को नियामकीय पहल और तेज आर्थिक वृद्धि से समर्थन मिलेगा। स्विट्जरलैंड स्थित प्रमुख पुनर्बीमा कंपनी स्विस रे ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत में कुल बीमा प्रीमियम अगले दशक में मौजूदा मूल्य पर स्थानीय मुद्रा में औसतन 14 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ेगा। 2032 तक कुल प्रीमियम मात्रा के मामले में भारत छठा सबसे बड़ा बीमा बाजार बन जाएगा। 2021 में यह 10वें स्थान पर था। रिपोर्ट में भारतीय जीवन बीमा उद्योग के संबंध में कहा गया है कि यह इस साल 6.6 प्रतिशत (वास्तविक रूप में) की असाधारण दर से बढ़ेगा और 2023 में 7.1 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ेगा। इसमें कहा गया है कि अनुमानित वृद्धि दर को ध्यान में रखते हुए भारत में जीवन बीमा प्रीमियम 2022 में पहली बार 100 अरब डॉलर को पार करने के लिए तैयार है। रिपोर्ट में साधारण बीमा बाजार के संबंध में कहा गया है कि यह वर्ष 2020 में मामूली गिरावट के बाद 2021 में 5.8 प्रतिशत की वृद्धि पर लौट आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल ऊंची मुद्रास्फीति की वजह से वृद्धि थोड़ी सुस्त पड़कर 4.5 प्रतिशत रह जाएगी।

पाकिस्तान में टमाटर और प्याज की कीमतें 400 रुपये के पार, भारत से आयात पर विचार

दिल्ली / लाहौर (एजेंसी)। बाढ़ से तबाह पाकिस्तान में सब्जियों और फलों की कीमतों में जोरदार उछाल आया है और देशभर में हजारों एकड़ में फसल नष्ट हो गई है। चूंकि शहबाज शरीफ सरकार ने अभी तक भारत से सब्जियों और फलों के आयात पर निर्णय नहीं लिया है, इसलिए कई व्यापार मंडल, उपभोक्ताओं की खातिर पड़ोसी देश भारत से प्याज और टमाटर जैसी आवश्यक वस्तुओं को आयात करने का आग्रह कर रहे हैं। सब्जियों की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर भारत से खाद्य सामान आयात करने का विचार सबसे पहले वित्त मंत्री मिफ्ता इस्माइल ने सोमवार को पेश किया था। हालांकि, इस्माइल ने बुधवार को कहा कि कश्मीर मुद्दे पर भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों के मद्देनजर इस योजना को लेकर विपक्ष की आलोचना के बीच वह सरकार भारत से खाद्य पदार्थों के आयात पर गठबंधन सहयोगियों और प्रमुख अंशधारकों से परामर्श करेंगे। बृहस्पतिवार को फैसलाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष आतिफ मुनीर ने सरकार से सब्जियों की आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, "परिवहन शुल्क को कम करने के लिए पड़ोसी देशों के साथ व्यापार, विशेष रूप से भारत के साथ व्यापार करना महत्वपूर्ण है और इससे यहां उपभोक्ताओं को सस्तर दरों पर सब्जियां और फल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, चतरा।

अत्यावश्यक सूचना

एतद द्वारा इस सूचना के माध्यम से संवेदक मेसर्स माँ संतोषी कन्स्ट्रक्शन, ग्राम+पो॰–गिद्धौर, जिला–चतरा को सूचित किया जाता है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत सोलहवाँ चरण (WB Bridge) (Batch-II) 2018-19 के पैकेज सं॰– JH02TKE154B के "Bridge Over River Korambe to Meral at 4.9 KM, Length- 68.440 M, Block- Patthalgadda" निर्माण कार्य हेतु एकरानामा किया गया था। एकरारनामा के अनुसार कार्य प्रारम्भ की तिथि–01.10.2019 एवं समाप्ति की तिथि–31.12.2020 को थी। परन्तु आपके द्वारा अभी तक कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। कार्य पूर्ण करने हेतु आपको लगातार मौखिक रूप से एवं समीक्षात्मक बैठक के माध्यम् से निर्देश दिया गया है। इस कार्यालय के पत्रांक– 397, दिनांक– 02.04.2022 एवं प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से पत्रांक– 461, दिनांक– 29.04.2022 के द्वारा भी अपूर्ण कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इसके बावजूद भी आपके द्वारा अभी तक कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। पुनः इस कार्यालय के पत्रांक– 622 (अनु॰), दिनांक– 22.06.2022 द्वारा समाचार पत्र के माध्यम् से 15 दिनों के अन्दर कार्य पूर्ण करने हेतु आपको सूचित किया गया था। आपके द्वारा शपथ–पत्र के माध्यम् से अधोहस्ताक्षरी को सूचित किया गया था कि माह जुलाई, 2022 तक कार्य पूर्ण कर दिया जायेगा। संबंधित कनीय अभियन्ता श्री गिरेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि संवेदक द्वारा बार–बार आदेशित किये जाने के बावजूद कार्य में कोई रूचि नहीं ली जा रही है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि आपको कार्य करने में कोई रूचि नहीं है।

अतः दिनांक– 31.08.2022 को मुख्य अभियन्ता, JSRRDA, राँची के द्वारा समीक्षात्मक बैठक में दिये गये निर्देश के आलोक में दिनांक–12.09.2022 को कनीय अभियंता, श्री गिरेन्द्र कुमार शर्मा एवं श्री वीर बहादुर वेंकट सिंह, सहायक अभियंता (PMGSY) की उपस्थिति में आपके द्वारा किये गये कार्य की अंतिम मापी आपके अथवा आपके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति के उपस्थिति में ली जायेगी। उपस्थित नहीं होने पर भी अन्तिम मापी ले ली जायेगी, जो आपको मान्य होगी। तदोपरान्त् एकरारनामा की शर्त्तो के अनुसार जमानत की राशि जब्त करते हुए आपको काली सूची में डालने की कार्रवाई की जाएगी।

कार्यपालक अभियन्ता,
ग्रामीण कार्य विभाग,
कार्य प्रमण्डल, चतरा।

PR 276893 (Rural Work Department) 22-23 (D)

District Legal Services Authority Latehar

No.01-/LADCS/2022/Date:26th August 2022

NOTICE INVITING APPLICATIONS FOR ENGAGEMENT AS FULL TIME LEGAL AID LAWYERS IN LEGAL AID DEFENSE COUNSEL OFFICE IN LATEHAR DISTRICT OF THE JHARKHAND STATE UNDER JHARKHAND STATE LEGAL SERVICES AUTHORITY (JHALSA)

The Jharkhand State Legal Services Authority (JHALSA),established under the Legal Services Authorities Act,1987 with mandate to provide free and competent legal services to the under privileged and disadvantaged sections of the society to ensure that opportunities for securing justice are not denied to any citizen by reason of economic or other disabilities and to secure that the operation of the legal system promotes justice on a basis of equal opportunity to all. Please visit web sitehttps://www.jhalsa.org/for full details for eligibility, honorarium etc.

Realising the need to ponder over the reforms required in the Legal Aid Movement of India a new model of Legal Services Delivery, the 'Legal Aid Defense Counsel System '(LADCS) ,in line with public defender system, is introduced by NALSA.As envisaged, LADCS involve full time engagement of lawyers with support system, dealing exclusively with legal aid working criminal matters at every stage starting from the pre-arrest, arrest &remand stage to the conclusion of trials and appeal setc. It will enhance the availability and accessibility of Legal Aid in a timely manner and helping creating a mechanism to provide qualitative and competent legal services in a professional manner to underprivileged and disadvantaged section of the society.

The Distict Legal Aid Defense Counsel Officeat Latehar may 01 Deputy Chief Legal Aid Defense Counsels, 02 Assistant Legal Aid Defense Counsels (number of positions depending upon legal aid working the district). This system will have the effect of enhancing the Responsiveness of the Legal Aid Mechanism in country and will ensure accountability on the part of the Legal Aid providers.

The Legal Aid Defense Counsel System will also provide a unique opportunity for Law Students to learn from the best. The Legal Aid Defense Counsel will be given the liberty to engage law students as in terns, to give them exposure to practical aspects of criminal law including preparation of defense strategy and doing legal research in various factual scenarios.

JHALSA under the aegis of NALSA(www.nalsa.gov.in)is in process of implementation of LADCS in the Latehar

Applications are invited from eligible lawyer shaving requisite qualifications for Contractual full time engagement for the posts of Deputy Chief Legal Aid Defense Counsels, Assistant Legal Aid Defense Counsels as per scheme in22districts of State of Jharkhand.

The number of engagement positions may vary or decrease from district to district, depending up on actual need as projected by the DLSA concerned. The Lawyers so engaged therein will not be allowed to take any other private cases or any other retainership.

The Scheme of engagement alongwith application form may be downloaded from the official website of JHALSAhttps://www.jhalsa.org/and also from Notice board of DLSA, Latehar. The duly filled application form along with self-attested copies of documents shall be submitted to DLSA, Latehar wherein the candidate desires to apply, through speed post or in an envelope personally in the office of the Secretary, DLSA, latehar on or before 5th September 2022 by 17:00Hrs. Any application received after due date shall not be considered.

Note: *Applying for engagement does not create any right/assurance whatsoever

Secretary
DLSA, Latehar

PR 276886 Law(22-23)D

पायलटों की हड़ताल से कैंसिल हो गईं 800 फ्लाइट्स, 1 लाख से ज्यादा यात्री प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की सबसे बड़ी एयरलाइंस में से एक जर्मनी की लुफ्थांसा एयरलाइंस के पायलट हड़ताल पर चले गए हैं। जर्मनी में पायलटों की हड़ताल की वजह से लुफ्थांसा एयरलाइंस को अपनी 800 फ्लाइट्स को कैंसिल करना पड़ा है। इन उड़ानों के निरस्त होने से 1 लाख 30 हजार यात्री प्रभावित हुए हैं। जर्मनी में पायलट अपनी मांगों को लेकर एक दिन की हड़ताल पर हैं। पायलट संघ ने वेतन वृद्धि को मंजूरी नहीं दिए जाने पर आधी रात से एक दिन की हड़ताल की घोषणा की है। लुफ्थांसा एयरलाइंस ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति ने कहा, हड़ताल से 1 लाख 30 हजार यात्री प्रभावित हो सकते हैं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक सैलरी में इजाफे को लेकर बातचीत फेल हो गई है और लुफ्थांसा एयरलाइंस के पायलट गुरुवार की आधी रात के बाद से 24 घंटे की हड़ताल करेंगे। इससे यात्रियों और कार्गो दोनों सेवाएं प्रभावित होंगी। एयरलाइंस ने कहा कि गुरुवार को भी कई उड़ाने रद्द कर दी गईं थीं। पायलट यूनियन ने अपने 5 हजार से ज्यादा पायलटों के लिए इस साल 5.5 प्रतिशत वेतन वृद्धि और उसके बाद महंगाई में भारी इजाफे के लिए मुआवजे की मांग की है। वहीं, लुफ्थांसा के प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा है कि हमें जल्द से जल्द से बातचीत की उम्मीद है। हालांकि हम उनकी मांगों से जुड़ी लागत वृद्धि को सहन नहीं कर सकते हैं। लुफ्थांसा एयरलाइंस कंपनी इस साल पहले भी कई बार सुरक्षाकर्मियों और ग्राउंड स्टाफ की हड़ताल की वजह से कई बार परेशानियों में फंस चुकी है। एयरलाइन्स कंपनी को जुलाई में जर्मनी के शक्तिशाली वर्डी यूनियन के एक दिन के वॉकआउट का सामना करना पड़ा था। वहीं, लुफ्थांसा ने कहा है कि पायलटों के संघ की हड़ताल के प्रभाव को कम करने की हर संभव कोशिश की जा रही है।

> ■ पायलट यूनियन ने अपने 5 हजार से ज्यादा पायलटों के लिए इस साल 5.5 प्रतिशत वेतन वृद्धि और उसके बाद महंगाई में भारी इजाफे के लिए मुआवजे की मांग की है।

52 वीक के हाई पर आईटीसी का स्टॉक, एक्सपर्ट्स को भरोसा-अभी और चढ़ेगा भाव

नई दिल्ली। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार की सुस्ती के बीच आईटीसी के स्टॉक ने लंबी छलांग लगाई। इस छलांग की वजह से एफएमसीजी कंपनी आईटीसी के स्टॉक ने 52-सप्ताह के नए उच्च स्तर को देखा। आईटीसी के शेयर में करीब 2 फीसदी की जबरदस्त तेजी आई और यह 324.20 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, बाद में मुनाफावसूली भी देखने को मिली लेकिन शेयर का भाव 320 रुपये से ज्यादा पर ही रहा। बीते 24 फरवरी को शेयर का भाव 207 रुपये के स्तर तक गया था। यह 52 सप्ताह का निचला स्तर है। आईटीसी ने 5 वर्षों के बाद 4 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैपिटल को पार कर लिया है। पिछली बार जुलाई 2017 में कळउ का मार्केट कैपिटल इस स्तर पर पहुंचा था।

सम्पादक की कलम से...

क्या होगा हेमंत सरकार का?

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अयोग्य हुए तो भी झारखंड में रहेगी यूपीए सरकार। वह इसलिए कि 5 को विधानसभा में चल सकते हैं विश्वासमत का दांव। बहरहाल झारखंड में सियासी संकट के बीच पांच सितंबर को एक दिन के सत्र में सरकार विश्वास प्रस्ताव पेश कर सकती है। दूसरी तरफ बीजेपी भी रणनीति बनाने में जुट गई है। राज्य में पिछले एक हफ्ते से जारी सियासी संशय के बीच झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र पांच सितंबर को आहूत किया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में राज्य कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया। हेमंत सोरेन की विधानसभा सदस्यता को लेकर राजनीतिक ऊहापोह के बीच माना जा रहा है कि महागठबंधन सरकार इस दौरान विश्वास प्रस्ताव पेश कर सकती है। इसके अलावा सदन में राज्य के वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम, हॉर्स ट्रेडिंग की आशंका के बीच सियासी घमासान, संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका, स्थानीय नीति के साथ एससी, एसटी व ओबीसी का आरक्षण बढ़ाने जैसे विषयों पर चर्चा कराई जा सकती है। सियासी संकट के बीच गुरुवार को महागठबंधन का एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला। राज्यपाल को 34 विधायकों के हस्ताक्षर के साथ सौंपे ज्ञापन में मांग की गई कि यदि हेमंत सोरेन की सदस्यता पर आयोग का मंतव्य आया है तो राजभवन जल्द स्थिति स्पष्ट करें। मुख्यमंत्री की अयोग्यता अगर सामने आती है तब भी सरकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा क्योंकि, झामुमो-कांग्रेस-राजद-निर्दलीय गठबंधन को राज्य विधानसभा में प्रचंड बहुमत है। दूसरी तरफ राज्यपाल शुक्रवार को दिल्ली मंत्रणा के लिए निकल गये हैं। ऐसे में एक दो दिनों के अंदर स्थिति साफ होने की संभावना है। भाजपा भी अपनी रणनीति बनाने में जुट गई है। विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक विरंची नारायण ने कहा कि सत्र में भाग लेने के बारे में कोई भी फैसला भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी, प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश और संगठन मंत्री कर्मवीर के साथ चर्चा के बाद लिया जायेगा। वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा है कि झारखंड सरकार जनता की गाढ़ी कमाई उड़ा रही है। 2 करोड़ से अधिक खर्च कर जेट विमान की सेवा लेने का फैसला शर्मनाक है। भाजपा इस पर कड़ी आपत्ति जताती है। यहां बता दें कि राज्य में जारी सियासी संशय के बीच सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के बीच लगातार सियासी बाण चल रहे हैं। दोनों पक्ष एक-दूसरे को घेरने के लिए लगातार आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। सरकार ने जो विशेष सत्र बुलाया है, इसके लिए राज्यपाल से अनुमति नहीं ली गई है। यह विशेष नियम के तहत स्पीकर से आग्रह कर आहूत किया गया है। झारखंड विधानसभा की कार्य संचालन नियमावली के नियम चार के परंतुक और नियम पंद्रह के तृतीय परंतुक के अनुसार जब तक राज्यपाल द्वारा सत्रावसान नहीं किया जाता तब तक सदन के नेता के परामर्श पर अध्यक्ष सत्र बुला सकते हैं। सूत्रों के अनुसार सरकार ने इसी नियम के तहत कैबिनेट की अनुशंसा पर सत्र के लिए स्पीकर को आग्रह किया है। बता दें कि यूपीए का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला था। राज्यपाल ने इसे आयोग के मंतव्य पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है। समझा जा रहा है कि इसी के बाद सरकार वैकल्पिक तैयारी में जुट गई है। इसी कवायद के तहत विशेष सत्र बुलाया गया है ताकि सरकार सदन का विश्वास हासिल कर सके।

आज का इतिहास

1995 : जापान में 7.2 तीव्रता के भूकंप में 5,372 लोगों की मौत।
2013 : इराक में सिलसिलेवार बम धमाकों में 33 लोगों की मौत।
1556 : स्पेन के सम्राट कैरेल ने अपने पुत्र फिलीप द्वितीय को अपना उत्तराधिकारी चुना।
1581 : ब्रिटेन में संसद ने रोमन कैथलिक ईसाइयों के खिलाफ कानून पारित किया।
1681 : महाराष्ट्र के रायगढ़ किले में छत्रपति शिवाजी के पुत्र संभाजी का भव्य राज्याभिषेक हुआ।
1769 : कलकत्ता (अब कोलकाता) के अकरा में पहली बार सुनियोजित घुड़दौड़ का आयोजन किया गया।
1901 : भारत के प्रसिद्ध राष्ट्रवादी, समाज सुधारक, विद्वान और न्यायविद महादेव गोविन्द रानाडे का निधन।
1938 : प्रख्यात बंगाली साहित्यकार शरत चंद्र चट्टोपाध्याय का निधन।
1943 : इंडोनेशिया के अंबोन द्वीप पर अमेरिकी वायुसेना का पहला हवाई हमला।
1947 : विंसेंट ऑरियल फ्रांस के राष्ट्रपति चुने गये।
1955 : पुणे में खड्गवासला राष्ट्रीय रक्षा अकादमी का औपचारिक रूप से उद्घाटन।
1966 : भारत के शिक्षाविद एवं स्वतंत्रता सेनानी साधु वासवानी का निधन।
1989 : मलयालम सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक प्रेम नजीर (मूल नाम अब्दुल खादिर) का निधन। इनके नाम सबसे अधिक 600 फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाने का विश्व रिकार्ड है।
1989 : सोवियत संघ ने मंगल ग्रह के लिए दो साल के मानव अभियान की योजना की घोषणा की।
2003 : भारतीय मूल की कल्पना चावला दूसरी अंतरिक्ष यात्रा पर रवाना।
2006 : समाजवादी नेता माइकल बैशलेट चिली की प्रथम महिला राष्ट्रपति चुनी गयीं।

अग्निपथ के बाद नीतिपथ की दरकार

> नरेंद्र मोदी सरकार ने दिसंबर 2020 में सिविल सेवा क्षमता निर्माण के राष्ट्रीय कार्यक्रम, यानी 'मिशन कर्मयोगी' की शुरूआत की थी। यह एक बहुआयामी प्रयास है, जिसमें भर्ती, प्रशिक्षण, प्रदर्शन, प्रबंधन, पुरस्कार आदि तमाम तत्व शामिल हैं। सरकार चाहे, तो सैन्य भर्ती की अपनी नई योजना जैसा प्रयास इसमें भी कर सकती है। अग्निपथ योजना के कई पहलू सिविल सेवा में भर्ती के लिए मॉडल बन सकते हैं। भारत के सबसे सम्मानित पुलिस अधिकारियों में से एक प्रकाश सिंह ने हाल ही में अखिल भारतीय सेवाओं के लिए अग्निपथ जैसी योजना बनाने की वकालत की।

बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं को मुहैया कराने में भारत मूलतः इसलिए सफल नहीं हो पा रहा, क्योंकि प्रशासनिक क्षमता की कमजोरियों को दूर करने में यह सक्षम नहीं दिख रहा। पिछले दो दशक में राजनेताओं और नीति निर्माताओं ने प्रशासनिक सुधार की जटिल समस्या को टालने का ही काम किया है। इसके बजाय उन्होंने सार्वजनिक सेवाओं को मुहैया कराने के लिए निजीकरण, सार्वजनिक-निजी भागीदारी व प्रौद्योगिकी जैसे नये-नये तरीके अपनाये। मानव-सौहार्द, कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व निधि व गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, कौशल विकास जैसी सार्वजनिक सेवाएं मुहैया कराने की कोशिश भी की गई है। हालांकि, यह सब प्रदान कराना राष्ट्र का कर्तव्य होना चाहिए, लेकिन वह ऐसा करने में असमर्थ रहा है। सार्वजनिक सेवा मुहैया कराने का यह मिश्रित मॉडल सफल रहा है, लेकिन इसमें लागत काफी ज्यादा है। नौकरशाहों की संख्या बढ़ाने व क्षमताओं को उन्नत बनाने का दबाव सिविल सेवा के ऊपर नहीं होता। बदलाव के लिए इसे तंत्र से प्रेरणा भी नहीं मिलती। कई मामलों में तो विशेष रूप से निचले स्तर की सिविल सेवा अपने हाथ खड़े कर देती है, क्योंकि लक्ष्य उसके लिए दुःसाध्य होता है। प्रेरणा, प्रशिक्षण व प्रदर्शन प्रबंधन की कमी के कारण सिविल सेवा देश के बुनियादी ढांचे को बनाये रखने के लिए अपने कुछ सेवकों पर निर्भर हो जाती है। कई सिविल सेवक निजी तौर पर असाधारण मेहनत करते भी हैं। उनको जबर्दस्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, मगर वे सुनिश्चित करते हैं कि देश कम से कम बुनियादी प्रदर्शन बेहतर करता रहे। फिर भी, यह बताने की कतई जरूरत नहीं है कि सिविल सेवा में सुधार काफी जरूरी है। नरेंद्र मोदी सरकार ने दिसंबर 2020 में सिविल सेवा क्षमता निर्माण के राष्ट्रीय कार्यक्रम, यानी 'मिशन कर्मयोगी' की शुरूआत की थी। यह एक बहुआयामी प्रयास है, जिसमें भर्ती, प्रशिक्षण, प्रदर्शन, प्रबंधन, पुरस्कार आदि तमाम तत्व शामिल हैं। सरकार चाहे, तो सैन्य भर्ती की अपनी नई योजना जैसा प्रयास इसमें भी कर सकती है। अग्निपथ योजना के कई पहलू सिविल सेवा में भर्ती के लिए मॉडल बन सकते हैं। भारत के सबसे सम्मानित पुलिस अधिकारियों में से एक प्रकाश सिंह ने हाल ही में अखिल भारतीय सेवाओं के लिए अग्निपथ जैसी योजना बनाने की वकालत की। उन्होंने 10, 25 और 30 साल की सेवा के बाद अधिकारियों की सेवा-समाप्ति की बात भी कही। यह शीर्ष स्तर पर अधिकारियों की भारी-भरकम फौज को तर्कसंगत बनायेगा व सार्वजनिक सेवा व प्रदर्शन की संस्कृति कायम करेगा। वास्तव में, केंद्र सरकार को सैन्य अधिकारियों की शॉर्ट सर्विस कमीशन और अग्निपथ योजना जैसी 'नीतिपथ योजना' शुरू करनी चाहिए। इसमें सरकार शीर्ष स्तर के पदों की संख्या बढ़ा बिना और करियर पथ को बाधित किये बिना प्रवेश स्तर पर चार गुना अधिक उम्मीदवारों की भर्ती कर सकती है। इसका अर्थ है कि अखिल भारतीय सेवाओं के लिए 600 से 1,000 उम्मीदवारों के बजाय हर साल 4,000 अधिकारी सिविल सेवा में प्रवेश कर सकेंगे। चौथे वर्ष के बाद उनके प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए उनमें से केवल 25 फीसदी को सेवा में रखा जायेगा, जिससे निचले स्तर पर कई युवा अधिकारी आयेंगे। उनको सेवा व प्रदर्शन के लिए अच्छा-खासा प्रोत्साहन दिया जायेगा और सरकार में काम करने का अनुभव भी उनको मिलेगा। शीर्ष 4,000 अखिल भारतीय रैंक धारकों की औसत गुणवत्ता निश्चय ही शीर्ष 1,000 की औसत गुणवत्ता से बहुत अलग नहीं होगी। इसलिए महज परीक्षा और साक्षात्कार के अंकों से चयन करने की तुलना में चार साल की समीक्षा अवधि सरकार को चयन का बेहतर विकल्प देगी। चौथे वर्ष के बाद केंद्रीय सिविल सेवा छोड़ने वाले करीब 3,000 अधिकारियों को राज्य सेवाओं में नियोजित किया जा सकता है, जहां आज चयन का भारी संकट है, सिविल सेवकों की कमी है और बेहतर शासन की तीव्र मांग है। रिक्तियों को भरने से सरकार कहीं अधिक प्रभावी तरीके से काम कर सकेगी। जैसे, आदित्य दासगुप्ता और देवेश कपूर का अनुमान है कि प्रखंड विकास कार्यालयों में औसतन 48 फीसदी पद रिक्त हैं और उन पर नियुक्ति करने से मनरेगा रोजगार में 10 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

■ नितिन पई

ड्रग ओवरडोज से बचे!

मैं कुछ साल पहले की बात है। इमरजेंसी में एक व्यक्ति को बेहोशी की हालत में उसकी पत्नी लेकर आई। उसने बताया की उसके पति बिजनेस में घाटा होने के कारण वह डिप्रेशन में रहने लगे थे, जिसके कारण उनको नींद नहीं आती थी। अपने डिप्रेशन और नींद न आने की वजह से वह शराब का सेवन और कई प्रकार की गोलियां खाने लगे थे। उन दिनों नींद की गोलियां तथा अन्य हानिकारक और लत लगाने वाली दवाइयां आसानी से मिल जाती थी। शराब और दवाइयों का ओवरडोज होने की वजह से वह बेहोशी की अवस्था में पहुंच गया था। बड़ी मुश्किल के बाद उनको बचाया जा सका। पर हर किसी की किस्मत इतनी अच्छी नहीं होती। आये दिन हमें समाचार पत्रों में पड़ने को मिलता है की कही न कही पंजाब के किसी कोने में कोई नशे की ओवरडोज के कारण मर गया। जिस प्रकार नित रोज नशे के लिए प्रतिबंधित ड्रग्स के खेप मिल रही है, उससे हम यह अनुमान लगा सकते है की नशे की ओवरडोज कितनी लोगो की लीला समाप्त कर रही है। इस ड्रग्स की ओवरडोज का ध्यान अंकित करने के लिए हर वर्ष 31 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय ओवरडोज जागरूकता दिवस मनाया जाता है, जो ओवरडोज को समाप्त करने के लिए एक अभियान है। यह उन लोगों को याद करने का दिन है जो ओवरडोज से मर गये हैं, और उन के परिवारों और दोस्तों के दुख को स्वीकार कर उनके दुःख में सांझा होने का है। यह अभियान ओवरडोज की रोकथाम के बारे में जागरूकता भी बढ़ाता है व ओवरडोज स्टिग्मा को खत्म करने का प्रयास करने की कोशिश है। अल्कोहल व फार्मास्युटिकल दवाओं सहित सभी दवाएं ओवरडोज का कारण बन सकती हैं। ओवरडोज तब होता है जब किसी व्यक्ति के पास उनके शरीर की तुलना में अधिक दवा या दवाओं का संयोजन होता है। कई दवाएं लेने से ओवरडोज का खतरा बढ़ जाता है, विशेषकर नींद, डिप्रेशन या मूड एलिवेटर्स जैसी जब कई दवाएं ली गई हों। अनजाने में हुई दवा-प्रेरित मौतों में ओपिओइड दवाओं का सबसे आम समूह था। ओपियोइड्स में सामान्य निर्धारित दवाएं जैसे ऑक्सीकोडोन व कोडीन, साथ ही हेरोइन जैसी अवैध दवाएं शामिल हैं। वैलियम जैसी दवाएं आम बेंजोडायजेपाइन दवाई की अधिक मात्रा में लेने से भी मौत हो सकती है। कई बार आत्महत्या के लिए इन दवाइयों को भी लोग अधिक मात्रा में ले लेते है। समय से पता लगने पर इन को बचाया जा सकता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 2017-19 से ड्रग ओवरडोज के कारण 2,300 से अधिक लोगों की मौत हुई, जिसमें 30-45 वर्ष के आयु वर्ग में इस तरह की सबसे अधिक मौतें दर्ज की गई। इस तरह की मौतों से उन को बचाया जा सकता है अगर हम ड्रग ओवरडोज के लक्षण को पहचान कर शीघ्र उनका इलाज करे। **ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं**

■ डॉ अश्वनी कुमार मल्होत्रा

मुफ्त रेवड़ियां बांटने पर कैसे लगे रोक

मार्च 2021 में, तमिलनाडु के मदुरै दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार थुलम सरवनन ने जनता के सामने असाधारण चुनावी भेंट की पेशकश की। मसलन, हर घर के लिए 1 करोड़ रुपये, घर की सफाई के लिए हर गृहिणी को एक रोबॉट, नया कारोबार शुरू कर रहे युवाओं को एक करोड़ रुपये, हर घर-परिवार को कार खरीदने के लिए 20 लाख रुपये, चांद की 100 दिन की यात्रा, लोगों को सैर-सपाटे और मनोरंजन के लिए 300 फुट का कृत्रिम ग्लेशियर आदि। इतने सारे मेगा वादे के बावजूद वह चुनाव हार गये। हालांकि उनके वादे सत्ता में आने की होड़ में लगे प्रमुख राजनीतिक दलों के वादों से बहुत दूर या अलग भी नहीं थे। आज तमाम राजनीतिक दल मुफ्त रेवड़ी की बात कर रहे हैं। लेकिन यह आज शुरू नहीं हुआ। 1967 में डीएमके के संस्थापक सीएन अन्नादुरई ने वादा किया था कि अगर उनकी पार्टी चुनी जाती है तो लोगों को एक रुपये में 4.5 किलो चावल का बैग मिलेगा। उनके अभियान ने पार्टी को जीत दिलाई। विडंबना यह रही कि पार्टी अपना वादा निभाने में नाकाम रही और एक रुपये में एक किलो चावल देने की योजना भी समाप्त हो गई। लेकिन यह प्रवृत्ति जारी रही। समय के साथ इसका विस्तार हुआ और बात चावल से आगे मुफ्त गैस स्टोव, रंगीन टीवी, लैपटॉप, घरेलू काम के लिए भुगतान आदि देने तक आ गई। आज यह प्रवृत्ति दलों और राज्यों की सीमा को पार कर गई है। दिल्ली सरकार शहर के मतदाताओं को एक तय सीमा तक पानी और बिजली मुफ्त दे रही है। हिमाचल सरकार स्थानीय लोगों को 150 यूनिट तक मुफ्त बिजली, गांवों में मुफ्त पानी और महिलाओं के लिए बस किराये में 50 फीसदी की छूट दे रही है। असम सरकार ने 6,000 करोड़ रुपये की प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नकद लाभ योजनाओं की घोषणा की है। इनमें नौ लाख लाभार्थियों को दो महीने के लिए 30 यूनिट तक मुफ्त बिजली, 17 लाख सीमांत आय वाले परिवारों को 830 रुपये के प्रत्यक्ष हस्तांतरण और दो लाख युवाओं को अपना कारोबार शुरू करने के लिए 50-50 हजार रुपये प्रदान करने जैसी योजनाएं हैं। **कल्याणकारी राज्य :** क्या इस तरह की मानसिकता से कल्याणकारी राज्य की स्थापना का मकसद खतरे में नहीं आ जायेगा? अलबत्ता, बात पश्चिम की करें या आजादी के बाद से भारत की, इसमें कोई संदेह नहीं कि एक राजनीतिक दर्शन के रूप में कल्याणवाद की जड़ें खासी गहरी हैं। हमारी राजनीतिक अर्थव्यवस्था ऐसी योजनाओं से भरी हैं - चाहे कोई उन्हें मुफ्त की रेवड़ी, कर्जमाफी या रियायत कहे या प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण। हर साल, केंद्र और राज्य सरकारें आम नागरिकों को एलपीजी सिलिंडर जैसे निजी उपयोग के सामान के वितरण का विस्तार करती हैं। इनके लिए सब्सिडी दी जाती है और कुछ मामलों में पूरी लागत सरकार कवर करती है।क्या ऐसी नीतियों की ओर मुड़ने का आशय यह है कि भारतीय नीति-निर्माताओं ने गरीबी और असमानता से निपटना छोड़ दिया है? दरअसल, सार्वजनिक संपत्ति, सामाजिक क्षमता निर्माण पर जोर देने के बजाय, भारत के नीति-निर्माताओं ने प्रत्यक्ष हस्तांतरण की ओर रुख करते हुए कल्याणवाद की राह पकड़ी है। समय के साथ इस तरह के वादों के बड़े आर्थिक नतीजे भी सामने आए हैं। कई राज्यों को हाल ही में घोषित मुफ्त के आश्वासन पूरे करने के लिए धन जुटाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। मसलन, आंध्र प्रदेश ने मौजूदा वित्त वर्ष में जिन मुफ्त उपहारों की घोषणा की, उसके लिए उसे अपने कर राजस्व का 30.3 फीसदी खर्च करना होगा। मध्य प्रदेश के लिए यह आंकड़ा 28.8, पंजाब के लिए 45.4 और पश्चिम बंगाल के लिए 23.8 फीसदी है। पिछले पांच वर्षों में बैंकों ने 10 लाख करोड़ रुपये के ऋण को बट्टे खाते में डाल दिया है। ऐसे एनपीए राइट-ऑफ में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी आमतौर पर पिछले एक दशक में 60-80 फीसदी के बीच है। **हर योजना रेवड़ी नहीं :** वैसे हर योजना या घोषणापत्र के वादे मुफ्त की रेवडियां नहीं हैं। मिड-डे मील योजना के तहत छात्रों के लिए स्कूलों में मुफ्त भोजन को मुफ्तखोरी के नजरिये से वर्गीकृत नहीं किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य, देखभाल व शिक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्रों से जुड़ी ऐसी किसी भी योजना को रेवड़ी संस्कृति के तौर पर नहीं देखा जा सकता। अलबत्ता, इस दिशा में कुछ बुनियादी सुधार की दरकार जरूर है। सबसे पहले केंद्र या राज्य सरकारों को मुफ्त की घोषणाएं पूरी करने के लिए एक वित्त पोषण योजना बनानी होगी। संसद विधानसभा की बजटीय समझ को बढ़ाने और इस लिहाज से कार्य करने की उनकी क्षमता को बढ़ाने के लिए एक बजट कार्यालय की स्थापना होनी चाहिए, जो संबंधित नीतियों को ड्राफ्ट करने और और उनका बजटीय विश्लेषण करने में मददगार हो। किसी भी योजना को जरूरी या फ्रीबी के रूप में वर्गीकृत करने में अंतर्निहित कठिनाई को देखते हुए सरकारों को प्रमुख वित्तीय संकेतकों के लिए वैधानिक रूप से बाध्य होना चाहिए।

■ वरुण गांधी

धर्म दर्शन

श्री मद्देवी भागवतमाहात्म्यम्

अथ प्रथमोऽध्यायः

सबपर शासन करनेवाली ये कल्यामयी देवी सम्पूर्ण लोकों तथा देवताओंका भी उत्पन्न करनेवाली हैं। ये देवी तीनों गुणोंसे युक्त है, फिर भी ये विशेषरूपसे तामोगुण युक्त और सभी प्रकारकी शक्तियोंसे सम्पन्न हैं। ये अजेय, विनाशरहित, नित्य, सर्वज्ञ तथा सदा विराजमान रहती हैं। वेदमाता गायत्री और सन्ध्याके रूपमें प्रतिष्ठित ये देवी निर्गुण तथा सगुण-रूपवाली, स्वयं सिद्धिस्वरूपिणी, सम्पूर्ण सिद्धियोंको देनेवाली, गौरी नामसे विख्यात तथा देवताओंको अभय प्रदान करनेवाली है।। 20-22।।

हे महाराज! ऐसा जानकर आप इनके साथ वैरभावका परित्याग कर दीजिये। हे राजेन्द्र! आप इनकी शरणमें चले जाइये; ये भगवती आपकी रक्षा करेंगी। आप इनके सेवक बन जाइये। [और इस प्रकार] अपने कुलका जीवन बचा लिजिये; मरनेसे बचे हुए जो दैत्य हैं, वे भी दीर्घजीवी हो जायं।। 23-24।।

व्यासजी बाले- उनका यह वचन सुनकर देवासेनाक मर्दन करनेवाले शुम्भ महान् वीरोंके पराक्रम-गुणसे सम्पन्न यथार्थ वचन कहना आरम्भ।। 25।।

शुम्भ बोला- अरे मूर्खो! चुप रहो; तुमलोग युद्धभूमिसे भाग आये हो। तुम्हें यदि जीवित रहनेकी प्रबल अभिलाषा है तो तुम सब अभी पातालल्लोक चले जाओ।। 26।।

जब यह सारा संसार ही दैवके अधीन है, तब विजयके सम्बन्धमें मुझे क्या चिन्ता हो सकती है? जैसे हमलोग दैवके अधीन हैं, वैसे ही ब्रह्मा आदि देवता भी सदा दैवके अधीन रहते हैं। ब्रह्मा, विष्णु, महेश, यम, अग्नि, वरूण, सूर्य, चन्द्र और इन्द्र-ये सब देवता सदा दैवके अधीन है। हे मूर्खो! तब मुझे किस बातकी चिन्ता? जो होना होगा, वह तो होकर रहेगा। जैसी भवितव्यता होती है, उसी प्रकार उद्यम भी आरम्भ हो जाता है। सब प्रकारसे ऐसा विचार करे विद्वान् लोग कभी शोक नहीं करते। ज्ञानी लोग मृत्युके भयसे अपने धर्मका त्याग नहीं करते।। 27-30।।

समय आनेपर दैवकी प्रेरणासे मनुष्योंको सुख, दुःख, आयु, जीवन तथा मरण-ये सब निश्चितरूपसे प्राप्त होते हैं, अपना-अपना समय पूरा हो जानेपर ब्रह्मा, विष्णु और महेश भी नष्ट हो जाते हैं। इन्द्रसहित सभी देवता भी अपनी आयुके अन्तमें विनाशको प्राप्त होते हैं। उसी प्रकार मैं भी सर्वथा कालका वशवर्ती हूं। अतः अब मुझे विनाश अथवा विजय जो भी प्राप्त होगी, उसे मैं अपने धर्मका सम्यक् पालन करते हुए स्वीकार करूंगा।। 31-33।।

जब इस स्त्रीने मुझे युद्धके लिये ललकारहै, तब [उसके भयसे] भागकर मैं सगड़ो वर्ष जीवित रहनेकी आशा क्यों करूं? मैं आज ही उसके साथ युद्ध करूगा, फिर जो होना है वह होवे! युद्धमें विजय अथवा मृत्यु जो भी प्रदान प्राप्त होगी, उसे मैं स्वीकार करूंगा।। 34-35।।

- क्रमशः

संपादक के नाम पाठकों की पाती

जल ही जीवन है

जल ही जीवन है ,जल है तो कल है' भविष्य के लिए पानी बचाएं' लेकिन पानी की बर्वादी उतना ही हो रहा है। शहर के सप्लाई नल का टोटी टूटने से प्रतिदिन सुबह शाम हजारों लीटर पानी की बर्बाद हो रही है। वार्डों में लगाए गए अधिकांश सार्वजनिक नलों की टोटी टूटी है या फिर पूरा नल ही गायब है। लोग प्लास्टिक पाइप लगाकर या फिर अन्य जुगाड़ से काम चला रहे हैं। यदि इसी तरह से पानी की बबार्दी जारी रही तो आने वाले समय में शहर में गंभीर पेयजल संकट हो सकता है। शहर के 35 वार्डों में लगे अधिकांश सार्वजनिक नलों में टोटी नहीं हैं। जिसकी वजह से प्रतिदिन सुबह से शाम तक हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह जाता है। इस ओर न तो निगम ध्यान दे रहा है और न ही शहरवासी। पानी बचाव के लिए कई मुहावरे जो हर रोज शासन-प्रशासन आम आदमी तक पहुंचाता है। यह सभी वाक्य हर रोज व्यक्ति किसी न किसी प्रकार देख व सुन रहा है, लेकिन इनका पालन न ही जिला प्रशासन कर रहा है और न ही आम नागरिक। मोहल्ले में लगे नलों की टोटी टूटने के बाद ना तो उन्हें सुधारा गया और न ही इसकी लोगों ने कभी शिकायत निगम व संबंधित विभाग से की है। वार्डों के अधिकतर नलों में पाइप नहीं होने से लोग प्लास्टिक पाइप लगाकर काम चला रहे हैं। इससे पानी व्यर्थ बहने से आसपास पानी का जमाव होता है जो कि धीरे-धीरे बीमारियों का कारण बनता है। वहीं मोहल्ले में इस कारण गंदगी भी फैलती है। इसकी वजह से मच्छरों का प्रकोप भी दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। जिसकी वजह से लोगों की परेशानियां और भी बढ़ती ही जा रही हैं। मै लोकप्रिय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राष्ट्रीय नवीन मेल के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि जहां भी पानी की बर्वादी हो रही है।

■ विमल कुमार मेदिनीनगर।

जमीनी प्रयास हुए तो पारंपरिक भारतीय खेलों के दिन फिरेंगे

पिछली पीढियों ने बहुत से ऐसे पारंपरिक खेल खेले हैं, जिन्हें खेलों की प्रचलित दुनिया में शायद खेल नहीं माना जाता। कंकड़ों से गिट्टू, लंगड़ी टांग, चोर-सिपाही, खो-खो, जिसमें यही गाते हुए बच्चे दौड़ते थे, कोड़ा जमाल शाही, पीछे देखा आफत आई। लेकिन बच्चों की दुनिया में वक्त के साथ बदलाव आया। स्कूलों में फुटबॉल, टेनिस, बैडमिंटन, क्रिकेट खेले जाने लगे। इनकी अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का सीधा प्रसारण भी होने लगा। तकनीक के बदलाव के साथ वीडियो गेम्स, कंप्यूटर गेम्स ने बच्चों की दुनिया में जगह बनाई और वे तमाम घरेलू खेल जिन्हें बच्चे खेलते थे, बच्चों की दुनिया से एक तरह से विदा हो गये। बहरहाल, अब समय बदल गया है। भारतीय स्कूलों की गतिविधियों में 75 उन भारतीय खेलों का श्रीगणेश होगा, जिन्हें इस देश में पीढियों से खेला गया है। भगवान गणेश व अन्य देवताओं से जुड़े गुल्ली-डंडा या अन्य पारंपरिक खेलों के प्रसंग अक्सर सुने-सुनाये जाते रहे हैं। मुंशी प्रेमचंद की एक कहानी है गुल्ली-डंडा, जिसकी पंक्तियां हैं, 'विलायती खेलों में सबसे बड़ा ऐब है कि उसके सामान महंगे होते हैं। जब तक कम से कम एक सैकड़ा न खर्च कीजिये, खिलाड़ियों में शुमार ही नहीं हो पाता। यहां गुल्ली-डंडा है कि बिना हर्र-फिटकरी के चोखा रंग देता है; पर हम अंग्रेजी चीजों के पीछे ऐसे दीवाने हो रहे हैं कि अपनी सभी चीजों से अरुचि हो गई है।' पारंपरिक खेलों को चलन में लौटाने की कोशिश सराहनीय है। इन खेलों को शामिल करने के जो प्रमुख कारण बताये जा रहे हैं, वे हैं- बच्चों में सामूहिकता की भावना बढ़ाना, ज्यादा से ज्यादा शारीरिक गतिविधियां और अपनी संस्कृति से परिचित कराना। सच है, इन स्थानीय खेलों को खेलने में कोई खास खर्च भी नहीं आता, क्योंकि ये खेल स्थानीय साधनों से ही खेले जा सकते हैं। अपने बच्चों को उनकी सांस्कृतिक विरासत, जिसमें खेल भी शामिल हैं, बताने की जरूरत है। यह भी कहा जा रहा है कि खेलों से देश की एकता भी बढ़ेगी। लोगों को इन खेलों को फिर से मुख्यधारा के जीवन में शामिल करना पसंद भी आयेगा। इंडियन ट्रेडिशनल गेम्स फेस्टिवल, सिंगापुर में हर साल होता है। इसकी परिकल्पना का उद्देश्य था, भारत के पारंपरिक खेलों के बारे में जागरूकता पैदा करना और दुनिया को इनके बारे में बताना। यह फेस्टिवल पिछले आठ सालों से सिंगापुर में आयोजित किया जा रहा है। पहले पहले इसमें करीब तीन सौ प्रतिभागियों ने भाग लिया था, पर अब इनकी संख्या ढ़ाई हजार से ऊपर जा पहुंची है। इन पारंपरिक खेलों में किसी भी तरह के महंगे उपकरण अथवा ड्रेस कोड की कोई जरूरत नहीं होती है। इसलिए इन्हें गरीब-अमीर कोई भी खेल सकता है। बच्चे पारंपरिक खेलों को किस तरह अच्छे से अच्छा खेलें, इसके लिए वे अपने घर के बड़ों से भी मदद ले सकते हैं, क्योंकि उन्होंने भी अपने बचपन में इन खेलों को खूब खेला होगा। यह भी कहा गया कि बहुत से स्कूलों में फुटबॉल या बास्केटबॉल खेलने की सुविधाएं अगर न भी हो, तब भी अपने इन पारंपरिक खेलों को बच्चे खेल सकते हैं और स्वस्थ रह सकते हैं। वे खुद-ब-खुद जीत-हार की रणनीति बना सकते हैं। ये खेल एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक अपने आप ही पहुंचते रहे हैं। इन खेलों में किसी तरह का भेदभाव भी नहीं होता। ये खेल शिक्षा को न केवल भारतीयता से जोड़ेंगे, बल्कि अपनी भरी-पूरी सांस्कृतिक विरासत को नये सिरे से समृद्ध करेंगे। इन खेलों को भारतीय ज्ञान की व्यवस्था (इंडियन नॉलेज सिस्टम) के अंतर्गत प्रचारित किया जायेगा। हालांकि, कहीं यह कवायद कागजी ही न रह जाय। इस नई योजना को जमीनी स्तर पर लागू करना आसान नहीं होगा। इसे आसान बनाने के लिए खेल शिक्षकों को भी प्रशिक्षित करना पड़ेगा। अभी पूरा जोर क्रिकेट, हॉकी या फुटबॉल पर होता है, लेकिन अब खेल शिक्षकों की जिम्मेदारी बढ़ जायेगी। पारंपरिक खेलों की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी बढ़ाना पड़ेगा। कल शायद इन खेलों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शामिल कर लिया जाए और मुमकिन है कि गुल्ली-डंडा भी एशियाई खेलों या ओलंपिक में खेला जाए। भारत का सम्मान बढ़े, वह दिन सचमुच कितना अच्छा होगा! **(ये लेखिका के अपने विचार हैं)**

■ क्षमा शर्मा

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पब्लिकेशन डिवीजन रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं-13 । प्रधान संपादक : **सुरेश बजाज,** संपादक : **हर्षवर्द्धन बजाज,** स्थानीय संपादक : **ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय** : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, **फोन नम्बर : 07759972937,** 06562-240042/ 222539, **फैक्स नम्बर** : 06562-241176/231257, **रांची कार्यालय :** 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, Ph. 0651-2283384/Fax 0651-2283386, **दिल्ली कार्यालय :** 25-LF, तानसेन मार्ग, नयी दिल्ली-1, **गढ़वा कार्यालय :** मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, **लातेहार कार्यालय :** रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार-829206, फोन : 9128656020, 7763034341, **लोहरदगा कार्यालय :** रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्पलेक्स लोहरदगा-फोन : 7903891779, 8271983099, **ई-मेल :** rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

68,000 से अधिक गांवों में जांच 3.82 लाख लोगों में पाई गई टीबी

केंद्र सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय तथा टीबी प्रभाग ने 24 अगस्त को राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान (एनटीआरआई), नई दिल्ली में 'जनजातीय टीबी पहल' के तहत 100 दिवसीय आश्वासन अभियान की विशेषताओं का प्रचार करने के लिए एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। 'जनजातीय टीबी पहल' जनजातीय कार्य मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय के केंद्रीय टीबी प्रभाग की एक संयुक्त पहल है, जिसे यूएसएआईडी द्वारा एक तकनीकी भागीदार और पीरामल स्वास्थ्य द्वारा कार्यान्वयन भागीदार के रूप में समर्थन प्राप्त है।

देशभर के 68,000 से अधिक गांवों में घर-घर जाकर 1 करोड़ से अधिक लोगों की टीबी की जांच की गई है। 1 करोड़ लोगों में से 3,82,811 लोगों में टीबी पाई गई है। भारत के 174 जनजातीय जिलों में टीबी के सक्रिय मामलों का पता लगाने के लिए यह खास अभियान इस वर्ष 7 जनवरी को शुरू किया गया। इसे महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में शुरू किया गया था। इस पहल के तहत कुल 68,019 गांवों में टीबी की घर-घर जाकर जांच की गई। 1 करोड़ 3 लाख से अधिक व्यक्तियों की मौखिक जांच के आधार पर 3,82,811 लोगों में टीबी होने की पहचान की गई थी। इनमें से 2,79,329 (73 प्रतिशत) नमूनों की टीबी के लिए जांच की गई और 9,971 लोग टीबी के लिए पॉजिटिव पाए गए जिनका भारत सरकार के प्रोटोकॉल के अनुसार इलाज किया गया।

केंद्र सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय तथा टीबी प्रभाग ने 24 अगस्त को राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान (एनटीआरआई), नई दिल्ली में 'जनजातीय टीबी पहल' के तहत 100 दिवसीय आश्वासन अभियान की विशेषताओं का प्रचार करने के लिए एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। 'जनजातीय टीबी पहल' जनजातीय कार्य मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय के केंद्रीय टीबी प्रभाग की एक संयुक्त पहल है, जिसे यूएसएआईडी द्वारा एक तकनीकी भागीदार और पीरामल स्वास्थ्य द्वारा कार्यान्वयन भागीदार के रूप में समर्थन प्राप्त है।

जनजातीय कार्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव, डॉ. नवलजीत कपूर ने कहा कि आश्वासन अभियान लगभग 2 लाख सामुदायिक प्रभावशाली व्यक्तियों को एक मंच पर लाया है, जिन्होंने इस अभियान को सफल बनाने के लिए भाग लिया। इनमें आदिवासी नेता, आदिवासी उपचारकर्ता, पीआरआई सदस्य, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) और आदिवासी क्षेत्रों के युवा शामिल हैं, जो जांच (स्क्रीनिंग) प्रक्रिया और सामुदायिक जागरूकता के इस अभियान का हिस्सा थे।

विवेकानंद गिरी, डीडीजी केंद्रीय टीबी डिवीजन ने सीटीडी की जनजातीय टीबी पहल प्रस्तुत की। एडीजी डॉ. रघुराम राव ने कहा कि केंद्रीय टीबी प्रभाग टीबी से निपटने लिए जनजातीय समुदायों के साथ मिलकर काम करने का इच्छुक है। आश्वासन अभियान के माध्यम से जो डेटा सामने आया है, उसके साथ सीटीडी टीबी के प्रमुख केंद्रों का मानचित्रण करेगा और उसका शुरूआती बिंदु के रूप में उपयोग करेगा। भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर, 75 अधिक बोझ वाले जनजातीय जिलों को आगामी महीनों में ध्यान केंद्रित करने के लिए चुना गया है। ऐसे 75 जिलों के लिए एक त्रिस्तरीय रणनीति प्रस्तुत की गई है। इसके तहत समुदाय को एकजुट करने, टीबी लक्षणों, प्रसार और उपचार प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथा इस कलंक को मिटाने और टीबी से जुड़े भय को दूर करने के लिए इस प्रक्रिया के दौरान शामिल किए गए हैं। सामुदायिक प्रभावकों के साथ निरंतर जुड़ाव के माध्यम से टीबी सेवाओं की मांग का सृजन करना भी उद्देश्य है।

आगे के मार्ग के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. शोभा एक्का, चीफ ऑफ पार्टी, पीरामल स्वास्थ्य, जनजातीय टीबी पहल ने कहा कि पीरामल स्वास्थ्य भारत में रहने वाले लाखों आदिवासी लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए मजबूती के साथ प्रतिबद्ध है और इसका यह मानना है कि भारत को टीबी मुक्त बनाने के लिए टीबी मुक्त जनजातीय समुदाय प्रमुख आधारशिला हैं।

खून पतला करने के लिए डाइट में शामिल करें ये फूड्स

कई बार फैट जमने के कारण नसों में खून का थक्का या ब्लड क्लॉट बन जाता है। ब्लड क्लॉट शरीर के किसी भी हिस्से में बन सकता है।जब मस्तिष्क, फफड़ों या हृदय में ब्लड क्लॉट बनने लगता है तो इससे ब्लड सकुर्लेशन ठीक से नहीं हो पता है जिसके कारण हार्ट अटैक या ब्रेन स्ट्रोक का कारण बनता है। हमारे शरीर में हृदय से शरीर के अन्य हिस्सों तक खून पहुँचाने का काम रक्त धमनियाँ करती हैं। कई बार शरीर में खून पहुँचाने वाली नसों में फैट जम जाता है जिसे एथेरोस्कलोरिस भी कहते हैं। कई बार फैट जमने के कारण नसों में खून का थक्का या ब्लड क्लॉट बन जाता है। ब्लड क्लॉट शरीर के किसी भी हिस्से में बन सकता है। जब मस्तिष्क, फफड़ों या हृदय में ब्लड क्लॉट बनने लगता है तो इससे ब्लड सकुर्लेशन ठीक से नहीं हो पता है जिसके कारण हार्ट अटैक या ब्रेन स्ट्रोक का कारण बनता है। खून को पतला करने के लिए ब्लड थिनर्स का इस्तेमाल किया जाता है। हालाँकि, कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ होते जो खून को पतला करने में मदद करते हैं।

लहसुन : खून पतला करने के लिए लहसुन का सेवन भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। लहसुन के सेवन से शरीर में ब्लड प्रेशर कम करने में मदद मिलती है और ब्लड सकुर्लेशन बेहतर बनता है। लहसुन में एंटीथ्रॉम्बोटिक गुण होते हैं को शरीर में खून के थक्के जमने से रोकने में मदद करता है। लहसुन खून को पतला करके प्लेटलेट काउंट को बेहतर करने में भी मदद करता है।

दालचीनी : खून को पतला करने के लिए दालचीनी का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद माना जाता है। दालचीनी में मौजूद कौमारिन नामक तत्व में खून को पतला करने वाले गुण होते हैं। दालचीनी के सेवन से शरीर में रक्त का संचार बेहतर तरीके से होता है। हालांकि, ज्यादा मात्रा में कौमारिन का इस्तेमाल लिवर पर नकारत्मक प्रभाव डाल सकता है। इससे लिवर को हानि हो सकती है। इसलिए दालचीनी का इस्तेमाल सीमित मात्रा में ही करना चाहिए।

हल्दी : हल्दी को आयुर्वेद में औषधीय गुणों का खजाना माना गया है। हल्दी में कई गुण मौजूद होते हैं जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। हल्दी में कुरकुमिन नामक पदार्थ पाया होता है, जो खून को पतला करके ब्लड क्लॉट को रोकने का काम करता है।

अदरक : अदरक को स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी माना गया है। खून को पतला करने के लिए अदरक का सेवन बहुत फायदेमंद माना गया है। इसमें सैलिसिलेट नाम तत्व मौजूद होता है जो ब्लड क्लॉट को रोकने में मदद कर सकता है। अदरक ब्लड क्लॉट को जमने से रोकता है और शरीर में सूजन को कम करने में मदद करता है।

मछली का तेल : मछली का सेवन हमारे स्वास्थ्य के लिए कई तरह से लाभकारी होता है। मछली में ओमेगा-3 फैटी एसिड ईपीए और डीएचए होता है जो खून को पतला करने में मदद करते हैं। ईपीए और डीएचए ब्लड शरीर में ब्लड क्लॉट बनने से रोकने में मदद करते हैं। आप मछली को अपने आहार में शामिल कर सकते हैं या मछली के तेल का कैप्सूल भी ले सकते हैं।

तुलसी व गिलोय से कंट्रोल हो सकती है थैलेसीमिया की बीमारी

आयुर्वेद के अनुसार, कुछ घरेलू उपचारों से थैलेसीमिया को नियंत्रित किया जा सकता है। इन सरल उपायों से आप थैलेसीमिया की बीमारी को कंट्रोल कर सकते हैं। थैलीसीमिया एक अनुवांशिक बीमारी है, जो मां-बाप से बच्चों को अनुवांशिक तौर पर मिलती है। इस बीमारी में रोगी बच्चे के शरीर में रक्त की भारी कमी होने लगती है।

थैलेसीमिया की बीमारी में खून की कमी के कारण हीमोग्लोबिन नहीं बन पाता है। जिसकी वजह से बाहरी खून चढ़ाने के लिए अस्पताल ले जाना पड़ता है। आयुर्वेद के अनुसार, कुछ घरेलू उपचारों से थैलेसीमिया को नियंत्रित किया जा सकता है। इन सरल उपायों से आप थैलेसीमिया की बीमारी को कंट्रोल कर सकते हैं। थैलीसीमिया एक अनुवांशिक बीमारी है, जो मां-बाप से बच्चों को अनुवांशिक तौर पर मिलती है। इस बीमारी में रोगी बच्चे के शरीर में रक्त की भारी कमी होने लगती है। जिसके कारण उसे बार-बार बाहर ही खून चढ़ाने की जरूरत पड़ती है। इस रोग की पहचान बच्चे में जन्म से 3 महीने के बाद ही हो पाती है। थैलेसीमिया की बीमारी में खून की कमी के कारण हीमोग्लोबिन नहीं बन पाता है। जिसकी वजह से बच्चों को बाहरी खून चढ़ाने के लिए अस्पताल ले जाना पड़ता है। बार-बार खून चढ़ाने के कारण मरीज के शरीर में अतिरिक्त लौह तत्व जमा होने लगता है, दिल में पहुंचकर जानलेवा साबित होता है। डॉक्टर्स के मुताबिक एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में लाल रक्त कण की उम्र करीब 120 दिनों की होती है। लेकिन थैलेसीमिया से पीड़ित रोगी के शरीर में लाल रक्त कण सिर्फ 20 दिनों में ही खत्म हो जाते हैं। इस वजह से शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है और अतिरिक्त एनीमिया का शिकार हो सकता है।

थैलेसीमिया के लक्षण हैं : बार बार बीमार होना, सर्दी जुकाम होना, हर वक्त कमजोरी महसूस होना, आयु के अनुसार शारीरिक विकास न होना, शरीर में पीलापन होना, सांस लेने में तकलीफ होना

दांत बाहर की होना, पेट में सूजन

डार्क यूरीन।

आयुर्वेद के अनुसार, कुछ घरेलू उपचारों से थैलेसीमिया को नियंत्रित किया जा सकता है। इन सरल उपायों से आप थैलेसीमिया की बीमारी को कंट्रोल कर सकते हैं।

तुलसी का रस : थैलेसीमिया की बीमारी में तुलसी के रस का सेवन करना बहुत फायदेमंद माना जाता है। तुलसी में कई आयुर्वेदिक गुण पाए जाते हैं जो इस बीमारी के इलाज में सहायक होते हैं। इसके लिए रोजाना चार से पांच चम्मच ताजा तुलसी के रस का सेवन करें।

पत्तेदार साग : थैलेसीमिया की बीमारी में गहरे रंग के पत्ते का साग और कम वसा वाले पौधे आधारित चीजों का सेवन करना भी फायदेमंद माना जाता है। थैलेसीमिया के इलाज में फोलिक एसिड युक्त भोजन जैसे दाल, केला, चुकंदर और शकरकंद खाने से फायदा होता है।

गिलोय : आयुर्वेद में गिलोय को अमृत समान माना गया है। गिलोय का सेवन करने से थैलेसीमिया के रोग का इलाज करने में मदद मिलती है। इसमें रोग प्रतिरोधक गुण मौजूद होते हैं जो रक्त विकारों का इलाज करने में सहायक हैं। थैलेसीमिया की बीमारी में रोजाना गिलोय रस का सेवन करने की सलाह दी जाती है।

❖ प्रिया मिश्रा

दांतों के पीलापन व दर्द से मिलेगा छुटकारा, बस अपनाना होगा ये नुस्खा

कई बार लोगों को मसूड़ों के दर्द से बेहद परेशान होना पड़ता है। ऐसे में मसूड़ों के दर्द और सूजन को कम करने के लिए एवम इससे छुटकारा पाने के लिए आप सरसों के तेल में नमक मिलाकर लगा सकते हैं। लेकिन अगर मसूड़ों में सूजन है, तो ब्रश का इस्तेमाल ना करें। ऐसा कोई नहीं होगा जो सफेद और चमकदार दांत नहीं चाहता हो। दांतों को साफ-सुथरा, बैक्टीरिया फ्री रखने के लिए हम लोग तरह-तरह के टूथपेस्ट का इस्तेमाल करते हैं। आपको बता दें कि कुछ टूथपेस्ट इन दिक्कतों को दूर करने में मददगार होते हैं। लेकिन कई टूथपेस्ट दांतों को अच्छे तरिकेसे साफ नहीं कर पाते हैं। ऐसे में दांतों में पीलापन जमने लगता है, जिसकी वजह से व्यक्ति को शर्मिंदगी महसूस होती है। ऐसे लोग खुलकर हंस भी नहीं पाते हैं। ऐसे में अगर आप चाहें तो दांतों के पीलेपन से छुटकारा पाने के लिए कुछ घरेलू उपाय आजमा सकते हैं।

दांतों के पीलापन दूर करने के लिए उपाय : आप सरसों के तेल में नमक मिलाकर मंजन यानी ब्रश करें। ऐसा करने से दांतों के पीलेपन से छुटकारा मिल सकता है। वैसे तो सरसों का तेल बालों और सेहत के लिए अति लाभकारी होता है, लेकिन ये दांतों के लिए भी काफी असरदार माना जाता है। सरसों के तेल में नमक डालकर मंजन करने से दांतों और मसूड़ों से जुड़ी कई समस्याएं समाप्त हो जाती है। आपको बता दें कि सरसों का तेल दांतों पर एक नैचुरल क्लींजर की ही तरह काम करता है। जिससे दांतों की सफाई होने के साथ गंदगी दूर होती है और दांतों के पीलेपन से आपको जल्दी छुटकारा मिल जाता है।

मसूड़ों के दर्द से राहत के लिए उपाय : कई बार लोगों को मसूड़ों के दर्द से बेहद परेशान होना पड़ता है। ऐसे में मसूड़ों के दर्द और सूजन को कम करने के लिए एवम इससे छुटकारा पाने के लिए आप सरसों के तेल में नमक मिलाकर लगा सकते हैं। लेकिन अगर मसूड़ों में सूजन है, तो ब्रश का इस्तेमाल ना करें। आप उंगुली से इस पेस्ट को मसूड़ों और दांतों पर धीरे-धीरे लगा सकते हैं। सरसों का तेल मसूड़ों को काफी मजबूत बनाता है।

बैक्टीरिया दूर करने के लिए उपाय : कई लोगों को प्लाक से काफी परेशानी होती है। प्लाक बैक्टीरिया की वजह से ही बनता है। प्लाक में दांतों के बाहरी परत धीरे-धीरे खराब होने लगती है, जिससे दांतों में सड़न भी शुरू होने लगती है। ऐसे में सरसों का तेल आपके लिए लाभदायक हो सकता है। सरसों का तेल बैक्टीरिया को साफ करने में मददगार होता है, ऐसा करने से मसूड़ों से खून आना भी बंद हो जाता है। दांतों से प्लाक हटाने के लिए आप सरसों के तेल में नमक मिलाकर मंजन या ब्रश कीजिए, आपको इसका सकारात्मक परिणाम अवश्य नजर आएगा।

कैविटी से आराम मिलने का उपाय : अधिकांश लोग कैविटी की समस्या से जूझते हैं। कैविटी का मतलब है दांत में कीड़े लगना। ज्यादा मामलों में यह बीमारी दांतों की सही से सफाई न करने की वजह से होती है। अगर आपको भी कैविटी की दिक्कत है, तो आप सरसों के तेल में नमक मिलाकर अवश्य मंजन करें। ऐसा करने से दांतों से बैक्टीरिया दूर होंगे, कीड़े खत्म होंगे और कैविटी से त्वरित आराम मिलेगा।

सरसों के तेल और नमक से मंजन कैसे करें? : इसके लिए आप एक चम्मच में फूल चम्मच सरसों का तेल रखिए। अब इसमें थोड़ा सा नमक डालिएगा। आप चाहें तो इसमें चुटकी भर हल्दी भी मिला सकते हैं। अब इसका पेस्ट बनाइए और इस पेस्ट से मंजन करिए। उंगुली की मदद से इसे दांतों पर धीरे-धीरे लगाना सबसे बढ़िया रहेगा। ऐसा करने से आपको दांतों और मसूड़ों से जुड़ी समस्याओं से जल्द ही छुटकारा मिल सकता है। आपको बता दें कि सरसों के तेल में नमक मिलाकर ब्रश करना ओरल हेल्थ के लिए भी काफी बढ़िया साबित हो सकता है। सरसों के तेल और नमक के मिश्रण से मंजन करने से दांतों के पीलेपन से आपको अवश्य छुटाकरा मिलेगा। इससे कैविटी, प्लाक और मसूड़ों के दर्द को भी जल्द से ठीक किया जा सकता है।

❖ मृगेंद्र प्रताप सिंह

तेज दिमाग व तंदुरुस्त शरीर के लिए घर पर बनाएं प्रोटीन पाउडर

कई बार बच्चे खाने में आनाकानी करते हैं, जिससे उनमें प्रोटीन की कमी हो जाती है। आजकल बाजार में कई तरह के प्रोटीन सप्लीमेंट्स मौजूद हैं। लेकिन इनमें कई तरह के केमिकल्स होते हैं। ऐसे में आप घर पर प्रोटीन पाउडर बनाकर बच्चों की डाइट शामिल कर सकते हैं। बच्चों के बेहतर विकास के लिए कई तरह के पोषक तत्व जरुरी होते हैं। प्रोटीन एक महत्वपूर्ण मैक्रोन्यूट्रिएंट है, जो बच्चों के विकास के लिए बेहद जरुरी है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, प्रोटीन की आपूर्ति के लिए बच्चों को प्रोटीन युक्त फूड्स जैसे कि चिकन, दालें, नट्स, दूध आदि खिलाना चाहिए। लेकिन कई बार बच्चे खाने में आनाकानी करते हैं, जिससे उनमें प्रोटीन की कमी हो जाती है। आजकल बाजार में कई तरह के प्रोटीन सप्लीमेंट्स मौजूद हैं। लेकिन इनमें कई तरह के केमिकल्स होते हैं। ऐसे में आप घर पर प्रोटीन पाउडर बनाकर बच्चों की डाइट शामिल कर सकते हैं। रोजाना इस पाउडर को दूध में मिलाकर बच्चे को पिलाने से उसकी ग्रोथ अच्छी होगी।

प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए आवश्यक सामाग्री

10 से 15 मखाने
10 बादाम
2 अखरोट
1 छोटी चम्मच सौंफ
एक छोटी चम्मच मिश्री
2 हरी इलायची
2 केसर के धागे
एक चुटकी काली मिर्च
एक चम्मच मिक्स सीड्स

प्रोटीन पाउडर बनाने की विधि

बच्चों के लिए नेचुरल प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में बादाम और मखानों को अच्छी तरह से भून लें। इसके बाद इन्हें ठंडा कर लें। इसके बाद सभी सामग्रियों को मिक्सी में डालकर अच्छी तरह पीस लें। इसके बाद इस पाउडर को किसी कंटेनर में स्टोर कर लें। अब बच्चों को एक गिलास दूध में इस प्रोटीन पाउडर का छोटा चम्मच मिलाकर दें। रोजाना इस प्रोटीन पाउडर का दूध के साथ सेवन करने से बच्चों की ग्रोथ अच्छी होगी।

❖ प्रिया मिश्रा

आज का राशिफल

मेष राशि : कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। मित्र का सहयोग मिल सकता है। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। भवन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं।

वृष राशि : धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

मिथुन राशि : भवन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें।

कर्क राशि : शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। क्रोध से बचें।

सिंह राशि : मन में अशान्ति के भाव हो सकते हैं। भवन सुख में वृद्धि हो सकती है। कुटुम्ब-परिवार में मान-सम्मान में वृद्धि होगी। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

कन्या राशि : शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

तुला राशि : भाग-दौड़ अधिक रहेगी। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मन में अशान्ति के भाव रहेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र का विस्तार हो सकता है।

वृश्चिक राशि : आत्मविश्वास भी रहेगा, परन्तु बातचीत में संयत रहें। किसी पुराने मित्र से सम्पर्क हो सकता है। रोजगार के नए अवसर मिल सकते हैं।

धनु राशि : परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिश्रम अधिक रहेगा। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। भाई-बहनों का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा।

मकर राशि : आय में वृद्धि हो सकती है। बौद्धिक कार्यों से भी आय के साधन बन सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे। किसी मित्र या माता के परिवार के किसी सदस्य से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है।

कुंभ राशि : माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के प्रति सचेत रहें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। बातचीत में संयत रहे। बौद्धिक कार्यों में यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

मीन राशि : शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार की शांति के लिए धैर्यशील रहने का प्रयास करें।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

सार्वजनिक स्थल पर अश्लील हरकत करनेवाला दोषी करार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की एक विशेष अदालत ने सार्वजनिक स्थल पर अश्लील हरकत करनेवाले 60 वर्षीय व्यक्ति को दोषी करार देते हुए उसे एक साल की सजा सुनायी है। अदालत ने दोषी व्यक्ति को एक साल के लिए जेल भेज दिया, क्योंकि अदालत का मानना है कि किसी अन्य व्यक्ति की उपस्थिति में अश्लील हरकत करना उसके यौन इरादे स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त है। यौन अपराधों के खिलाफ बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) मामलों की विशेष न्यायाधीश प्रिया बांकर ने आरोपी को दोषी करार देते हुए उसे एक साल की सजा सुनायी। अदालत ने आदेश पारित करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं लोगों के मन में आतंक पैदा करती हैं और पीड़ित के लिए लंबे समय तक निशान छोड़ जाती हैं। यौन अपराधों से संरक्षण (पॉक्सो) कानून के लिए विशेष न्यायाधीश प्रिया बनकर ने 29 अगस्त को आरोपी को दोषी ठहराया और उसे एक साल के कारावास की सजा सुनायी।

श्रीलंका में पुलिस हमलों के विरोध में लोग सड़क पर उतरें : फोंसेका

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका में मुख्य विपक्षी दल एसजेबी के नेता एवं पूर्व सेना प्रमुख फील्ड मार्शल साराथ फोंसेका ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर पुलिस हमलों के विरोध में जनता से सड़क पर उतरने का आग्रह किया है। श्री फोंसेका ने शुक्रवार को कहा कि श्रीलंका के लोग देश में लोकतंत्र और धार्मिकता को कायम देखना चाहते है तो उन्हें पुलिस और दंगाविरोधी दस्तों के खिलाफ सड़कों पर उतरना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि श्रीलंकाई जनता को इंगलैंड से सीख लेनी चाहिए जहां ऐसा होने पर नागरिक तब तक सड़क पर प्रदर्शन करते हैं जब तक कि पुलिस प्रमुख इस्तीफा नहीं दे देते। उन्होंने दोहराया कि मैं श्रीलंका के लोगों को अंग्रेजों से सीखने के लिए कहता हूं।

आज श्रीलंका लौट सकते हैं राजपक्षे

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे शनिवार को स्वदेश लौट सकते हैं। वह जुलाई में आर्थिक संकट के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बाद देश छोड़कर भाग गये थे। एक मीडिया रिपोर्ट में शुक्रवार को यह जानकारी दी गयी। द आइलैंड अखबार ने बताया कि श्री राजपक्षे अभी थाईलैंड में हैं। पूर्व राष्ट्रपति जिनकी देखरेख में 2009 में तमिल टाइगर्स को समाप्त किया गया था। वह थाईलैंड जाने से पहले कुछ समय के लिए पहले मालदीव और फिर सिंगापुर रुके थे। श्री राजपक्षे (73) श्रीलंका में अब तक के सबसे बड़े आर्थिक संकट के बीच उनकी सरकार के खिलाफ भड़के विद्रोह के बाद देश छोड़कर चले गए थे। उनके इस्तीफे की प्रदर्शनकारियों की मांग ने नौ जुलाई को जोर पकड़ लिया था।

आईएएस कैडर मामले में केंद्र सरकार बोली -

नियमों में बदलाव पर अभी कोई फैसला नहीं

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने कहा कि वह भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) नियमों में प्रस्तावित बदलावों पर विभिन्न पक्षकारों से मिली सूचनाओं पर गौर कर रही है और अभी इस पर फैसला नहीं लिया गया है। इनमें नौकरशाहों की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से संबंधित मामलों पर राज्य के अधिकारों को कम करने का प्रस्ताव है। मौजूदा नियमों में आईएएस अधिकारियों की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर केंद्र तथा राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा परस्पर विचार विमर्श की अनुमति मिली हुई है। सूचना के अधिकार के तहत मांगी गयी जानकारी के जवाब में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने इस संबंध में राज्यों से मिले पत्रों की प्रतियां साझा करने से इनकार कर दिया।

उसने विश्वासपूर्ण संबंधों के कारण ऐसी सूचना के खुलासे से छूट देनेवाले पारदर्शिता कानून के एक प्रावधान का हवाला देते हुए राज्य के जवाबों पर उठाए गए कदमों की जानकारियां भी साझा करने से इनकार कर दिया। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने पिछले साल दिसम्बर में भारतीय प्रशासनिक सेवा (कैडर) नियमों, 1954 में बदलावों का प्रस्ताव दिया था, जिससे राज्यों से अधिकारियों की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति की मांग करनेवाले केंद्र के अनुरोध को ठुकराने की शक्तियां छीन ली जायेंगी। उसने राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों से इस पर टिप्पणियां मांगी थीं। विभाग ने आरटीआई अर्जी पर अपने जवाब में कहा कि विभिन्न राज्य कैडर/संयुक्त कैडर तथा अन्य पक्षकारों से प्रस्ताव पर मिली टिप्पणियां/सूचनाएं अभी विचाराधीन हैं और भारत सरकार ने अभी इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। उसने 29 अगस्त को दिये जवाब में कहा कि इसके मद्देनजर, जो सूचना मांगी गयी है वह विश्वासपूर्ण संबंध पर आधारित है और सूचना का अधिकार कानून, 2005 की धारा 8(1) की शर्तों के तहत इसके खुलासे से छूट मिली हुई है।

राज्यों से मांगा इनपुट

विभाग के अधिकारियों ने कहा कि केंद्र में संयुक्त सचिव स्तर तक आईएएस अधिकारियों के घटते प्रतिनिधित्व की प्रवृत्ति देखी गयी है क्योंकि ज्यादातर राज्य केंद्रीय प्रतिनियुक्ति रिजर्व (सीडीआर) के दायित्वों को पूरा नहीं कर रहे हैं तथा केंद्र में उनके द्वारा प्रायोजित अधिकारियों की संख्या बहुत कम है। गौरतलब है कि आईएएस अधिकारियों को एक कैडर आवंटित किया जाता है जो कोई राज्य या राज्यों का एक समूह या केंद्र शासित प्रदेश होता है। प्रत्येक कैडर को सीडीआर की अनुमति दी जाती है ताकि अधिकारियों को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर काम करने का अवसर मिले, जिससे उनका अनुभव बढ़ता है। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने फरवरी में संसद को बताया था कि राज्य केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए पर्याप्त संख्या में अधिकारियों को नहीं भेज रहे हैं और इसके कारण सेवा नियमों में बदलाव करना पड़ रहा है।

टाइटेनिक : डूबने के 110 साल बाद सामने आयीं हैरान करनेवाली तस्वीरें

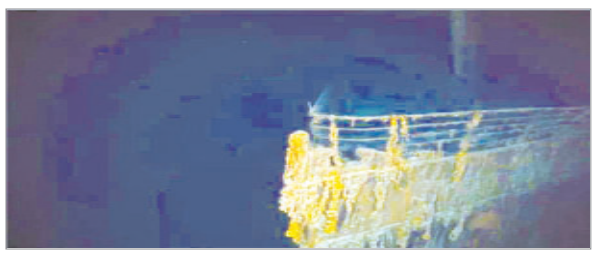

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कई साल से समुद्र में डूबे टाइटेनिक जहाज पर अन्वेषण कर रहे ओशनगेट टीम के सदस्यों ने आखिरकार मुकाम हासिल करके दुनिया को चौंका दिया है। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक टीम ने समुद्र में सौ साल से ज्यादा समय से डूबे टाइटेनिक जहाज के विभाजित हिस्सों की साफ, विहंगम तस्वीर दुनिया के सामने साझा की और इसके वीडियों में जहाज के विशाल 15 टन के लंगर को भी दिखाया गया। ओशनगेट टीम द्वारा ली गयी टाइटेनिक जहाज की तस्वीर, वीडियो को इस सप्ताह सोशल प्लेटफॉर्म पर साझा किया है, जिसमें 12,500 फीट तक की गहराई में जमा जहाज के अछूत चित्र हैं। टाइटेनिक जहाज साल 1912 में डूबा था जिसका आधा हिस्सा समुद्र के तल में बैठ गया। रिपोर्ट के अनुसार, साझा किये गये, एक मिनट के लंबे वीडियो में दर्शक 110 साल पुराने जहाज के अलग-अलग भाग, पोटर्साइड एंकर और एंकर चेन के साथ-साथ मलबे के अन्य हिस्सों को भी देख सकते हैं। ओशनगेट टीम के सदस्य और अनुभवी टाइटैनिक गोताखोर रोरी गोल्डन ने कहा कि मैं कई सालों से टाइटैनिक के मलबे का अध्ययन कर रहा हूं, जिससे संबंधित समुद्र में कई गोता लगा चुका हूं। मुझे इस स्तर के विवरण दिखानेवाली किसी अन्य छवि को देखने की याद नहीं है।

कश्मीरी पंडित नरसंहार : सुप्रीम कोर्ट ने कहा -

आप सरकार के पास जाइये, यहां क्यों आये हो

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में कश्मीरी पंडितों पर हुए नरसंहार मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, याचिकाकर्ता एनजीओ वी द सिटीजंस को केंद्र सरकार के समक्ष में रिप्रेजेंटेशन देने के लिए कहा है। रिप्रेजेंटेशन देते हुए याचिकाकर्ता को केंद्र सरकार को अपनी सारी बात बतानू पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीरी पंडितों की याचिका को लेकर एनजीओ से कहा आप यहां क्यों आये हो, आप सरकार के पास जाकर अपनी रिप्रेजेंटेशन दें। फिलहाल अपनी याचिका वापस लें, याचिका में तीन दशक पहले हुई घटना कि जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर जांच कराने, पुनर्वास और संपत्ति वापस दिलाने कि मांग की गयी थी।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सीटी रविकुमार ने एनजीओ कि ओर से पेश हुए वकील वरूण सिन्हा से दलील पेश करने से पहले कहा कि सुप्रीम कोर्ट से कहा कि आप सरकार के पास जाइए। यहां क्यों आये हैं? तब याचिकाकर्ता के वकील वकील वरूण सिन्हा ने पीठ से कहा कि अब भारतीय दंड संहिता कश्मीर में लागू है। अनुच्छेद-370 में संशोधन किया जा चुका है, अब यह जांच होनी चाहिए।

वकील ने सुप्रीम कोर्ट से कहा आप याचिका विड्रॉ करके सरकार के समक्ष रिप्रेजेंटेशन दें, याचिकाकर्ता के वकील ने पूर्व राज्यपाल जगमोहन की किताब का हवाला दिया और कहा कि नरसंहार के हर पहलू को इसमें दर्ज किया गया है। जनवरी 1990 में हिंदू कश्मीरी पंडितों का पलायन हुआ था, मस्जिदों से घोषणा हुई और फिर शुरू हुआ सरेआम कत्लेआम। वहां पर नारे लगने शुरू हो गये थे कि कश्मीरी पंडित काफिर थे और पुरुषों को कश्मीर छोड़ना होगा। अगर नहीं छोड़ा तो इस्लाम कबूल करना होगा वरना उन्हें मार दिया जायेगा।

चीन में मुस्लिमों पर जुल्म : रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

डिटेंशन सेंटरों में महिलाओं से यौन उत्पीड़न और जबरन नसबंदी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की एक रिपोर्ट जारी होने पर हैरानी जतायी है, जिसमें उसपर शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों के मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। चीन ने रिपोर्ट को अवैध और अमान्य करार देते हुए कहा कि अमेरिका ने उसे रोकने के लिए यह रिपोर्ट गढ़ी है। निवर्तमान संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख मिशेल बेचलेट की बहुप्रतीक्षित रिपोर्ट, जिनेवा में नाटकीय अंदाज में जारी की गयी। बैचलेट चीन के साथ लंबे समय तक चले राजनयिक विवाद के बाद मई में शिनजियांग गई थीं, जिसके बाद यह रिपोर्ट जारी की गयी है।

चीन ने की रिपोर्ट की आलोचना : चीन ने रिपोर्ट जारी करने पर आश्चर्य जताते हुए इसपर कड़ा विरोध दर्ज कराया। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में रिपोर्ट की आलोचना करते हुए कहा कि तथाकथित आकलन अमेरिका और कुछ पश्चिमी ताकतों द्वारा रचा और तैयार किया गया है। यह पूरी तरह से अवैध और अमान्य है।

चिली की पूर्व राष्ट्रपति बैचलेट ने अत्यधिक दबाव के बीच आखिरकार बीजिंग के विरोध को दरकिनार कर दिया और बुधवार को अपने कार्यकाल के अंतिम दिन रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट में कहा गया है कि शिनजियांग में उइगर और अन्य मुस्लिम जातीय समूह के लोगों को सरकार द्वारा जबरन नजरबंद रखना मानवता के खिलाफ अपराध के दायरे में आ सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार चीन ने अपनी आतंकवाद और उग्रवाद रोधी नीतियों के तहत मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन किया है। संगठन ने संयुक्त राष्ट्र, विश्व बिरादरी और खुद चीन से इस पर तत्काल ध्यान देने का आह्वान किया है। पश्चिमी राजनयिकों और संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने कहा कि रिपोर्ट लगभग तैयार थी, लेकिन बैचलेट का चार साल का कार्यकाल पूरा होने से कुछ ही मिनटों पहले इसे जारी किया गया। कई पत्रकारों, स्वतंत्र मानवाधिकार समूहों ने शिनजियांग में वर्षों से मानवाधिकार उल्लंघन पर काफी कुछ लिखा है।

अफगानिस्तान के एक मस्जिद में विस्फोट से 20 की मौत

काबुल (एजेंसी)। पश्चिमी अफगानिस्तान की सबसे बड़ी मस्जिदों में से एक में हुए भीषण बम विस्फोट में करीब बीस लोगों की मौत हो गयी, जबकि दो दर्जन लोग बुरी तरह से जख्मी हो गये। विस्फोट में प्रभावशाली इमाम की मौत हो गयी, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में सरकार के खिलाफ छोटी से छोटी कार्रवाई करनेवालों का सिर कलम करने का आह्वान किया था। ट्विटर पर पोस्ट की गयी छवियों और तस्वीरों में हेरात शहर में गजरगाह मस्जिद के परिसर के आसपास बिखरे हुए खून से सने शरीर दिखाई दे रहे थे। पिछले साल तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से हिंसा में कमी आई है, लेकिन हाल के महीनों में कई बम विस्फोटों कुछ अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाकर देश को झकझोर दिया है, कई का दावा है कि विस्फोट जिहादी इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह ने किया है।

माता वैष्णो देवी के नये दुर्गा भवन में फ्री में रुक सकेंगे तीन हजार से ज्यादा श्रद्धालु

श्रीनगर (एजेंसी)। श्री माता वैष्णो देवी के दर्शन को जानेवाले श्रद्धालुओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। श्रद्धालुओं को रहने के लिए अब माता के भवन के अंदर दुर्गा भवन तैयार किया जा रहा है, जहां करीब तीन हजार से ज्यादा लोग फ्री में रुक सकेंगे। इस भवन को श्रीमाता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की ओर से तैयार किया जा रहा है। 25 सितम्बर को इस भवन का शुभारंभ कर दिया जायेगा। माता वैष्णो देवी में भवन पर श्रद्धालुओं के रूकने के लिए अभी कई रिहायशी भवनों का प्रबंध है। इनमें मुख्य भवन कॉम्प्लेक्स, कालिका भवन, न्यू कालिका भवन, वैष्णवी व गौरी भवन, मनोकामना भवन आदि रेंटिड व्यवस्था है, जिसमें श्रद्धालु पूर्व बुकिंग कराकर रूक सकते हैं। अब माता के भवन में दुर्गा भवन तैयार होने से करीब तीन हजार लोग रोजाना फ्री में रूक सकेंगे जोकि मां के दर्शनों के लिए आनेवाले श्रद्धालुओं को यह बड़ी सौगात है।

नयी आरएफआईडी कार्ड सुविधा शुरू : माता वैष्णो देवी के दर्शनों के लिए देशभर से श्रद्धालु आते है। दरबार तक पहुंचने के लिए नयी आरएफआईडी कार्ड सुविधा शुरू कर दी गयी हैं। आरएफआईडी कार्ड से श्रद्धालु माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड टीम की नजरों में रहेंगे, श्राइन बोर्ड ने यह फैसला इसलिए लिया है कि दरबार तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को कोई परेशानी आने पर आराम से ढूंढा जा सकता हैं। कटरा से माता वैष्णो के भवन तक तीन मार्गों तक सेंसर लगा दिए गए हैं और 25 आरएफआईडी काउंटर खोले गए हैं। इसका कंट्रोल रुम भवन और कटरा में बनाया गया हैं। माता वैष्णो देवी के भवन पर कई बार लैंडस्लाइड या फिर पहाड़ों से पत्थर गिरने व पानी आ जाने से श्राईन बोर्ड के लिए भीड़ पर कंट्रोल करना काफी मुश्किल हो जाता था। इस साल नववर्ष पर माता के दरबार मे भगदड़ मचने से करीब 12 लोगों की जान चल गयी थी।

न्यूज गैलरी

विधायक प्रतिनिधि ने कैंसर हॉस्पिटल का किया निरीक्षण

कांके। नवनिर्मित टाटा कैंसर हॉस्पिटल का औचक निरीक्षण एवं प्रबंधन में स्थानीय लोगों की नियुक्ति नियमावली पर निदेशक से वार्ता करते हुए बतौर विधायक प्रतिनिधि के रूप में कांके क्षेत्र के सम्मानित जिला परिषद सदस्य सुषमा देवी, किरण साहू एवं कांके प्रखंड के उप प्रमुख अजय बैठा, कांके प्रखंड मुखिया संघ के सम्मानित अध्यक्ष सोमा उरांव, सुकुरहुटू उत्तरी पंचायत के उप मुखिया गौरी शंकर प्रजापति, समाजसेवी तुलसी महतो, दशरथ साहू, प्रशांत बैठा, शिवचरण महतो आदि शामिल थे।

पुरानी पेंशन योजना लागू करना झारखंड सरकार की सराहनीय कदम : राजद

रांची। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना लागू करना झारखंड सरकार का सराहनीय कदम है। इस कार्य के लिये जितनी प्रशंसा की जाय कम है। इस योजना से झारखंड राज्य के सभी राज्यकर्मी लाभान्वित होंगे। पुरानी पेंशन योजना लागू होने से सभी राज्यकर्मियों में खुशी एवं हलाष का माहौल है। डॉ. कुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पेंशन योजना बन्द करने की घोषणा हुई थी एवं बन्द कर दी गई थी। इस निर्णय से सभी राज्यकर्मी हताश व निराश थे। भाजपा की नीति व नियत दोनों ठीक नहीं। इन्हें आम आवाम से कोई सरोकार नहीं रहा है। यह पूंजीपतियों के लाभ के लिये ही काम करती है। भाजपा चाहे तो केन्द्र की सरकार हो या राज्य सरकार रही हो जो काम होना चाहिए वह नहीं हो पाया है। जब से राज्य में यूपीए की सरकार बनी है तब से लगातार झारखंड के आम आवाम एवं सभी तबके के लिये काम कर रही है। चाहे पुरानी पेंशन योजना की बात हो, आंगनबाडी सेविका, सहायिका के हक व अधिकार की बात हो या फिर सहायक पुलिस कर्मियों के हक अधिकार की बात हो, इस तरह के दर्जनों उदहारण हैं जिसे हेमंत सरकर पुरा करने का काम कर रही है। इस तरह भाजपा की सरकार में जिस मांग के लिये भाजपा सरकार में लम्बे आन्दोलन के बाद भी मांगे तो नहीं ही मानी गई किन्तु रघुवर सरकार में जिस तरह से एक पुलिस अफसर द्वारा आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका पर लाठियां बरसाई गई थी आज भी उस घटना को याद कर दिल सिहर जाता है। राज्य में अब तक जो हेमंत सरकार काम कर रही और कर चुकी यह एक सराहनीय एवं प्रशंसनीय कार्य है।

उजाड़े गये महादलित परिवार को उक्त भूमि पर यथाशिघ्र बसाया जाये : उपेन्द्र

रांची। शुक्रवार को भाजपा नेता व अखिल भारतीय अंनु. जाति महासभा के राष्ट्रिय महासचिव उपेन्द्र कु. रजक उपाध्यक्ष सुरेन्द्र पासवान ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष बाद भी दलितों के साथ भेद-भाव अत्याचार जारी है। उन्होंने कहा कि पलामू जिला के पांडू प्रखंड के मुरूआति ग्राम में वर्षों से रह रहे 50 घर महादलित परिवार के लोगों को एक विशेष समुदाय के लोगों ने यह कहते हुए घर ढाह कर बेदखल कर दिया कि यह जमीन मदरसा का है। उन्होंने कहा कि भादो माह में घर ढाहे जाने से महादलित परिवार के लोगों को जीवन-यापन करने में काफी कष्ट हो रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से टुर छोड़ने की आग्रह करते हुए महादलित परिवार को उक्त भूमि पर बसाने की मांग की है, साथ ही उपायुक्त एंव पुलिस अधिक्षक पलामू परिवार को सुरक्षा, भरन-पोषण व अवास व्यवस्था शुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यदि सरकार व प्रशासन महादलित परिवार को उक्त भूमि पर बसाया नहीं गया तो अंनु. जाति समाज उग्र आंदोन को बाध्य होगा। यह जानकारी संतोष रवि ने दी।

विशेष मध्यस्थता अभियान को लेकर बैठक

रांची। डालसा के बैनर तले आयोजित पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान को सफल बनाने को लेकर शुक्रवार को सीजेएम एमके सिंह की अध्यक्षता में न्यायिक दंडाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में डालसा सचिव राकेश रंजन ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सुलह के आधार पर मामलों का निपटारा करना है, ताकि पक्षकारों को त्वरित एवं सुलभ न्याय मिल सके। विशेष मध्यस्थता अभियान 12 से 16 सितंबर तक चलेगा। जिसमें चेक बाउंस और मोटर वाहन दुर्घटना दावा अधिनियम से संबंधित मामलों की अधिक से अधिक सुलह कराना है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में कल्याण विभाग से संबंधित योजनाओं की हुई समीक्षा बैठक

छात्रवृत्ति के लिए छात्रों का बैंक खाता खोलने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शुक्रवार को उपायुक्त रांची राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में कल्याण विभाग से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। समाहरणालय ब्लॉक ए स्थित उपायुक्त सभागर में आयोजित बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला अभियंता जिला परिषद रांची, कार्यपालक अभियंता एनआरईपी 1 एवं 2, विभिन्न प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा द्वारा प्री मैट्रिक (प्राथमिक/मध्य उच्च विद्यालय), पोस्टमैट्रिक, अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना (चिकित्सा अनुदान), अत्याचार निवारण अधिनियम 1989, वैधिक सहायता योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, वन अधिकार अधिनियम 2006, बिरसा आवास निर्माण योजना, पीवीटीजी ग्राम उत्थान योजना, धुमकड़िया भवन निर्माण योजना, अल्पसंख्यक कब्रिस्तान चेराबंदी, सरना, मसना, हड़गड़ी इत्यादि की घेराबंदी, कल्याण विभागीय आवासीय विद्यालयों/ छात्रावासों की मरम्मति एवं जीर्णोद्धार, कल्याण विभागीय एसटी, बीसी एवं एमआईएन छात्रावासों (आवासीय विद्यालयों को छोड़कर) की मरम्मति एवं जीर्णोद्धार, विशेष केन्द्रीय सहायता अन्तर्गत (स्पेशल सेन्ट्रल असिस्टेंस टू ट्राइबल सब प्लान) योजना, प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम इत्यादि की विस्तार से समीक्षा की गयी। विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त द्वारा छात्रों के बैंक खाता खोलने पर फोकस करने का निर्देश दिया गया। संबंधित पदाधिकारी को उपायुक्त ने शिक्षा विभाग से समन्वय स्थापित कर कार्य करने का निर्देश दिया। उपायुक्त द्वारा नयी छात्रवृत्ति नियमावली के तहत योजना का लाभ छात्रों को सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया।

> संबंधित पदाधिकारी को उपायुक्त ने शिक्षा विभाग से समन्वय स्थापित कर कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छात्रों का खाता खुलने में कहीं से भी चुक नहीं हो।

करम पूर्व संध्या कार्यक्रम की सफलता के लिए स्थल का किया निरीक्षण

अखाड़ा बचाना चुनौती है, समाज अवसर में बदले : मुकुंद नायक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सांस्कृतिक संस्था कुंजबन के तत्वावधान में 3 सितंबर को आहूत करम पूर्व संध्या कार्यक्रम 2022 को लेकर एक बैठक नायक टोली में आयोजित की गयी। बैठक के उपरांत चुटिया, महादेव मंडा स्थित स्थल का शुक्रवार को निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर पदम श्री मुकुंद नायक मनपुरान नायक, धनजू नायक, ललन चौधरी, रवि सिंह, किशोर नायक, रवि गोप, अंशु चौधरी, मंटू मुंडा, धनजय सिंह, सुजीत शर्मा, रूपेश केशरी, सुमित पांडेय, सूरज मुंडा, महावीर, विजय सहित अन्य प्रमुख थे। मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पदम श्री मुकुंद नायक ने लोगों से आह्वान किया कि आज के संदर्भ में अखाड़ा बचाना चुनौती है लेकिन झारखंडी समाज के लिए अवसर है। हम अपनी ताकतों को बांटे नहीं बल्कि अपने सांस्कृतिक केंद्र अखाड़ा को सुरक्षित, व्यवस्थित व सुंदर बना कर रखें और अपने अखाड़ों में झाड़ियां उगने ना दे।

मंगलदीप प्ले स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम व भक्तिमय संगीत और वाद विवाद प्रतियोगिता संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

रांची। श्री गणेश उत्सव के शुभअवसर पर रातु रोड खादगढ़ा सब्जी मार्केट के निकट मंगलदीप प्ले स्कूल में प्राचार्या श्वेता मिश्रा के निर्देशन में सांस्कृतिक कार्यक्रम, भक्तिमय संगीत एवं वाद विवाद प्रतियोगिता संपन्न हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि वीवीएन मिस इंडिया यूनिवर्स 2019 परी पासवान, छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, विद्यालय के निदेशक सुधीर चौधरी, उपनिदेशक विकास चौधरी मौजूद थे। श्री गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुभारंभ हुई। मुख्य अतिथि परी पासवान ने श्री गणेश भगवान जी की कथा के साथ-साथ हाश्यपद कविता सुनाई, जिसका बच्चों ने भरपूर आनंद लिया। बच्चों ने भी प्रिया कुमारी, सुषमा पांडे, मोनिका वर्मा आदि शिक्षिका के देखरेख मे रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसका अथितियों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत करते हुए बच्चों का मनोबल बढ़ाया। इसके पूर्व विद्यालय परिवार ने अतिथियों का जोरदार स्वागत पुष्पगुच्छ भेंटकर किया। मंच संचालन रुबी चौधरी एवं धन्यवाद ज्ञापन संगीता चौधरी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे कंचन देवी,सविता चौधरी,मंजू देवी, प्रभा देवी एवं अन्य कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई देशभक्ति के संदेश के साथ कार्यक्रम की समापन हुई।

श्री दिगम्बर जैन पंचायत के लोगों ने उत्तम आजर्व दिवस मनाया

रांची। श्री दिगम्बर जैन पंचायत के पर्यूषण पर्व के तीसरे दिन शुक्रवार को समाज के लोगों ने उत्तम आजर्व दिवस मनाया। जयपुर से आए पंडित संजीव शास्त्री की देखरेख में अपर बाजार के श्री दिगम्बर जैन मंदिर और रातू रोड के वासु पूज्य जिनालय मंदिर में उत्तम आर्जव धर्म की सामूहिक पूजा हुई। इसके बाद शास्त्र वाचन, मंडल पूजन अनुष्ठान हुए। पंडित संजीव शास्त्री ने तत्त्वार्थ सूत्र का वाचन औश्र प्रवचन किया। बताया गया कि जीवन में सरलता धारण करना ही उत्तम आर्जव है। जो विचार हृदय में स्थित हैं, वही वचन के रूप में बाहर आते हैं। मन से जहां पर कुटिल परिणाम का त्याग कर दिया जाता है, वहीं पर आर्जव धर्म प्रकट होता है। यह अखण्ड दर्शन और ज्ञानस्वरूप है। इस दौरान जैन युवा जागृति की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम सुर संध्या की प्रस्तुति हुई। प्रतीक रारा, कौशल ठोल्या, आकाश सेठी, हेमन्त सेठी ने भजन प्रस्तुत किए।

अग्रवाल सभा का चुनाव रविवार को, सभी तैयारियां पूरी

40 प्रत्याशी चुनाव मैदान में जिसमें 31 कार्यकारिणी सदस्यों का होगा चयन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अग्रवाल सभा रांची का द्विवार्षिक चुनाव 4 सितंबर को महाराजा अग्रसेन भवन में कराया जाएगा। अग्रवाल सभा के निर्वाचन पदाधिकारी ललित कुमार पोद्दार एवं सह निर्वाचन पदाधिकारी अशोक नारसरिया ने संयुक्त रूप से विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव संबंधी पूरी तैयारियां कर ली गई है। चुनाव में अग्रवाल सभा के 2253 सदस्य अपना मताधिकार का प्रयोग कर 40 प्रत्याशियों में से 31 कार्यकारिणी सदस्यों का चयन करेंगे। सभी सदस्यों को पूरे 31 सदस्यों का मत देना होगा। 31 सदस्यों से कम या अधिक मत देने से मतपत्र अवैध हो जाएगा। 4 सितंबर को सुबह 10:00 बजे से अग्रवाल सभा की आमसभा एवं 11:00 बजे से 4:00 बजे तक मतदान महाराजा अग्रसेन भवन के द्वितीय तल्ले मे होगा। मतदान के उपरांत मतों की गिनती होगी एवं उसी दिन रात को परिणाम की घोषणा कर दिया जाएगा। सुचारू रूप से मतदान कराने के लिए रांची के अलग-अलग एरिया के अनुसार 9 टेबल लगाए जाएंगे। जहां से मतदाता सुविधानुसार मतपत्र प्राप्त कर मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। मतदाता को आधार कार्ड या कोई भी सरकारी पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य है।

टीम राहुल मारू के प्रत्याशियों ने व्यापारियों से मुलाकात कर अपनी टीम का एजेंडा रखा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। टीम राहुल मारू के प्रत्याशियों ने शुक्रवार को ज्योति संगम लेन, पुस्तक पथ, कुंजलाल स्ट्रीट, रंगरेज गली, सुरेश बाबू स्ट्रीट, सोनार पट्टी, कपड़ा पट्टी समेत अपर बाजार के क्षेत्रों में कई व्यापारियों के प्रतिष्ठानों में जाकर मुलाकात की और चुनाव में अपनी टीम का एजेंडा रखा। प्रत्याशियों ने पदयात्रा के दौरान झारखण्ड थोक वस्त्र विक्रेता संघ के अध्यक्ष विक्रम खेतावत, मानद सचिव प्रमोद सारस्वत, विनय मिड्ढा से भी मिले और आगामी चुनाव में अपनी टीम के पक्ष में मतदान की अपील की। मौके पर मनोज सिंघानिया, पंकज पोद्दार, मुकेश काबरा, तरूण तनेजा, लेखराज अरोडा, रतन मोदी, विनय सरावगी सहित कई लोगों ने आगामी चुनाव में टीम के प्रत्याशियों को सहयोग करने का आश्वासन भी दिया। इस दौरान राहुल मारू ने शनिवार को अपने चुनावी कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर भी व्यापारियों को आमंत्रित किया। विदित हो कि टीम राहुल मारू के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन शनिवार को सिटी मॉल, हरमू रोड, रांची में किया जायेगा। आज की पदयात्रा के दौरान राहुल मारू के साथ अनिल अग्रवाल, अनिल जालान, अनीश बुधिया, ब्रजेश कुमार, दीनदयाल बरनवाल, डॉ. अभिषेक कुमार रामाधीन, उत्सव परासर, मनीष सर्राफ, मुकेश अग्रवाल, नवजोत अलंग, प्रवीण लोहिया, राहुल साबू, राजेश कौशिक, राकेश जैन, राम बांगड, रोहित अग्रवाल, रूषी पटेल, साहित्य पवन, सोनी मेहता, सुमित जैन, विकास विजयवर्गीय, के अलावा विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी शामिल थे।

श्री श्याम महोत्सव के दूसरे दिन श्री श्याम प्रभु की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी

श्री श्याम भक्तों ने भक्ति भाव से भजन गाते व नाचते हुए शोभायात्रा में श्री श्याम प्रभु का जय-जयकार के नारे लगा रहे थे

नवीन मेल संवाददाता

रांची। श्री श्याम मंडल रांची के 55 वें वार्षिक श्री श्याम महोत्सव के दूसरे शुक्रवार को अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर से श्री श्याम प्रभु की विराट एवं भव्य शोभायात्रा निकाली गई । शोभायात्रा अपराहन 4:00 बजे प्रारंभ हुई शोभायात्रा के आगे आगे बैंड की धुन के साथ सैकड़ों श्याम भक्त धर्म ध्वजा व विभिन्न देवताओं के जयकारों से अंकित बैनर लेकर चल रहे थे। शोभायात्रा में श्री कृष्ण लीला पर आधारित झांकियां सभी का मन मोह रही थी । श्री श्याम मंडल के सैकड़ों सदस्य अत्यन्त भक्ति भाव से भजन गाते और नाचते हुए शोभायात्रा के साथ चल रहे थे। काफी बड़ी संख्या में नर नारी श्री श्याम देव का जयकारा लगाते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए और इस अवसर पर दिव्य रथ पर श्री श्याम प्रभु का शीश का अलौकिक श्रृंगार किया गया। श्री श्याम प्रभु नगर वासियों को आशीष लूटा रहे थे, जगह-जगह विभिन्न संस्थाओं वह भक्तों द्वारा शोभायात्रा पर पुष्प वृष्टि की गई। मार्ग में सैकड़ों भक्तों द्वारा दिव्य रथ पर विराजमान श्री श्याम प्रभु की आरती की गई तथा मार्ग के दोनों ओर वह मकानों व छतों पर शोभायात्रा का अवलोकन करने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। शोभायात्रा में शामिल भक्तों का जगह-जगह पर भावभिना स्वागत किया गया। पूरे मार्ग पर उपस्थित भक्तों के लिए श्याम प्रभु के दिव्य प्रसाद वितरण का समुचित व्यवस्था की गई थी। जिस मार्ग से यात्रा गुजर रही थी वातावरण पूर्णतया श्याममय हो रहा था। विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए शोभायात्रा श्री श्याम मंदिर रात्रि 8 बजे पहुंची जहां मंगल आरती व प्रसाद वितरण के पश्चात शोभा यात्रा का समापन हुआ। आज के इस कार्यक्रम में मनोज सिंघानिया, राकेश मुरारका, सुनील मोदी, अशोक लाठ, पवन अग्रवाल, ज्ञान प्रकाश बागला, शिवरतन बियानी, अमित पोद्दार, विक्रम परसरामपुरिया, महेश सारस्वत, विकाश पाडिया, का विशेष सहयोग रहा।

पृष्ठ एक के शेष

किसानों-मजदूरों को रोजगार...
की स्थिति पैदा हो गयी है। ऐसे में वरीय अधिकारी इन इलाकों का दौरा कर वहां की जमीनी हकीकत की जानकारी लें और उससे निपटने के लिए रिपोर्ट बनाकर सरकार को दें ताकि जल्द से जल्द प्रभावी कदम उठाया जा सके।

रोजगार सृजन और पलायन रोकने पर जोर : मुख्यमंत्री ने कहा कि सूखे की वजह से राज्य से किसानों और मजदूरों का पलायन नहीं हो, इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि किसानों मजदूरों और अन्य प्रभावित लोगों को किस तरह रोजगार से जोड़ सकते हैं। उन्हें मजदूरी देने की क्या व्यवस्था हो। सूखे से निपटने के लिए और क्या-क्या विकल्प अपनाये जा सकते हैं और इससे संबंधित किन योजनाओं को लागू किया जा सकता है, इसकी पूरी रिपोर्ट तैयार करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह भी कहा कि वे सूखा प्रभावित राज्यों द्वारा सुखाड़ से निपटने के लिए क्या-क्या तैयारियां की जा रही हैं। इसकी पूरी जानकारी लें।

मुठभेड़ में दो माओवादी ढेर...
अपने ओर आता देखकर नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जिला पुलिस, कोबरा बटालियन और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों के जबावी फायरिंग में दो नक्सलियों को ढेर कर दिया। उधर, पुलिस को भारी पड़ता देख नक्सली दस्ता पीछे हट गये। बता दें कि एसपी आनंद प्रकाश के कार्यकाल की यह एक और बड़ी उपलब्धि है। इससे पूर्व हार्डकोर नक्सली महाराज प्रमाणिक, एक करोड़ के इनामी नक्सली थिंक टैंक कहे जानेवाले प्रशांत बोस उर्फ बूढ़ा, उनकी पत्नी शीला मरांडी सहित आधा दर्जन नक्सली सलाखों के पीछे भेजे जा चुके हैं।

पलामू में नकली शराब की...
बाजार, पिपरा और हरिहरगंज इलाके में अवैध और नकली शराब बनाने की दर्जनों अवैध फैक्टरियां हैं। छतरपुर के चेराईं का एक व्यक्ति तो बड़े पैमाने पर नकली शराब बनाता और बेचता है। हरिहरगंज के कई लाइन होटलों में भी नकली शराब बेची जाती है। बिहार-झारखंड की सीमा पर भी कई जगहों पर ऐसी अवैध कारोबार की खबरें आती रहती हैं । पुलिस और उत्पाद विभाग को अभी और भी चौकस होना होगा।

कार से 900 बोतल देशी शराब...
दो शराब तस्कर फरार होने में सफल रहे। हालांकि इनकी पहचान बरदाग गांव निवासी कार्तिक यादव तथा बड़का पिपरा गांव निवासी मुकेश पासवान के रूप में हुई है। पुलिस ने उक्त दोनों शराब तस्करों तथा कार मालिक के विरुद्ध पिपरा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इस संबंध में थाना प्रभारी सूरज चैल ने बताया कि अवैद्य रूप से शराब की तस्करी होने की गुप्त सूचना मिलने पर वह एसआई अजय कुमार सिंह , अभय आनंद तथा पुलिस बल के साथ दमवा मोड़ पर बैरिकेडिंग कर वाहन जांच कर रहे थे। तभी पिपरा की ओर से उक्त स्विफ्ट डिजायर कार को आता देख टॉर्च की रोशनी देकर रोकने की कोशिश की गयी। पुलिस को देख ड्राइविंग सीट पर बैठे कार्तिक यादव ने कार की गति तेज करते हुए बैरिकेडिंग को तोड़ते हुए भागा। तत्काल पुलिस कार का पीछा करने लगी। इस दौरान बरदाग स्टोन माइंस के पीछे जंगली इलाके में कार छोड़कर उक्त दोनों तस्कर जंगल के लाभ लेकर फरार हो गये। कार की तलाशी लेने पर पिछला सीट व डिक्की में रखा हुआ 20 पेटी में 900 बोतल देसी शराब बरामद किया गया।

झारखंड में करोड़ से अधिक मतदाताओं...
59.92 एवं 59.16 प्रतिशत के साथ गोड्डा एवं सरायकेला जिला क्रमशः दूसरे तथा तीसरे स्थान पर हैं। विधानसभा क्षेत्र के आधार पर ईचागढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 66.72 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान पर है। 65.58 एवं 63.23 प्रतिशत के साथ महेशपुर एवं खरसांवा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमशः दूसरे तथा तीसरे स्थान पर हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड द्वारा उत्कृष्ट कार्य के लिए उक्त सभी जिलों एवं विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं एवं निर्वाचन के कार्य से जुड़े सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई देते हुए अन्य जिलों एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में त्वरित गति से इस कार्य को पूर्ण करने हेतु सहयोग प्रदान करने का अनुरोध सभी संबंधित मतदाओं से किया है।

पीएम मोदी भारतीय नौसेना के नये...
आज का दिन नौसेना के इतिहास में ऐतिहासिक है और आज देश गुलामी के बोझ को अपने सीने से उतार रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीयता की भावना से ओतप्रोत यह निशान देश तथा नौसेना को नयी ऊर्जा देगा। राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में नये धवज निशान में राष्ट्रीय धवज को भी शामिल किया गया है। साथ ही इसमें नीचे देवनागरी लिपि में सत्यमेव जयते भी अंकित है। अब नौसेना के सभी प्लेटफॉर्म पर यही धवज लहरायेगा। नये ध्वज की अवधारणा छत्रपति शिवाजी महाराज की नौसेना पर आधारित है। इस धवज निशान को तीनों सेनाओं के सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है।

डीएवी कपिलदेव में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। डीएवी कपिलदेव पब्लिक स्कूल कडरू में शुक्रवार को वर्ग दशम और बारह के छात्र-छात्राओं के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि पुस्तक का निरंतर पठन-पाठन करना चाहिए और जितना हो सके मोबाइल से दूर रहना चाहिए। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आप ही कल के भविष्य हैं। आप पढ़ाई में अपने आप को समर्पित कर दें। आपको उसका बेहतर नतीजा मिलेगा। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एमके सिन्हा ने कहा कि विद्यालय का इतिहास कीर्तिमानों से भरा रहा है।

पूर्व मध्य रेल

अधिसूचना

रेलवे द्वारा निम्नलिखित गाड़ियों का काजरात नावाडीह एवं रमना स्टेशन पर 06 (छः) महीने की अवधि के लिए प्रायोगिक तौर पर ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है –

क्र. सं.	गाड़ी सं.	गाड़ी का नाम	स्टेशन	समय		यात्रा प्रारंभ की तिथि
				आ.	प्र.	
1	18611	राँची – बनारस एक्सप्रेस	काजरात नावाडीह	04.36	04.38	07.09.2022
2	18612	बनारस – राँची एक्सप्रेस	काजरात नावाडीह	18.56	18.58	
3	13349	सिंगरौली – पटना एक्सप्रेस	रमना	21.55	21.57	08.09.2022
4	13350	पटना – सिंगरौली एक्सप्रेस	रमना	02.11	02.13	

विस्तृत जानकारी के लिए – **www.enquiry.indianrail.gov.in** / NTES APP

पीआर/00974/एचक्यू/परि./एन/22–23/60 | मुख्य यात्री परिचालन प्रबंधक/पूमरे/हाजीपुर

न्यूज गैलरी

मुंबई में रेस्तरां चलायेंगे विराट कोहली

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली अपनी रेस्तरां चेन का विस्थार करते नजर आ रहे हैं। विराट ने मुंबई के जुहू में मौजूद मशहूर अभिनेता-गायक किशोर कुमार के बंगले (गौरी कुंज) में कुछ हिस्सा खरीद लिया है। अब वह वहां पर वन8 कम्यून नामक रेस्तरां चलाएंगे। विराट लंबे समय से रेस्तरां बिजनेस में हैं। उनके दिल्ली, कोलकाता, पुणे और मुंबई में इसी नाम से रेस्तरां चल रहे हैं। उक्त रेस्तरां में वन8 कोहली की जर्सी नंबर पर है। कोहली 18 नंबर की जर्सी पहनते हैं। कोहली ने जिस जगह पर रेस्तरां खोला है वहां कुछ साल पहले बी मुंबई नाम का रेस्तरां था। कहा जाता है कि बृहन्मुंबई नगर निगम ने इसे नियमों के खिलाफ निर्माण के कारण नोटिस दिया था। इसके बाद रेस्तरां के एक सेक्शन को तोड़ दिया गया था। अब विराट ने पांच साल के लिए यह जगह लीज पर ले ली है। रेस्तरां खोलने की तैयारियां लगभग मुकम्मल हो चुकी हैं। इसमें विराट कोहली का फेवरेट खाना भी मिलेगा। बता दें कि भारतीय स्टार बल्लेबाज पहले से ही वन8 ब्रांड के तहत कपड़े, सुगंध, जूते आदि के व्यवसाय में हैं। उन्होंने कपड़ों और एक्सेसरीज ब्रांड ट्रोगन में भी निवेश किया है। वैसे भी विराट अब मुंबई में ही रहते हैं। उन्होंने बॉलीवुड अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ मुंबई में एक महंगा घर खरीदा था, जोकि खरीद के वक्त खूब चर्चा में रहा था।

अपने ही रैकेट से चोटिल हो गये राफेल नडाल

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। राफेल नडाल यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर के मैच के दौरान अपनी ही गलती से नाक पर चोट लगा बैठे जिसके कारण खून बहने लग गया था। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नडाल ने फैबियो फोगनिनी पर 2-6, 6-4, 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की। इस बीच चौथे सेट में गलती से उन्होंने एक शॉट बचाने के प्रयास में अपने ही रैकेट से नाक पर चोट लगा दी। इससे उनकी नाक से खून बहने लग गया था। आर्थर ऐस स्टेडियम में इस घटना से अजीबो-गरीब स्थिति बन गई और लगभग पांच मिनट तक खेल रुका रहा। नडाल ने तुरंत ही दोनों हाथों से अपना मुंह ढक दिया और मैच के बाद इस घटना को लेकर मजाकिया अंदाज में बात भी की। नडाल से पूछा गया क्या इससे पहले भी उनके साथ ऐसी घटना घटी थी, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा गोल्फ कोर्स में ऐसा हुआ था लेकिन टेनिस रैकेट से पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। शुरू में मुझे थोड़ा चक्कर जैसा आया। तब हल्का दर्द हो रहा था।

जापान ओपन : कड़ी चुनौती पेश करने के बाद क्वार्टर फाइनल में हारे प्रणय

ओसाका (एजेंसी)। एचएस प्रणय को शुक्रवार को यहां विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपे के चाउ तिएन चेन से तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा जिससे जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी समाप्त हो गई। इस 30 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने आखिर तक हार नहीं मानी लेकिन चाउ ने भी किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती तथा एक घंटा 20 मिनट तक चले इस मैच में 21-17, 15-21, 22-20 से जीत दर्ज की। बाकी खिलाड़ियों के जल्दी बाहर होने के बाद भारत की उम्मीदें प्रणय पर ही टिकी थी। पिछले कुछ समय से निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रहे प्रणय ने पहला गेम गंवाने के बाद अच्छी वापसी की तथा तीसरे और निर्णायक गेम में भी आखिरी क्षणों तक खुद को मुकाबले में बनाए रखा। इस मैच से पहले पिछले दो मैचों में चाउ पर जीत दर्ज करनेवाले प्रणय ने पहले गेम में शुरू से दबदबा बना दिया था और एक समय वह 12-8 से बढ़त पर थे। चाउ ने हालांकि प्रणय की गलतियों का फायदा उठाया और जल्द ही 15-14 से आगे हो गए। प्रणय ने चाउ के बैकहैंड को फिर से नेट पर खेला जिससे ताइपे के खिलाड़ी के पास तीन गेम प्वाइंट आ गए। उन्होंने क्रॉस कोर्ट रिटर्न से यह गेम अपने नाम किया। चाउ ने दूसरे गेम में भी 5-4 की मामूली बढ़त से शुरूआत की। उनका आक्रामक रवैया भारतीय खिलाड़ी पर भारी पड़ रहा था जो लगातार गलतियों के कारण 6-10 से पीछे हो गए थे। प्रणय का भाग्य ने भी साथ दिया और वह स्कोर 10-10 से बराबर करने में सफल रहे। चाउ ने इंटरवल तक मामूली बढ़त हासिल की लेकिन इसके बाद प्रणय ने गजब का खेल दिखाया जबकि चाउ ने लगातार गलतियां की। प्रणय ने जल्द ही 19-14 से बढ़त हासिल कर दी और फिर उन्होंने यह गेम जीतने में देर नहीं लगाई। प्रणय ने तीसरे और निर्णायक गेम में शुरू में गलतियां की जिससे चाउ ने 6-4 की बढ़त हासिल कर दी। इंटरवल तक ताइपे के खिलाड़ी के पास छह अंक की मजबूत बढ़त थी लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने कुछ शानदार क्रॉस कोर्ट लगाकर जल्द ही स्कोर 12-13 कर दिया। लेकिन प्रणय ने फिर से गलतियां की जिससे चाउ ने 17-14 से बढ़त बना दी। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद तीन मैच प्वाइंट बचाए लेकिन फिर से उनकी सर्विस सही नहीं रही जिससे चाउ को मैच प्वाइंट मिला और इस बार उन्होंने उसे हासिल करने में कोई गलती नहीं की।

कल्याण चौबे बने एआईएफएफ के अध्यक्ष

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व गोलकीपर एवं पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता कल्याण चौबे शुक्रवार को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के चुनाव में दिग्गज फुटबॉल खिलाडी बाइचुंग भूटिया को हराकर अध्यक्ष बन गए। एआईएफएफ के चुनावों के लिये मतदान नयी दिल्ली में हुआ। चौबे ने जहां भूटिया को 33-1 के बड़े अंतर से मात दी। एआईएफएफ के 85 साल के इतिहास में चौबे पहले ऐसे व्यक्ति हैं जो खिलाड़ी के बाद अध्यक्ष बने हैं। अपने करियर के शुरूआती हिस्से में ईस्ट बंगाल फुटबॉल क्लब के ड्रेसिंग रूम में साथ समय बिता चुके चौबे और भूटिया प्रफुल्ल पटेल के उत्तराधिकारी बनने के लिए एक-दूसरे के आमने-सामने थे। भारत के 36 राज्य फुटबॉल संघों में से लद्दाख और जम्मू-कश्मीर को मतदान की अनुमति नहीं दी गयी। अध्यक्ष की दौड़ में कल्याण हमेशा से ही आगे चल रहे थे। भूटिया के नामांकन के बाद चुनावी सरगर्मियां थोड़ी बढ़ीं, लेकिन सिक्किमी स्निपर राज्य संघों से लगातार बातचीत के बावजूद एक से ज्यादा वोट हासिल नहीं कर सके।

एशिया कप : पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर बोले -

कोहली की जगह नंबर-3 पर सूर्य कुमार को करनी चाहिए बल्लेबाजी

दुबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने दावा किया कि वह एशिया कप-2022 के आगामी मैचों में विराट कोहली की जगह सूर्यकुमार यादव को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखना चाहेंगे। बुधवार को अपने दूसरे ग्रुप ए मैच में हांगकांग पर 40 रन की जीत के बाद, रोहित शर्मा और उनके साथी एशिया कप के सुपर-4 चरण के लिए क्वालीफाई करनेवाली दूसरी टीम बन गए। विराट कोहली (59*) और सूर्यकुमार यादव (68*) ने टीम इंडिया के लिए बल्ले से अभिनय किया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 98 रन की साझेदारी कर भारत को 192 के कुल स्कोर के साथ एक कमांडिंग स्थिति में ला दिया। इसके बाद गेंदबाजों ने हांगकांग को 40 रन पहले रोककर मैच को अपने नाम करते हुए सुपर-4 में जगह बनाई। एक पोल में अधिकांश प्रशंसकों ने विराट कोहली को भारत के नंबर तीन के रूप में जारी रखने के लिए वोट दिया। वहीं, कमेंट्री बॉक्स में मौजूद गंभीर की इस विषय पर बिल्कुल अलग राय थी। फिलहाल सूर्यकुमार की फॉर्म को देखते हुए गंभीर का मानना है कि भारतीय टीम प्रबंधन को आगामी मैचों में मुंबई के खिलाड़ी को विराट कोहली से आगे नंबर 3 पर प्रमोट करना चाहिए।

गंभीर ने कहा कि सूर्यकुमार यादव जैसा कोई, जो इतने अच्छे फॉर्म में है, आप उसके फॉर्म का इस्तेमाल करना चाहेंगे। विराट कोहली 4 पर आ सकते हैं, हार्दिक पांड्या 5 पर आ सकते हैं और फिर आप बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल कर सकते हैं। भारत के शीर्ष क्रम को देखते हुए गंभीर का मानना है कि सूर्या जैसा खिलाड़ी तीसरे नंबर पर होना चाहिए ताकि दबाव को जल्दी कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार एक तरह के खिलाड़ी हैं जो एक सलामी बल्लेबाज के जल्दी आउट होने पर दबाव को दूर कर सकते हैं। मैं वास्तव में एक खाका रखने में विश्वास नहीं करता, लेकिन वह विस्फोटक खेल सकता है। सूर्यकुमार किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं और उन्होंने कप्तान रोहित और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को भी इस बात से अवगत करा दिया है।

श्रीलंका ने चार साल बाद लिया नागिन डांस वाला बदला, बांग्लादेश को जमकर किया ट्रोल

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप-2022 के अहम मुकाबले में बांगलादेश को हराकर श्रीलंका ने चार साल पुराना अपना नागिन डांस वाला बदला ले लिया है। 2018 में श्रीलंकाई टीम निदहास ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचने से चूक गई थी। तब बांगलादेश ने श्रीलंका को हराने के बाद मैदान पर खूब नागिन डांस किया था। अब जब एशिया कप में सुपर-4 में आगे जाने के लिए दोनों में रोमांचक जंग जारी थी तब भी बांगलादेश के क्रिकेट प्रशंसक नागिन डांस करने से बाज नहीं आए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम जब लगातार विकेट गंवा रही थी तब दर्शक दीर्घा से फैन लगातार श्रीलंकाई टीम के नागिन डांस कर ट्रोल कर रही थी। लेकिन आखिर में जब मैच खत्म हुआ तो श्रीलंकाई प्लेयरों ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। श्रीलंका टीम जैसे ही आखिरी ओवर में फर्नांडो की गेंदों पर जीतती दिखी, पवेलियन में बैठे श्रीलंकाई प्लेयर चमिका करुणारत्ने भी नागिस डांस कर बांगलादेश के प्लेयरों को चिढ़ाने से पीछे नहीं हटे। 2018 में निदहास ट्रॉफी से बाहर करने पर बांगलादेश ने श्रीलंकाई प्लेयरों का खूब मजाक बनाया था। अब चार साल बाद श्रीलंका ने बांगलादेश को एशिया कप से बाहर कर इसका बदला ले लिया है। मैच की बात करें तो श्रीलंकाई टीम ने एशिया कप 2022 के सुपर-4 में जगह बना ली है। आगे बढ़ने के लिए श्रीलंका को 184 रन बनाने थे जोकि उन्होंने पुछल्ले बल्लेबाजों के सहयोग से बना लिए। इससे पहले श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने टॉस जीतने के बाद बांगलादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। बांगलादेश ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 183 रन बनाए। हसन मिराज ने 39, शाकिब ने 24, अफीफ हुसैन ने 39, महमुदुल्लाह ने 27, हुसैन ने 24 रनों का योगदान दिया। जवाब में खेलने उतरी श्रीलंकाई टीम ने कुसल मेंडिस के 60, दासुन शनाका ने 45 रन बनाकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अफगानिस्तान को हल्के में नहीं ले सकते टीम ज्यादा गलतियां नहीं करती : चोपड़ा

दुबई (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल श्रृंखला हारने के बाद अफगानिस्तान की प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता पर कई लोगों ने सवाल उठाया था, लेकिन एशिया कप 2022 में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे सबसे छोटे प्रारूप में इतनी भयंकर टीम क्यों हैं। दो बैक-टू-बैक जीत के साथ अफगानिस्तान ने एशिया कप के सुपर-4 के लिए क्वालीफाई किया। भारत के पूर्व क्रिकेटर निखिल चोपड़ा का मानना है कि किसी को भी अफगानिस्तान को हल्के में नहीं लेना चाहिए। राशिद खान और मुजीब उर रहमान के फॉर्म में होने से अफगानों को टूर्नामेंट के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। चोपड़ा ने कहा, जिस तरह की गलतियां बांग्लादेश या श्रीलंका की टीम ने की अफगानिस्तान ऐसी गलतियां नहीं करता है और मैं उस पर गारंटी दे सकता हूं। अगर आप नो बॉल या अतिरिक्त रन देने की बात करें तो आप देखेंगे कि अफगानिस्तान कड़ा क्रिकेट खेलता है। भले ही आप एक महान खिलाड़ी हों या एक महान टीम, आपको अफगानिस्तान को हराने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलना होगा। आप उन्हें हल्के में नहीं ले सकते। इस बीच श्रीलंका के खिलाफ निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश अब 2022 एशिया कप से बाहर हो गया है। श्रीलंका ने गुरुवार (1 सितम्बर) को उन्हें दो विकेट से हराकर प्रतियोगिता के सुपर-4 के लिए क्वालीफाई किया।

जेम्स एंडरसन ने बढ़ती ट्रोलिंग की वजह से ट्विटर पर ऋषभ पंत शब्द को किया म्यूट

लंदन (एजेंसी)। जब से ऋषभ पंत ने इंगलैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को विकेट के पीछे शॉट मारा है तब से क्रिकेट फैंस एंडरसन की ऋषभ पंत का नाम लेकर खूब खिंचाई कर रहे हैं। इस बात का खुलासा खुद जेम्स एंडरसन ने किया है। एंडरसन की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसमें वह दोस्तों के साथ बैठे इसका रोचक खुलासा करते हुए नजर आ रहे हैं। दरअसल, एंडरसन से उनके दोस्त उनके ट्विटर अकाऊंट पर उस शब्द को बैन (म्यूट) करने की बात कहते हैं जिससे वह ज्यादा परेशान हैं। एंडरसन इस दौरान ऋषभ पंत का नाम लेते हैं। एंडरसन के मुंह से पंत का नाम सुनकर उनके दोस्त हंसने लगते हैं। महज 27 सेकेंड की इस वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। एंडरसन ऋषभ पंत के अलावा, ग्लेन मैक्ग्रा, स्टेन से भी बदतर, रिवर्स, स्वीप, और रिवर्स-स्वीप आदि शब्दों को भी म्यूट कर चुके हैं। इस सूची में क्लाउडर्सन शब्द भी शामिल हैं, जिस शब्द का इस्तेमाल प्रशंसक जेम्स एंडरसन को ट्रोल करने के लिए करते हैं। यह शब्द इस्तेमाल प्रचलित है जिसमें दावा किया जाता है कि एंडरसन तभी अच्छा प्रदर्शन करते हैं जब बादल छाए हुए होते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पर लगा 7500 डॉलर का जुर्माना

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तुनक मिजाज खिलाड़ी निक किर्गियोस पर यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर के मैच के दौरान खेल भावना के विपरीत व्यवहार करने के लिए 7500 डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। किर्गियोस को बुधवार को खेले गए मैच के दौरान दर्शक दीर्घा में मौजूद किसी के प्रति अभद्र भाषा का उपयोग करने के लिए चेतावनी भी दी गई। ऐसा लग रहा था कि विंबलडन का विजेता यह खिलाड़ी अपने ही बॉक्स में किसी पर चिल्ला रहा था और उससे अधिक समर्थन करने या फिर वहां से चले जाने के लिए कह रहा था। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने दूसरे सेट के दौरान चेयर अंपायर से गांजा की गंध आने की भी शिकायत की थी। किर्गियोस ने इस मैच में जीत दर्ज की थी।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट : कप्तानी करेंगे हरभजन सिंह और इरफान पठान

नयी दिल्ली (एजेंसी)। लीजेंड्स लीग क्रिकेट फ्रेंचाइजी टीमों ने शुक्रवार को अंतिम दो टीमों के कप्तानों को घोषणा कर दी है। 2011 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य हरभजन सिंह मणिपाल टाइगर्स जबकि भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान भीलवाड़ा किंग टीम की कमान संभालेंगे। पठान की स्विंग और हरभजन की गुगली ने जहां सालों से प्रशंसकों को आकर्षित किया है, वहीं क्रिकेट प्रेमियों के लिए अपने पसंदीदा सितारों को एक बार फिर एक्शन में देखने का यह एक शानदार मौका होगा। 417 टेस्ट विकेट लेनेवाले हरभजन सिंह ने कलाई के स्पिनरों के युग में फिंगर स्पिन के लिए झंडा फहराया। उन्होंने 103 टेस्ट मैचों और 236 एकदिवसीय मैचों के साथ 28 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

कप्तानी पर हरभजन सिंह का बयान : मणिपाल टाइगर्स के कप्तान हरभजन सिंह ने कहा कि वर्षों में सभी महान खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए मैंने खेल की बारीकियों को सीखा है जिसने मुझे एक बेहतर क्रिकेटर बनाया है। एक क्रिकेटर के रूप में मुझे टीम की कप्तानी करने का मौका नहीं मिला, लेकिन यह कुछ ऐसा होगा जिसे मैं वास्तव में आगे देख रहा हूं। उन्होंने कहा, मुझे सामने से नेतृत्व करना पसंद है और मुझे उम्मीद है कि मैं अपनी जिम्मेदारी और विश्वास के साथ न्याय कर सकता हूं। भीलवाड़ा किंग्स के कप्तान बड़ौदा एक्सप्रेस ने कहा, आप जो कर रहे हैं उसका आनंद लेने की जरूरत है और उस प्रयास को 100 प्रतिशत देना ही मायने रखता है। यह अवसर अद्वितीय है, लेकिन हमें विश्वास है कि हम एक टीम के रूप में कुछ बदलाव करेंगे। गौर हो कि लीग 16 सितम्बर 2022 को कोलकाता के ईडन गार्डन में शुरू होगी इसके बाद लखनऊ, नयी दिल्ली, कटक और जोधपुर में मैच होंगे। प्ले-ऑफ और फाइनल के लिए जगह अभी तय नहीं हुई है।

विराट कोहली की बायोपिक करने के लिए अभिनेता ने जाहिर की इच्छा

मुंबई (एजेंसी)। विराट कोहली का इतना बड़ा फैन बेस है कि बहुत कम लोग होंगे जो शायद उन्हें नहीं जानते। अभिनेता विजय देवरकोंडा भारत बनाम पाकिस्तान मैच देखते हुए नजर आए थे। अभिनेता ने विराट कोहली पर बायोपिक करने की तीव्र इच्छा व्यक्त की है। मैच की हाइप इस कदर थी कि पूरी दुनिया टीवी पर यह महा मुकाबला देख रही थी जिसे भारत ने अपने नाम किया। विराट कोहली ने अपनी फॉर्म में वापस आ रहे हैं और उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेलकर इसका सबूत भी दिया। जब उनसे पूछा गया कि आप किस बायोपिक में काम करना चाहेंगे तो उन्होंने कहा, धोनी की बायोपिक पहले ही सुशांत कर चुके हैं। ऐसे में मैं विराट की बायोपिक करने में दिलचस्प हूं।